हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पीएम मोदी की पहली मप्र यात्रा

भोपाल के जंबूरी मैदान अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर 'महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन' में पीएम ने किया 'नारी शक्ति' को नमन

आतंकियों ने नारीशक्ति को चुनौती दी, यही उनका काल बना

दतिया व सतना हवाई सेवा से जुड़ गए, पीएम ने दोनों एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्‌घाटन किया

इंदौर में मेट्रो की शुरुआत हुई, 6 मिनट में 11 किमी चली मेट्रो, इसका भी वर्चुअल शुभारंभ

पीएम ने कहा कि खेती में ड्रोन क्रांति आ रही है। साइंस मैथ्स पढ़ने वाली बेटियों की संख्या बढ़ रही है। चंद्रयान 3 मिशन में 100 से अधिक महिला वैज्ञानिक शामिल थीं। स्टार्टअप में भी बेटियां अद्भुत काम कर रही हैं। 45 प्रतिशत स्टार्टअप में कोई न कोई डायरेक्टर बहनें हैं। हमारा प्रयास है कि नीति निर्माण में बेटियों का भागीदारी बढ़े।

पीएम ने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता के मूल्यों पर चलकर काम कर रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में शनिवार को देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति को नमन करते हुए कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने नारीशक्ति को चुनौती दी, यही उनके लिए काल बन गया। भारत संस्कृति और संस्कारों का देश है। और ये सिंदूर हमारी परंपराओं में नारीशक्ति का प्रतीक है। रामभक्ति में रंगे हुनमानजी भी सिंदूर को ही धारण किए हैं।

शक्ति पूजा में सिंदूर अर्पण करते हैं। यही सिंदूर अब भारत के शौर्य का प्रतीक बना है। पहलगाम में आतंकियों ने सिर्फ भारतियों का ही खून नहीं बहाया, उन्होंने हमारी संस्कृति पर भी प्रहार किया। उन्होंने हमारे समाज को बांटने की कोशिश की है। सबसे बड़ी बात आतंकियों ने भारत की नारी शक्ति को चुनौती दी है। ये चुनौती आतंकियों और उनके आकाओं के लिए काल बना गई है। अब भारत का एक-एक नागरिक कह रहा है कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान के चलो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।

3 करोड़ बहनों को लखपति बहनें बनाने का संकल्प लिया है। अब तक डेढ़ करोड़ बहनें तो बन चुकी हैं

लोकमाता को पता था कि बेटियों के विकास के लिए कौनसा रास्ता है

आज अगर बेटियों की शादी की उम्र की चर्चा करें तो हमारे देश में कुछ लोगों को सेक्यूलिरिज्म खतरे में दिखता है। उनको लगता है कि हमारे धर्म के खिलाफ है। देवी अहिल्या को देखिए, मातृशक्ति के गौरव के लिए उस जमाने में बेटियों की शादी की उम्र के बारे में सोचती थीं। भले उनकी शादी कम उम्र में हुई हो, लेकिन उनको सब पता था कि बेटियों के विकास के लिए कौनसा रास्ता होना चाहिए। देवी अहिल्या जी ने महिलाओं का संपत्ति में अधिकार हो, जिन स्त्रियों के पति की असमय मृत्यु हो गई हो, वो फिर विवाह कर सकें, उस कालखंड में ये बातें करना भी मुश्किल होता था।

हमारी सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में मातृशक्ति ही

और क्या बोले पीएम?

पीएम ने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता के मूल्यों पर चलकर काम कर रही है। हमारी सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में महिलाएं हैं। गरीबों के लिए 4 करोड़ से अधिक बने हैं। उनमें ज्यादातर की मालकिन महिलाएं हैं। कई तो ऐसी बहनें हैं, जिनके नाम पर पहली बार कोई संपत्ति हुई है। हमारी सरकार आज घर-घर में जल पहुंचा रही है। ताकि महिलाओं को दिक्कत न हो, बेटियां पढ़ सकें। बिजली, एलपीजी जैसी सुविधाएं भी हमारी सरकार ने पहुंचाई। माता-बहनों के सम्मान का एक प्रयास है। इससे गांव की बहनों की अनेक मुश्किलें कम हुई हैं। पहले के समय में महिलाएं अपनी बीमारियों को छिपाने पर मजबूर थीं। अस्पताल जाने से बचती थीं। उन्हें लगता था कि परिवार पर बोझ लेगगा, पर आज आयुष्मान ने इसे हल किया है। 2014 से पहले 30 करोड़ से ज्यादा ऐसी बहनें थीं, जिनका बैंक खाता नहीं था, हमने खाते खुलवाए। अब योजना का पैसा सीधा उनके खाते में जाता है। उन्हें मुद्रा गारंटी से लोन मिल रहा है। योजना में 75 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी हैं। शनिवार को इंदौर मेट्रो की शुरुआत हुई है, दतिया और सतना हवाई सेवा से जुड़ गए हैं। ये प्रोजेक्ट विकास को गति देंगे, रोजगार के नए अवसर बनाएंगे।

लोकमाता ने गवर्नेंस का उत्तम मॉडल अपनाया

लोकमाता अहिल्याबाई ने प्रभुसेवा और जनसेवा, इसे कभी अलग नहीं माना, कहते हैं वे हमेशा शिवलिंग साथ लेकर चलती थीं। चुनौती पूर्ण कालखंड में, कोई कल्पना कर सकता है, कांटों से भरा ताज पहनने जैसा काम। लेकिन माता ने अपने राज्य की समृद्धि को नई दिशा दी, गरीबों को सक्षम बनाने का काम किया। वे देश की विरासत थीं। जब देश की मंदिरों, तीर्थस्थलों पर हमले हो रहे थे, उन्होंने उन्हें संवारने का बीड़ा उठाया। हमारे तीर्थों का पुनर्निमाण किया और ये मेरा सौभाग्य है, जिस काशी में लोकमाता अहिल्या में विकास के इतने काम किया, उसी काशी ने मुझे भी सेवा का अवसर दिया। आप काशी विश्वनाथ के दर्शन करने जाएंगे, वहां आपको देवी अहिल्या की मूर्ति भी मिलेगी। साथियों, माता अहिल्या ने गवर्नेंस का ऐसा उत्तम मॉडल अपनाया, जिसमें गरीबों और वंचितों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी। उन्होंने कृषि और वनउपज आधारित कुटीर, हस्त शिल्प को बढ़ाया। खेती को बढ़ावा देने के लिए छोटी-छोटी नहरों की जाल बिछाया। उस जमाने में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कितने ही तालाब बनवाए। आज तो हम भी कह रहे हैं कि बारिश की एक-एक बूंद को बचाओ। देवी अहिल्या ने 250-300 साल पहले हमें ये काम बताया था।

महासम्मेलन में करीब 2 लाख महिलाएं शामिल हुईं

इस सम्मेलन में करीब 2 लाख महिलाएं शामिल हुईं। देवी अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती पर उनका भाषण महिला शक्ति पर केंद्रित रहा। उन्होंने देश के विकास से लेकर, देश की सुरक्षा में महिलाओं के बढ़ते योगदान को बताया। पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि सबसे पहले मैं मां भारती को भारत की मातृशक्ति को प्रणाम करता हूं। यहां इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें-बेटियां हमें आशीर्वाद देने आई हैं। मैं आप सभी बहनों के दर्शन पाकर धन्य हो गया हूं। यह लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती है। 140 करोड़ भारतीयों के लिए ये अवसर प्रेरणा का है। देवी अहिल्या कहती थीं, शासन का सही अर्थ जनता की सेवा करना और उनके जीवन में सुधार लाना होता है। यह कार्यक्रम उनकी सोच को आगे बढ़ाता है।

नेवी की दो वीर बेटियों ने 250 दिन की समुद्री यात्रा पूरी की

मैं आपको नाविका सागर परिक्रमा के बारे में बताना चाहता हूं। नेवी की दो वीर बेटियों ने करीब 250 दिन की समुद्री यात्रा पूरी की है। धरती का चक्कर लगाया है। हजारों किलोमीटर की ये यात्रा उन्होंने ऐसी नाव से की, जो मोटर से नहीं बल्कि हवा से चलती है। सोचिए 250 दिन समुंदर में रहना, कई कई हफ्ते तक जमीन के दर्शन तक नहीं होना, ऊपर से समुद्र का तूफान कितना तेज होता है। खराब मौसम, उन्होंने हर मुसीबत को हराया है। ये दिखाता है कि चुनौती कितनी भी बड़ी हो, भारत की बेटियां उस पर विजय पा सकती हैं। साथियों नकसलियों के खिलाफ ऑपरेशन हो, सीमा पार का आतंक हो, आज हमारी बेटियां भारत की सुरक्षा की ढाल बन बन रही हैं।

देवी अहिल्या ने घर के 'धन' और शासन के धन का अंतर बताया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दुर्गावती ने 3 बार अकबर को धूल चटाई थी। रानी अवंतीबाई ने भी मुगलों के सामने समझौता नहीं किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई एक आदर्श बहू और आदर्श पत्नी रहते हुए शासन चलाया। देवी अहिल्या ने घर के धन और शासन के धन का अंतर बताया। उनके कार्यकाल को देखा जाए तो आज अहिल्या माता के सुशासन के आधार पर ही पूरा शासन तंत्र चल रहा है। मप्र में पिछले 500 साल के काल पर नजर डालें तो गोंडवाना की रानी दुर्गावती ने तीन बार अकबर को धूल चटाई थी। इसी प्रकार रानी अवंतीबाई ने भी मुगलों के सामने कभी भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। ग्वालियर की राजमाता सिंधिया ने भी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर की सुमित्रा ताई को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर प्रदेश का मान बढ़ाया। आज राष्ट्रपति भी एक महिला हैं।

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की प्रतीक चार खास महिलाओं ने किया पीएम का स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी का महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की प्रतीक प्रदेश की चार महिलाओं ने भी स्वागत किया। जबलपुर में कैंसर रोगियों की देखरेख को समर्पित सुश्री ज्ञानेश्वरी देवी, पहली भारतीय कैनोइस्ट और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त सुश्री प्राची यादव, ग्राम स्तर पर स्वच्छता और विकास कार्यों को समर्पित ग्राम तिरला जिला धार की सरपंच श्रीमती आरती पटेल और महेश्वरी साड़ी निर्माण में लगी नागेश्वरी स्वयं सहायता समूह महेश्वर की सुश्री मीनाक्षी ठाकले ने स्वागत अभिवादन किया।

पीएम ने 300 रु. का सिक्का जारी किया

डॉ. जयमती कश्यप राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान से सम्मानित

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय कलाकार डा. जयमती कश्यप को राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान से सम्मानित किया। उन्होंने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी किया। प्रदेश में 1271 नए अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) निर्माण के लिए प्रथम किस्त के तहत रुपए 483 करोड़ रुपए का वर्चुअल अंतरण किया।

इंदौर में मेट्रो का संचालन प्रारंभ

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

इंदौर में सीएम के साथ महिलाओं ने किया सफर

आदिवासी महिलाओं के सपनों की उड़ान पूरी, बोलीं-ऐसा तो कभी भी नहीं सोचा था

पीएम ने सतना एयरपोर्ट का किया वर्चुअल लोकार्पण, 7 आदिवासी महिलाओं ने सबसे पहले की हवाई यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतना

देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर शनिवार को सतना एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण भोपाल से किया गया। सतना एयरपोर्ट लोकार्पण के बाद जिले की 7 आदिवासी महिलाओं को सबसे पहले यात्रा करवाई गई। सतना से रीवा तक की यह यात्रा की गई। महिलाओं में हवाई यात्रा को लेकर बहुत उत्साह दिखा।

■ सतना से रीवा तक की यह यात्रा की गई

देश के पीएम की तारीफ करते हुए महिलाओं ने उन्हें धन्यवाद दिया। हवाई यात्रा करने वाली महिलाओं में छोटी बाई कोल, कैमा गांव, पार्षद बूटी कोल निवासी नगर पंचायत कोठी, संगीता कोल, सतना, सुमित्रा आदिवासी रामपुर बाघेलान, पार्षद ऋतु कोल, मैहर, भूरी कोल,सतना और मैना देवी कोल माधवगढ़ ने सतना से रीवा तक उड़ान भरी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी चले मेट्रो से

सतना से पहली बार महिलाओं ने किया हवाई सफर

इंदौर मेट्रो में पहले दिन महिलाओं ने किया सफर, पहले सप्ताह टिकट नहीं लगेगा

इंदौर। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन से इंदौर मेट्रो का वर्चुअल लोकर्पण किया। मेट्रो में पहले दिन महिलाओं ने सफर किया। मेट्रो देवी अहिल्याबाई होल्कर टर्मिनल से 12.09 बजे पर निकली। 11 मिनट का सफर कर 12.20 बजे वीरांगना झलकारी बाई स्टेशन पहुंची। ये आखिरी स्टेशन है। दो मिनट के स्टॉपेज के बाद मेट्रो यहां से 12.22 बजे रवाना हुई और 12.34 बजे टर्मिनल पर लौटी। इंदौर मेट्रो के टर्मिनल का नाम देवी अहिल्या बाई होल्कर के नाम पर रखा गया है। इसके अलावा सभी स्टेशनों के नाम भी वीरांगनाओं के नाम पर रखे गए हैं, जिनमें - मेट्रो महारानी लक्ष्मीबाई स्टेशन, रानी अवंती बाई लोधी स्टेशन, रानी दुर्गावती स्टेशन और वीरांगना झलकारी बाई स्टेशन शामिल हैं। 6 किलोमीटर का यह यलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है, जो शहर में प्रदूषण को कम करेगा।

दतिया एयरपोर्ट से 7 महिलाओं को लेकर पहली फ्लाइट ने भोपाल के लिए भरी उड़ान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दतिया

दतिया से पहली कॉमर्शियल फ्लाइट ने भोपाल के लिए उड़ान भरी, इस विमान में 7 महिलाएं शामिल सवार थीं, इसकी पायलट भी महिला रहीं। अब दतिया एयरपोर्ट भी भोपाल और खजुराहो से सीधे जुड़ गया है। नवनिर्मित एयरपोर्ट से पीतांबरा पीठ आने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवागमन में खासी सुविधा हो जाएगी। यह प्रदेश का छठवां और ग्वालियर-चंबल अंचल का दूसरा हवाई अड्डा है। दतिया एयरपोर्ट से 19 सीटर विमान उड़ान भरेंगे। फ्लाई बिग एयरलाइन की उड़ानें संचालित की जाएगी जोकि हफ्ते में चार दिन चलेंगी। इस हवाई यात्रा का अनुमानित किराया 1,000 रुपए तय किया गया है, जो वंदेभारत और शताब्दी जैसी सुपरफास्ट ट्रेनों से भी सस्ता है। भोपाल-दतिया का हवाई सफर करीब 1 घंटे 10 मिनट, और दतिया-खजुराहो का सफर सिर्फ 40 मिनट में पूरा होगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
पंजाब मुंबई
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

नर्मदा के भंवर में 200 फीट अंदर फंसा युवक

खंडवा। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में नहा रहे 3 युवक डूब गए। इनमें से दो को घाट पर मौजूद रेस्क्यू टीम ने बचा लिया।

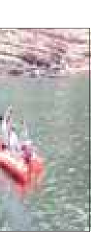

जबकि एक युवक नदी के भंवर में 200 फीट गहराई में फंसा हुआ है। उसे निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसा ब्रह्मपुरी घाट पर हुआ है। बताया जा रहा है कि कानपुर से 20 लोगों का परिवार यहां दर्शन करने आया है। ये युवक उसी परिवार के साथ यहां आए हैं। पुलिस के मुताबिक, कृष्णा साहू नहाते समय गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन वह नर्मदा की गहराइयों में लापता हो गया।

मनाने के बाद भी मंच पर नहीं बैठे दिग्विजय

जबलपुर। जय हिंद सभा में दिग्विजय सिंह मंच पर नजर नहीं आए। नीचे दर्शक दीर्घा में ही सामने की एक कुर्सी पर बैठ गए। इसके बाद पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया ने पैर छूकर उनसे मंच पर चलने का आग्रह

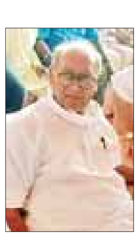

किया। लेकिन दिग्विजय सिंह ने हाथ जोड़कर उन्हें मना कर दिया। सिंह मंच पर नहीं गए। बता दें कि ग्वालियर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर जगह नहीं मिली थी, इसके बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह ऐलान किया था कि अब वे किसी भी मंच पर नहीं बैठेंगे।

कोलंबिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में मारे गए आतंकियों पर शोक जताने वाला बयान वापस लिया

पाकिस्तान के समर्थन से कोलंबिया ने लिया यूटर्न, कहा-हमें अब असलियत पता पड़ी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कोलंबिया ने पहलगाम हमले के जवाब में भारत के सैन्य हमलों के बाद हुए जान-माल के नुकसान को लेकर पाकिस्तान के प्रति संवेदना व्यक्त करने वाला अपना बयान वापस ले लिया है। भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन दिए जाने की बात कोलंबिया के सामने रखी जिसके बाद कोलंबिया ने पहले दिया गया अपना बयान वापस ले लिया। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने कोलंबिया की उप विदेश मंत्री रोजा योलांडा विलाविसेंशियो से मुलाकात के बाद बोगोटा की ओर से विवादास्पद बयान वापस लिए जाने की पुष्टि की। भारतीय सांसदों के सात सर्वदलीय प्रतिनिधमंडल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के बाद आंतकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति भारत के रुख से अवगत कराने के लिए विभिन्न देशों की यात्रा कर रहे हैं।

भारत की बड़ी कूटनीतिक **जीत**

थरूर ने कहा- भारत की प्रतिक्रिया आत्मरक्षा का मामला थी, आक्रामकता की नहीं

भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन दिए जाने की बात कोलंबिया के सामने रखी जिसके बाद कोलंबिया ने पहले दिया गया अपना बयान वापस ले लिया

- कहा- कोलंबिया भारत के साथ एकजुट, हम हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हैं और किसी भी परिस्थिति में भारत के साथ खड़े रहेंगे
- कोलंबिया से प्रतिनिधिमंडल ब्राजील जाएगा, यह पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में अमेरिका जाएगा

कोलंबिया ने हमारा पुरजोर समर्थन किया :थरूर

शशि थरूर ने कहा कि मैंने हाल की घटनाओं पर भारत के दृष्टिकोण से उन्हें अवगत कराया और कोलंबिया की ओर से 8 मई 2025 को पाकिस्तान के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त किए जाने संबंधी बयान पर निराशा व्यक्त की। मंत्री ने मुझे आश्वासन दिया कि बयान वापस ले लिया गया है और उन्होंने हमारे रुख को उचित तरीके से समझा है और उसका पुरजोर समर्थन किया गया है। थरूर ने कहा कि पहले कोलंबिया को भारत का रुख समझ में नहीं आया, लेकिन देश के विदेश मंत्रालय के साथ बातचीत के बाद कोलंबिया ने अपना पुराना बयान वापस ले लिया। इससे पहले शशि थरूर ने भारत की सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में हुई जानमाल की हानि पर कोलंबिया की ओर से संवेदना व्यक्त करने पर निराशा व्यक्त की थी।

कोलंबिया ने समझा भारत का दृष्टिकोण

कोलंबिया की उप विदेश मंत्री वियाविसेंसियो ने भी थरूर के साथ खड़े होकर कहा कि हमें अब इस बात की पूरी जानकारी है कि कश्मीर में वास्तव में क्या हुआ था। अब हम बातचीत को आगे बढ़ा सकते हैं। इस घटनाक्रम का खास महत्व इसलिए भी है क्योंकि कोलंबिया अगले सप्ताह होने वाले चुनाव में लैटिन अमेरिका सीट के लिए अकेला उम्मीदवार है और अगले साल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होने जा रहा है। आतंकवाद से पीड़ित रह चुके कोलंबिया को इस संदर्भ में भारत का दृष्टिकोण समझाना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने लश्कर की करतूतों की जानकारी दी

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने पहलगाम में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' द्वारा किए गए आतंकी हमले और उसके बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' की आवश्यकता पर कोलंबियाई नेतृत्व को विस्तृत जानकारी दी। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी एक्स पर जानकारी दी कि उन्होंने उप विदेश मंत्री को घटना की पूरी श्रृंखला के बारे में बताया। प्रतिनिधिमंडल ने कोलंबियाई संसद के दूसरे आयोग के सदस्यों से भी मुलाकात की, जो देश की अंतरराष्ट्रीय नीतियों से संबंधित है। इनमें चेंबर ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष अलेजांद्रो टोरो और सांसद जयमे राउल शामिल थे।

चलती बस में ड्राइवर को हार्ट अटैक

साथी ने बचाई जान, पीएम के कार्यक्रम में जा रही थी बस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील से प्रधानमंत्री मोदी के भोपाल कार्यक्रम में जा रही बस में शनिवार को बड़ा हादसा टल गया। चलती बस के ड्राइवर को अचानक हार्ट अटैक आया, लेकिन बस में मौजूद ग्राम रोजगार सहायक और कोटवार ने स्थिति को संभाला। ग्राम जामुनिया बाजयप्ता से यात्रियों को लेकर बस भोपाल जा रही थी। भोपाल के पास पहुंचते ही बस के चालक संदीप को अचानक हार्ट अटैक आया। चलती बस डगमगाने लगी और

दर्शन से पहले रामराजा मंदिर में श्रद्धालु को पड़ा दिल का दौरा

निवाड़ी। ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन के लिए आया एक श्रद्धालु चक्कर खाकर गिर पड़ा। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें संभाला और कुर्सी पर बैठाया। हालत बिगड़ने पर इंस्पेक्टर संदीप यादव ने सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) भी दिया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

सतना में करीब 5 करोड़ की टैक्स चोरी

सेंट्रल जीएसटी की 7 टीमों ने 7 कारोबारियों के यहां की छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतना

प्रदेश में शनिवार को सेंट्रल जीएसटी ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए सतना जिले के सात कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है।

■ कुछ कारोबारी पैसा जमा करने को तैयार

सेंट्रल जीएसटी की सात अलग-अलग टीमों ने सातों कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर छापे मारे। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान सभी सातों कारोबारियों के यहां से कुल मिलाकर करीब पांच करोड़ से ज्यादा की कर चोरी

मिलने की संभावना जताई जा रही है। सेंट्रल जीएसटी की टीमें इन सभी व्यापारियों के फेक आईटीसी पास ऑन करने के संबंध में जांच करने पहुंची थीं। इनमें चार फर्मे सतना शहर, दो उचेहरा व एक चित्रकूट में स्थित है।

राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे

अंतरिक्ष में बीज उगाने जैसे कई 'प्रयोग' करेंगे गगनयात्री शुक्ला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण से जुड़े प्रयोग करेंगे।

■ सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण से जुड़े प्रयोग करेंगे

इसरो के आधिकारिक बयान के अनुसार 7 माइक्रोग्रैविटी प्रयोगों का चयन किया गया है। ये विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों के भारतीय शोधकर्ताओं की ओर से

प्रस्तावित किए गए हैं। ये प्रयोग मानव स्वास्थ्य, जीव विज्ञान, मेटरियल रिसर्च, नई दवाओं के विकास और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। 8 जून को शुरू होने वाले इस मिशन में शुभांशु शुक्ला कई तरह के प्रयोग करने वाले हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

6.99 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 692.72 अरब डॉलर पर जा पहुंचा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त हफ्ते में 6.99 अरब डॉलर की बड़ी वृद्धि के साथ 692.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का एक नया रिकॉर्ड स्तर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार के मुख्य घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 4.52 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

■ मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक नींव

81 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 18.571 अरब डॉलर हो गया

वहीं, स्वर्ण भंडार में भी जोरदार वृद्धि देखी गई जो 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसके अलावा स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स में 81 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ यह 18.571 अरब डॉलर हो गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की आरक्षित स्थिति 30 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.401 अरब डॉलर हो गई।

कोच वीडियो में कह रहा है- मैं दोबारा टच नहीं करूंगा

जूडो की खिलाड़ी से कोच ने की छेड़खानी, आज होंगे बयान

एजेंसी ⏭ मुरादबाद

देहरादून निवासी जूडो की नेशनल खिलाड़ी से फार्महाउस में छेड़खानी के आरोपी कोच सतीश शर्मा का एक ऑडियो सोशल मीडिया वायरल हुआ है, जिसमें वह पीड़िता पर दोबारा प्रैक्टिस के लिए आने का दबाव बना रहा है। वायरल ऑडियो में वह कह रहा है कि तुम वापस आ जाओ, मैं दोबारा तुम्हें टच भी नहीं करूंगा। वहीं, पीड़िता आत्महत्या की बात कर रही है। तीन मिनट के इस ऑडियो में आरोपी कोच अपनी गलती स्वीकार करने के साथ ही सफाई भी दे रहा है। सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले सतीश शर्मा के खिलाफ पीड़ित खिलाड़ी ने भोजपुर थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने बताया कि वह सतीश शर्मा से जूडो सीख रही थी। 12 मार्च की सुबह कोच उसे इस्लाम नगर स्थित अपने फॉर्महाउस पर ले गया।

■ कोच पीड़िता को अपने फॉर्महाउस पर ले गया था

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया

गोली मारेंगे और गर्दन काट देंगे... रतलाम पुलिस के सामने ही धमकी देने वाले हिंदू नेता पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतलाम

रतलाम में हिंदू जागरण मंच के नगर संयोजक सूरज महावर के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जावरा में प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ बयानबाजी करने का आरोप है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सूरज महावर पर आरोप है कि उन्होंने लोगों को भड़काने वाले

■ बीएनएस की धारा 296, 351 और 352 के तहत कार्रवाई

बयान दिए और धमकी भी दी। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस की धारा 296, 351 और 352 के तहत कार्रवाई की है। सूरज महावर पुलिस के सामने जावरा बाजार को बंद करने की धमकी दे रहा था। साथ ही कह रहा था कि हम गोली मार देंगे।

दर्जन भर से अधिक जिलों में प्री-मानसून गतिविधियां जारी रहेंगी

अभी औसत अधिकतम पारा सामान्य से 4 डिग्री तक कम

अभी लोकल सिस्टम से होगी बारिश, आज से चार दिन तक बढ़ेगी गर्मी, लू नहीं चलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के कुछ हिस्सों में अभी मौसम में बदलाव जारी रहेगा। अधिकांश जिलों में रविवार से गर्मी में बढ़त होगी, लेकिन कहीं भी लू का असर नहीं होगा। साथ ही बारिश का दौर भी चलेगा। प्रदेश में अभी कोई प्रभावी सिस्टम नहीं होने से फिलहाल लोकल सिस्टम से मौसम में बदलाव जारी रहने की उम्मीद है। अगले तीन से चार दिन के दौरान ज्यादातर जिलों में पारा 2 से 3 डिग्री तक बढने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार अभी कुछ जिलों में बारिश और अधिकांश जिलों में गर्मी में बढ़ोतरी होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी प्रदेश में कोई प्रभावी सिस्टम नहीं होने और हवा में पर्याप्त नमी से लोकल सिस्टम से मौसम में बदलाव रहेगा। इधर, शनिवार को भी सुबह से शाम तक एक दर्जन जिलों में हल्की से मध्यम बौछारें पड़ीं।

लेकिन बारिश, आंधी का दौर कई जिलों में रहेगा

औसत पारा एक डिग्री बढ़ा

शनिवार को प्रदेश में बारिश की कमी के साथ ही दिन का औसत पारा करीब एक डिग्री बढ़कर 39 डिग्री पर पहुंच गया। टीकमगढ़, खजुराहो, शिवपुरी का पारा 40 से 41 डिग्री तक रहा। सबसे गर्म टीकमगढ़ में पारा 41 डिग्री दर्ज हुआ। शिवपुरी में पारा 11 डिग्री बढ़ेर 40 डिग्री रहा। भोपाल में आधा डिग्री बढ़कर 37 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 4.2 डिग्री कम है।

आज यहां हल्की आंधी-बारिश

रविवार को भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, दमोह, मैहर, पांढुर्णा आदि जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बौछारें पड़ सकती हैं।

Reliance
Jio Mart
समय और पैसे दोनों बचाएं
Quick
Scheduled
Biscuits, Drink & Packaged Foods
Quick फ्री होम डिलीवरी
लो प्राइस गारंटी
ज़ीरो एक्स्ट्रा चार्जेज़
फ्लैट ₹ 100 की छूट*
आपके पहले JioMart ऑर्डर पर
न्यूनतम ₹399 की खरीदारी पर
1 जून से 2 जून तक वैध
कूपन कोड का उपयोग करें
JMNEW100
अभी JioMart पर शॉपिंग करें
प्याज 1 kg बाजार मूल्य ₹ 25 जियोमार्ट कीमत ₹18
आम बंगनापल्ली 1 kg बाजार मूल्य ₹ 80 जियोमार्ट कीमत ₹69
सेब रॉयल गाला 1 kg बाजार मूल्य ₹ 280 जियोमार्ट कीमत ₹248
क्वालिटी वॉल्स पार्टी पैक 700 ml (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 140 या उससे अधिक फ्लैट 50% छूट जियोमार्ट कीमत ₹ 70 या उससे अधिक
अमूल A+ / ब्रिटानिया / डिलेक्टा / गो चीज़ स्लाइस 400 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 350 या उससे अधिक जियोमार्ट कीमत ₹199 बचाइए ₹ 151 या उससे अधिक
बिस्किट्स 60 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 35 या उससे अधिक फ्लैट 50% छूट जियोमार्ट कीमत ₹ 17 या उससे अधिक
टाटा अग्नी लीफ टी 1.5 kg एमआरपी ₹ 345 या उससे अधिक बचाइए ₹45 जियोमार्ट कीमत ₹ 300 या उससे अधिक
कोल्ड ड्रिंक्स 750 ml / ज्यूसेस 600 ml (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 40 या उससे अधिक फ्लैट 25% छूट जियोमार्ट कीमत ₹ 30 या उससे अधिक
स्वादिस्ट सोयाबीन तेल 850 g दम्मानी प्रीमियम ग्राउंडनट तेल 900 g एमआरपी ₹ 180 / ₹ 190 जियोमार्ट कीमत ₹124/ ₹146 बचाइए ₹ 56 / ₹ 44
अमूल प्योर घी 1 L एमआरपी ₹ 650 जियोमार्ट कीमत ₹570 बचाइए ₹ 80
आशीर्वाद शुद्ध गेहूं का आटा 10 kg एमआरपी ₹ 542 जियोमार्ट कीमत ₹464 बचाइए ₹ 78
कोलगेट / क्लोजअप / सेंसोडाइन / डाबर रेड टूथपेस्ट 200 g या उससे अधिक (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 212 या उससे अधिक न्यूनतम 33% छूट
लक्स / पियर्स / सिंथॉल / फियामा साबुन 500 g या उससे अधिक (मल्टी पैक) (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 313 या उससे अधिक न्यूनतम 33% छूट
एरियल / सर्फ एक्सेल / रिन मैटिक लिक्विड डिटर्जेंट 2 L या उससे अधिक / सर्फ एक्सेल ईजी वॉश डिटर्जेंट पाउडर 7 kg (चुनिंदा प्रकार) एमआरपी ₹ 271 या उससे अधिक फ्लैट 40% छूट जियोमार्ट कीमत ₹ 162 या उससे अधिक
पॉलिएस्टर स्वचालित छाता (विविध) एमआरपी ₹ 299 या उससे अधिक जियोमार्ट कीमत ₹199
*नियम तथा शर्तें लागू। ऑफर स्टॉक खत्म होने तक वैध। सभी ऑफर्स को सूचना दिए बिना बदला जा सकता है। प्रोडक्ट्स की दिखाई गई तस्वीरें / फोटोग्राफ्स केवल प्रतिनिधित्व के लिए हैं। सभी प्रोडक्ट्स की एमआरपी में सभी टैक्स शामिल हैं। छूट प्रतिशत को ऑफर मूल्य के लगभग प्रतिशत तक राउंड ऑफ किया गया है। चीज़ ऑफर 1 जून तक वैध है, बाकी सभी ऑफर्स 2 जून 2025 तक चुनिंदा पिन कोड्स में वैध हैं। तेल, घी और बेबी फूड पर कूपन ऑफर लागू नहीं है। कूपन ऑफर को किसी अन्य ऑफर के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। सभी विवाद केवल मुंबई में स्थित न्यायालयों के अनन्य क्षेत्राधिकार के अधीन हैं।

रक्षा सचिव राजेश सिंह बोले

सरकार ने घटाई रक्षा खरीद की समयसीमा, इससे 69 हफ्तों का समय बचेगा

1 पोत निर्माण और एएमसीए प्रोजेक्ट में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र कर सकेंगे प्रतिस्पर्धा

2 भारत विश्व के शीर्ष 25 हथियार निर्यातकों में शामिल हुआ

3 100 से ज्यादा भारतीय कंपनियां सैन्य उपकरण बना रही

4 100 से ज्यादा देशों को सैन्य उपकरण निर्यात कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने रक्षा खरीद की समयसीमा को काफी कम किया है, जिससे सैन्य उपकरणों की खरीद में अच्छा खासा समय बचेगा। रक्षा सचिव ने बताया कि रक्षा खरीद में व्यापक सुधारों और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से ये सुधार किए गए हैं। राजधानी दिल्ली में एक रक्षा सम्मेलन में बोलते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि इस पूरे सुधार से रक्षा खरीद की प्रक्रिया में 69 सप्ताह का समय बचेगा।

रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 में बदलाव किए जा रहे हैं। जिनके मुताबिक पारंपरिक नामांकन-आधारित लागत-प्लस खरीद से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण मॉडल में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र ऑर्डर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे

हथियारों के आयातक से निर्यातक बना देश

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को साल 2047 में 32 खरब डॉलर बनाने के लिए भी रणनीतिक स्वायत्ता के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में रक्षा क्षेत्र में शुरू हुए स्वदेशीकरण के चलते साल 2015 में जहां भारत हथियारों का सबसे बड़ा आयातक था, तो आज हमारा देश शीर्ष 25 निर्यातकों में शामिल हो गया है। 100 से ज्यादा भारतीय कंपनियां 100 से ज्यादा देशों को सैन्य उपकरण निर्यात कर रही हैं। सैन्य उपकरणों में ब्रह्मोस मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर पिनाका, सिमुलेटर आर्मर्ड व्हीकल आदि शामिल हैं। सिंह ने कहा कि बीते साल हमने 23,622 करोड़ रुपये के हथियार निर्यात किए। घरेलू खरीद जहां साल 2014 में 43,746 थी, वो 2023-24 में 1,27,000 करोड़ रही।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दिया बल

राजेश कुमार सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सीआईआई बिजनेस समिट में रक्षा परियोजनाओं में देरी, अवास्तविक समयसीमा निर्धारण और व्यवस्थागत मुद्दों पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने इस देरी से सेना की परिचालन तत्परता पर पड़ने वाले असर पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। सिंह ने भारत की रणनीतिक स्वयात्ता को बनाए रखने की जरूरत और विकसित भारत के विजन को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता की भूमिका पर बल दिया। वायुसेना प्रमुख ने निजी उद्योगों से घरेलू रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) और पूंजीगत उपकरणों में भारी निवेश करने का आग्रह भी किया।

रक्षा खरीद प्रक्रिया में हुए कई अहम बदलाव

रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा खरीद प्रक्रिया 2020 में बदलाव किए जा रहे हैं। जिनके मुताबिक पारंपरिक नामांकन-आधारित लागत-प्लस खरीद से प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण मॉडल में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहां सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र ऑर्डर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। पोत निर्माण और एएमसीए (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) प्रोजेक्ट में पहले ही ये बदलाव कर दिए गए हैं।

एयर चीफ मार्शल ने जताई थी नाराजगी

सीआईआई बिजनेस समिट में बोलते हुए सिंह ने कहा था कि कई बार करार पर हस्ताक्षर करते वक्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम समय पर नहीं मिलेंगे। फिर भी हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर देते हैं। मैं ऐसी कोई एक भी परियोजना नहीं बता सकता जो समय पर पूरी हुई हो। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता?

खबर संक्षेप

इंडिगो 10 शहरों के लिए शुरू करेगी फ्लाइट

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10 अंतरराष्ट्रीय शहरों के लिए सीधी फ्लाइट शुरू करेगी। इन शहरों में एथेंस, एम्स्टर्डम, मैनचेस्टर, कोपेनहेगन, सिएम रीप और मध्य एशिया के चार शहर शामिल हैं। यह कदम इंडिगो को ग्लोबल लेबल पर और मजबूत करेगा। कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी जुलाई से मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए सीधी फ्लाइट सर्विस शुरू करेगी। ये उड़ानें बोइंग 787-9 विमान से होंगी, जो इंडिगो ने लीज पर ली हैं।

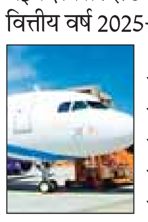

अमृतसर एयरपोर्ट पर 41,400 डॉलर जब्त

अमृतसर। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) अमृतसर की क्षेत्रीय इकाई ने विदेशी मुद्रा तस्करी के एक और बड़े मामले का भंडाफोड़ किया है। शुक्रवार को अधिकारियों ने खुफिया सूचना के आधार पर अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से दुबई से आए एक यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 41,400 अमेरिकी डॉलर (करीब 35.40 लाख रुपए) की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। यात्री अपने सामान में छिपाकर तस्करी के इरादे से विदेशी मुद्रा भारत लाया था।

सीडीएस अनिल चौहान ने खोली पीएम शहबाज शरीफ की पोल, कहा

पाकिस्तान झूठा, उसके 6 लड़ाकू विमान मारने के दावे भी पूरी तरह से 'गलत' हैं

भारत ने रणनीति में बदलाव कर जवाबी हमले किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में पाकिस्तान के झूठ की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल शहबाज शरीफ ने दावा किया था कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट्स मार गिराए हैं। अब सीडीएस ने पाक के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। अनिल चौहान ने कहा कि बिल्कुल गलत। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान भारतीय जेट्स के नुकसान की बात स्वीकार की। लेकिन उन्होंने ये नहीं बताया कि कितने जेट्स को नुकसान हुआ।

बता दें कि सीडीएस अनिल चौहान शांगरी-ला डायलॉग में हिस्सा लेने के लिए सिंगापुर पहुंचे हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि मेरे लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि विमान क्यों गिरे, न कि यह कि वे गिरे। ताकि सेना अपनी रणनीति में सुधार कर सके और फिर जवाबी हमला कर सके। हमने अपनी रणनीतिक गलतियों को पहचाना, उन्हें ठीक किया और दो दिन बाद फिर से एयर ऑपरेशन शुरू किया। हमने अपने सभी जेट विमानों को फिर से लंबी दूरी पर निशाना बनाकर उड़ाया।

अब युद्ध जमीन, हवा, समुद्र के अलावा साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे

पाक के साथ बदले में सिर्फ दुश्मनी मिले तो दूरी बनाए रखना समझदारी भरा फैसला

भारत ने हमेशा अपने नैरेटिव को ठोस आधार पर बनाया, जल्दबाजी नहीं की

15 प्रतिशत समय फर्जी खबरों का मुकाबला करने में लगा

सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध में आजकल एक और चुनौती है- गलत जानकारी और अफवाहें। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमारे सैनिकों को काफी समय फर्जी खबरों का मुकाबला करने में देना पड़ा। भारत की रणनीति यह रही कि बिना जल्दबाजी किए, पक्के तथ्यों के साथ अपनी बात रखी जाए। फर्जी खबरों का मुकाबला करने का हमने निरतंर प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों का 15% समय उन फर्जी खबरों का मुकाबला करने में चला गया। सीडीएस ने कहा भारत ने हमेशा अपने नैरेटिव को ठोस आधार पर बनाया है, भले ही हम कभी-कभी उन्हें प्रस्तुत करने में धीमे रहे हों।

भारत ने खुद की टेक्नोलॉजी पर भरोसा किया

सीडीएस चौहान ने कहा कि अब युद्ध पहले जैसे नहीं रह गए हैं। अब युद्ध जमीन, हवा, समुद्र के अलावा साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी स्वदेशी तकनीक का बेहतरीन इस्तेमाल किया। पाकिस्तान ने भले ही चीनी या पश्चिमी सैटेलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल किया हो, लेकिन भारत ने आकाश मिसाइल सिस्टम जैसी खुद की टेक्नोलॉजी पर भरोसा किया। भारत ने युद्ध के लिए जरूरी नेटवर्क और रडार प्रणाली को खुद से खड़ा किया और यह हमारी बड़ी कामयाबी रही।

क्या सरकार कारगिल समिति जैसा कोई कदम उठाएगी: कांग्रेस

कांग्रेस ने सीडीएस के बयान का हवाला देते हुए कहा कि क्या सरकार कारगिल युद्ध के तत्काल बाद बनी एक समीक्षा समिति की तर्ज पर कोई कदम उठाएगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 29 जुलाई 1999 को, वाजपेयी सरकार ने भारत के रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ के. सुब्रमण्यम, जिनके पुत्र अब हमारे विदेश मंत्री हैं, की अध्यक्षता में कारगिल समीक्षा समिति का गठन किया था। यह कारगिल युद्ध समाप्त होने के ठीक तीन दिन बाद की बात है। उन्होंने कहा कि इस समिति ने पांच महीने बाद अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और 'फ्रॉम सरप्राइज टू रेकनिंग' शीर्षक वाली रिपोर्ट को आवश्यक संशोधनों के बाद 23 फरवरी, 2000 को संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा गया। रमेश ने सवाल किया कि क्या अब सीडीएस ने सिंगापुर में जो खुलासा किया है, उसके आलोक में मोदी सरकार भी वैसा ही कदम उठाएगी?

पाकिस्तान के साथ बेहतर रिश्ते का दौर खत्म

वहीं, सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में 'भविष्य के युद्ध' विषय पर अपनी बात रखी। पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर कहा कि अब भारत बिना किसी रणनीति के कोई काम नहीं करता है। पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक संबंध कायम रखने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि पीएम मोदी ने अपने पहले शपथ ग्रहण में पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ को न्योता भेजा था। उन्होंने कहा कि ताली बजाने के लिए दोनों हाथ चाहिए होते हैं, लेकिन अगर बदले में सिर्फ दुश्मनी ही मिले तो दूरी बनाए रखना एक समझदारी भरा फैसला है।

पाक में बलूच आजादी की मांग तेज

बीएलए के लड़ाकों ने सुराब शहर पर किया हमला, बैंक भी लूटा

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान से आजादी मांग रही बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के सुराब शहर पर हमला किया। हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बीएलए के लड़ाकों ने एक वाणिज्यिक बैंक को लूट लिया। साथ ही कई अफसरों के घर में आग लगा दी।

बीएलए ने दावा किया है कि उसने सुराब शहर पर कब्जा कर लिया। उन्होंने एक बैंक, लेवी स्टेशन और पुलिस स्टेशन पर कब्जे का दावा किया। क्वेटा-कराची और सुराब -गिदर राजमार्ग पर गश्त की जा रही है। हमलावरों ने अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) हिदायत बुलेदी के घर पर हमला किया। इसमें हिदायत बुलेदी की मौत हो गई।

तालिबान ने पाक का चेक पोस्ट उड़ाया

अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में स्थित बहराम चह, जो पाकिस्तान के चगाई जिले से सटा एक सीमावर्ती कस्बा है, फिर सशस्त्र संघर्ष का केंद्र बन गया है। पाक सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच 3 फरवरी से शुरू हुई झड़पें अब तेज हो चुकी हैं। विवाद तब शुरू हुआ, जब तालिबान ने अपनी सीमा को सुरक्षित करने के लिए नई चौकी बनाने की कोशिश की। इसे पाक बलों ने समझौते का उल्लंघन बताते हुए गोलीबारी शुरू कर दी।

बीएलए ने किए 39 हमले

इससे पहले बीएलए ने बलूचिस्तान में 39 अलग-अलग जगहों पर समन्वित हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। बीएलए ने दावा किया था कि उन्होंने कुछ पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया है और क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर नाकाबंदी कर दी है। बलूचिस्तान में लंबे समय से आजादी की मांग करने वाले अलगाववादी आंदोलन चल रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर खुद की पीठ थपथपाई

कहा- भारत-पाक में न्यूक्लियर वार हो सकता था, हमने रोका, वहां के नेता समझदार, मान गए

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई रोकने का दावा किया। व्हाइट हाउस में अरबपति कारोबारी इयॉन मस्क के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान की लड़ाई न्यूक्लियर तबाही में बदल सकती थी। मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं का और अपनी टीम का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।

रूस-यूक्रेन में युद्ध रोकने की कोशिश कर रहे

ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की दोनों ही जिद्दी हैं। वे यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वे यूक्रेन में रूसी बमबारी से निराश थे, जबकि वे युद्ध विराम की व्यवस्था करने का प्रयास कर रहे थे।

ट्रंप को सलाह देना जारी रखूंगा: मस्क

ट्रंप बोले मस्क की अगुआई में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने कई कटौतियां कीं, जिससे '1.62 लाख करोड़' की बचत हुई। मस्क दुनिया के सबसे महान बिजनेस लीडर्स और इनोवेटर्स में से एक हैं। मस्क ने कहा कि यह डीओजीई का अंत नहीं, बल्कि वास्तव में शुरुआत है। हम ट्रंप को सलाह देना जारी रखेंगे। मैं यहां आना जारी रखूंगा।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में मिली बड़ी जिम्मेदारी

अंजलि सूद गर्वनिंग बॉडी में सदस्य के तौर पर शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अमेरिकी बिजनेस एक्जीक्यूटिव अंजली सूद के कारण हार्वर्ड विश्वविद्यालय की चर्चा की जा रही है। दरअसल, अंजली सूद को इस विश्वविद्यालय का प्रशासन चलाने वाली गर्वनिंग बॉडी में से एक बोर्ड ऑफ ओवरसीज में मेंबर के तौर पर जिम्मेदारी मिली है।

अंजली सूद एक अमेरिकी कंपनी की सीईओ के रूप में भी कार्यरत हैं। अंजली सूद को ओवरसीज बोर्ड में मार्क कार्नें की जगह ली है।

टुबी की सीईओ हैं

अंजली सूद टुबी की सीईओ हैं। ये एक अमेरिकी कंपनी है, जो मुफ्त टीवी और मूवी स्ट्रीमिंग का काम करती है। इस प्लेटफॉर्म के कुल 100 मिलियन से अधिक सक्रिय मासिक उपयोगकर्ता हैं। अंजली साल 2023 से इस कंपनी की सीईओ के तौर पर काम कर रही हैं। टुबी से पहले वह वीमियो की सीईओ हुआ करती थीं। अंजली को फार्च्यून की 40 अंडर 40 में नामित किया गया था। अंजली वर्तमान में न्यूयॉर्क में रहती हैं।

एनआईए का बड़ा खुलासा

नक्सलियों ने अपने कमांडर बोस की गिरफ्तारी का बदला लेने सीआरपीएफ पर किया था हमला

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में नक्सलियों ने सीआरपीएफ व दूसरे बलों पर इसलिए हमला कर दिया था, क्योंकि उनका शीर्ष कमांडर प्रशांत बोस, पुलिस की गिरफ्त में आ चुका था। लगभग पांच दर्जन नक्सली, जिनमें सीपीआई (माओवादी) कैडर के कई टॉप कमांडर भी शामिल थे, उन्होंने सीआरपीएफ व लोकल पुलिस पर हमले की साजिश रची थी। हालांकि सुरक्षा बलों ने नक्सली हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया।

आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

तेलंगाना के मुलुगु जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के आठ सदस्यों ने शनिवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के एक डिवीजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) और दो एरिया कमेटी मेंबर (एसीएम) सहित आठ माओवादियों ने हथियार डालकर मुलुगु जिले के पुलिस अधीक्षक शबरीश पी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

तीन नक्सलियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

एनआईए ने केरल के वायनाड जिले में वन विभाग के कार्यालय पर हुए सशस्त्र हमले के सिलसिले में नक्सली संगठन के तीन सदस्यों सीपी मोइदीन, मनोज पी.एम. और पी के सोमन के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

पाकिस्तान में ट्रेनिंग, आईएसआई को भेज रहा था जानकारी

मेवात से जासूस गिरफ्तार, कई यूट्यूबर्स के संपर्क में था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जासूसी के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कासिम के रूप में हुई है, जिसे मेवात से पकड़ा गया है। कासिम पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि कासिम दो बार पाकिस्तान जा चुका है, जहां उसे बाकायदा ट्रेनिंग दी गई थी। वह भारत में रहकर सेना से जुड़ी संवेदनशील और खुफिया जानकारी आईएसआई को भेज रहा था। कासिम पाकिस्तान के कुछ यूट्यूबर्स के भी संपर्क में था। वह भरतपुर में तांत्रिक विद्या का काम भी करता था, जिससे उसके संपर्कों का दायरा बड़ा हो गया था। कासिम का भाई भी आईएसआई एजेंट था, जो फिलहाल फरार है।

इस पूरे मामले को लेकर उचित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और कासिम को गिरफ्तार किया गया है, जिसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है। फिलहाल कासिम से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस जासूसी नेटवर्क से जुड़े और कौन-कौन लोग हैं।

कासिम का भाई भी आईएसआई एजेंट, फिलहाल फरार

पुलिस रिमांड पर लेकर कर रही पूछताछ, साथ में और कौन

दो बार गया था पाक

पुलिस के मुताबिक राजस्थान के भरतपुर निवासी कासिम दो बार पाकिस्तान गया था और कुल तीन महीने तक पाकिस्तान में रुका था। पहली बार अगस्त 2024 में और दूसरी बार मार्च 2025 में। दोनों बार वह करीब 90 दिनों तक पाकिस्तान में रहा। कासिम ने पाकिस्तान में जासूसी की ट्रेनिंग ली थी। उसे एक महीने तक आईएसआई के हैंडलर्स और बड़े अफसरों ने कासिम को ट्रेंड किया था।

भारत से पाकिस्तान भेजे गए सिम कार्ड

पुलिस के मुताबिक कासिम ने दिल्ली-एनसीआर में कुछ लोगों को सिम मुहैया करवाए थे, जिस सिम के जरिए वो पीआईओ यानी पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव से जुड़ सकें और पाकिस्तान आईएसआई के लिए जासूसी कर सकें। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सितंबर 2024 में इस बारे में खुफिया जानकारी मिली थी।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने बीएसएफ की महिला अधिकारी को सम्मानित किया

जम्मू। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक महिला अधिकारी को सम्मानित किया तथा 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उनकी भूमिका के लिए अर्द्धसैन्य बल और पूर्व सैनिकों की प्रशंसा की। जनरल द्विवेदी ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के परगवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की। भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने शनिवार को 'एक्स' पर लिखा कि सीओएएस ने सेना के साथ बीएसएफ के परिचालन तालमेल की भी प्रशंसा की और जम्मू के अखनूर सेक्टर में अग्रिम चौकियों की रक्षा के लिए सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी और उनकी टीम की बहादुरी की भी सराहना की।

दुबई में अफरीदी के स्वागत का मामला

आयोजकों की अब सफाई, हमने नहीं बुलाया, अचानक आ गए थे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुबई में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और उमर गुल की मौजूदगी अब केरल समुदाय को भारी पड़ गई है। वायरल वीडियो में इन दोनों क्रिकेटरों का गर्मजोशी से स्वागत करते दिखाए जाने पर सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा हो गया।

आलोचना इतनी तेज थी कि आयोजकों को सफाई देकर माफी मांगनी पड़ी है। आयोजकों ने आलोचना के बाद एक बयान जारी कर मांफी मांगी है।

भविष्य में सतर्क रहेंगे

सीयूबीएए ने कहा कि हम गहरा खेद व्यक्त करते हैं। हमारा उद्देश्य कभी भी किसी को आहत करना नहीं था। हम अपने देश के मूल्यों का सम्मान करते हैं और भविष्य में ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए अधिक सतर्क रहेंगे। सफाई देते हुए कहा कि न तो अफरीदी और न ही गुल को हमारे किसी सदस्य ने आमंत्रित किया था।

300वीं जयंती पर चल सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला

हर वर्ष मनाई जाएगी लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की जयंती : महापौर

हरिभूमि जबलपुर।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की 300 वीं जयंती पर शनिवार की शाम राइट टाऊन स्थित मानस भवन प्रेक्षागृह में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक अजय विश्नोई एवं नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देवी अहिल्या बाई होलकर की जयंती का दिन संपूर्ण देश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। लोकमाता अहिल्या बाई होलकर का जीवन अनेकों गाथाओं को समेटे हुए है। लोकमाता ने देश भर में मंदिरों के निर्माण के लिए एवं लोगों में ईश्वरीय भाव पैदा करने के लिए कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई का जबलपुर भी कई बार आगमन हुआ है। उनका जबलपुर आना मां नर्मदा के प्रति उनके अकाट्य प्रेम और श्रद्धाभाव को प्रगट करता है। लोकमाता देवी अहिल्या बाई द्वारा मां नर्मदा के तट भेडाघाट के पंचवटी में निर्मित शिवलिंग जबलपुर के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्या बाई का भारत की धरती पर आगमन ईश्वर के अंश के रूप में प्रजा के कल्याण के लिए हुआ था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्या बाई होलकर की जयंती संस्कारधानी में अब प्रतिवर्ष हर्ष और उल्लास के साथ मनाई जाएगी।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अहम योगदान

नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर का महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अहम योगदान है। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के आदर्शों का आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा की लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर भगवान शिव की अनन्य भक्त थीं। जब मुगलों ने आक्रमण कर कई देवस्थानों को ध्वस्त कर दिया तो लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर ने भारत के कोने कोने में जाकर अपनी संपूर्ण संपति को मंदिरों के जीर्णोद्धार में लगा दिया।

नृत्य नाटिका की प्रस्तुति

सांस्कृतिक कार्यक्रम में संस्कार भारती के कलाकारों ने लोकमाता अहिल्याबाई पर केंद्रित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। कमलेश यादव के निर्देशन में 22 कलाकारों ने लोकमाता के समूचे जीवनकाल को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके बाद श्रीम कथक पीठ के कलाकारों ने देवी अहिल्या के साहस और शौर्य को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गिरीश मेराल ने किया।

ये रहे उपस्थित थे

कार्यक्रम में भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, रेलवे बोर्ड के सदस्य सोनू बचवानी, पार्षद श्रीमती अर्चना सिसोदिया, श्रीमती सोनिया रंजीत सिंह, श्रीमती रजनी साहू एवं श्रीराम सोनकर, प्रमोद पटेल, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएटीसीसी हेमंत सिंह, पर्यटन प्रबंधक तरुण मिश्र सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रानी अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंती पर भाजपा ने निकाली शोभायात्रा

त्याग, तपस्या, सेवा, अनुशासन की प्रतिमूर्ति थीं लोकमाता अहिल्या देवी

जबलपुर। मालवा की रानी देवी अहिल्या बाई होल्कर समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यों में आदर्श स्थापित किया है, उन्हे पुण्यश्लोक लोकमाता कहा जाता है वह त्याग, तपस्या, सेवा और अनुशासन की प्रतिमूर्ति थी उनके कृतित्व और व्यक्तित्व को लोगो को जानने का अवसर इन 10 दिनों के आयोजित कार्यक्रमो के माध्यम से मिला है और आज उनकी 300 वीं जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी ने विशाल शोभायात्रा निकाल कर उन्हे नमन किया है, यह बात भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने शोभायात्रा के समापन अवसर पर कही। भाजपा द्वारा निकाली गई शोभायात्रा मालवीय चौक से प्रारंभ हुई जो तीन पत्ती, नगर निगम, नौदरा ब्रिज, करमचंद चौक होते हुए पुनः मालवीय चौक में समाप्त हुई। शोभायात्रा में देवी अहिल्या की सजीव झांकी, बैंड दल के साथ हाथो मे भगवा ध्वज लिए महिलाये शामिल हुई।

इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, वरिष्ठ नेता डॉ जितेंद्र जामदार, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, पूर्व विधायक शरद जैन, अंचल सोनकर, हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, महामंत्री रजनीश यादव, प्रदेश कार्य. सदस्य जीएस ठाकुर, राममूर्ति मिश्रा, अरविंद पाठक, सुषमा जैन, संदीप जैन, कमलेश अग्रवाल, जय सचदेवा, के साथ बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, मातृ शक्ति उपस्थित थे।

अपने-अपने चेहरे चमकाने की होड़ में मुख्य मुद्दा भूले

कांग्रेस की गुटबाजी का शिकार हो गई जयहिन्द सभा

जबलपुर। केन्द्रीय कांग्रेस से कार्यक्रम बेमिशाल आया था, प्रदेश कांग्रेस ने रूप रेखा अच्छी तैयार की थी, लेकिन जबलपुर कांग्रेस नेताओं के बीच आपसी समन्वय की कमी, गुटों में बटी कांग्रेस और नगर संगठन की विफलता और ग्रामीण संगठन की दूरी ने ऐतिहासिक कार्यक्रम को साधारण बना दिया। जबलपुर में हुई कांग्रेस की जय हिन्द सभा की तैयारियों के दौरान, कार्यक्रम के दौरान और कार्यक्रम के बाद जिस तरह के घटनाक्रम सामने आए, उसने फिर एक बार बता दिया की जबलपुर कांग्रेस ने आज भी कुछ नहीं सीखा है। अपने अपने चेहरे चमकाने की होड़ में सेना के पराक्रम के मुख्य मुद्दा ही भूल गए, जबकि कार्यक्रम का शीर्षक ही जय हिन्द था। न तो पोस्टर, बैनरों में न सेना कोई जिक्र किया गया और न ही ऑपरेशन सिंदूर में मुख्य भूमिका निभाने वाली कर्नल सोफिया और व्योमिका की तस्वीर भी कहीं नजर नहीं आई।

क्यों नहीं आए राहुल-प्रियंका

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का अंतिम समय में जय हिन्द सभा में आगमन रद्द हुआ। बताया जा रहा है राहुल प्रियंका की सभा के लिये जैसी तैयारियों की आवश्यकता थी, उसमें जबलपुर कांग्रेस अक्षम पाई गई। अंदर खानों में चर्चा यह है की दिल्ली से आए कांग्रेस नेताओं की टीम ने जबलपुर में कांग्रेस की हालत देखकर जो रिपोर्ट केन्द्रीय संगठन को दी, उसकी वजह से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का आगमन रद्द किया गया।

नगर संगठन बेबस

जय हिन्द सभा के दौरान जो पोस्टर लगाए गये उसमें नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष डॉ। नीलेश जैन ही अधिकांश जगह दिखाई नहीं दिये। इससे नगर संगठन की कांग्रेसियों की नजर में हैसियत उजागर हो गई। वहीं पूरी तैयारियों के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष और उनकी टीम लापता थी। विधानसभा स्तर पर भी जो बैठकें हुई, उसमें पूर्व के अलावा नगर अध्यक्ष कहीं भी सम्मानजनक स्थिति में नहीं थे। जय हिन्द सभा की तैयारियों से लेकर समापन तक नगर संगठन बेबस नजर आया।

जो आए मंच पर बैठ जाए

जय हिन्द सभा के दौरान कांग्रेस का मंच पर हुई बदइंतेजामी ने भी चौका दिया। जो आए, जहां चाहे, जब चाहे मंच पर बैठ जाए वाली स्थिति पूरे कार्यक्रम के दौरान रही। मंच पर ऐसे लोग भी बैठे नजर आए जो नेता तो दूर कांग्रेस के साधारण सदस्य भी नहीं है। मंच में इतनी भीड़ हो गई की सभा समाप्ति के बाद भगदड़ की स्थिति बन गई।

बच्चों को मोबाइल की लत से बचाकर कलाओं में किया निपुण

जबलपुर। ग्रीष्म ऋतु में स्कूलों की छुट्टियां बच्चों को घर में आराम करने और मोबाइल में खेलने की लत के लिए नहीं होती है बल्कि इन अवकाश के दिनों में बच्चों को नई कला सीखने का अवसर यह ऋतु प्रदान करती है, इसका उदाहरण जबलपुर रेल मंडल द्वारा रेल सौरभ क्लब में आयोजित ग्रीष्मकालीन समर कैंप में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर विभिन्न कलाओं जैसे ताइक्वांडो, पेंटिंग, नृत्य को सीख कर इस बात को साबित किया की इसके साथ ही अपने समय का सदुपयोग किया। रेल सौरभ क्लब में आयोजित एक माह के समर कैंप में बच्चों ने खेल की विभिन्न कलाओं के साथ ही आपस में मित्रता और क्रिएटिविटी को सीखा। पीसीई मैडम श्रीमती रेनू गौतम एवं डीआरएम मैडम श्रीमती पूनम खत्री तलरेजा के मार्गदर्शन में और सभी रेलवे अधिकारियों के सहयोग से यह कैंप और भी यादगार बन गया।

हाईकोर्ट के आस-पास की सभी सड़कों का कराया गया निर्माण : महापौर

जबलपुर। मानसून आगमन के पूर्व शहर की सभी चिन्हित डामलीकृत सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में महापौर अन्नू ने हाईकोर्ट के आस-पास के सभी निर्माणाधीन डामलीकृत सड़कों का नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, लोकनिर्माण विभाग के प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य विवेकराम सोनकर, पार्षद श्रीमती रंजना रंजीत ठाकुर एवं अधिवक्ताओं तथा अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के अवसर पर महापौर श्री अन्नू ने बताया कि वर्षाऋतु के पूर्व शहर की सभी डामलीकृत सड़कों का निर्माण उच्चगुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जा रहा है, आज हाईकोर्ट के आस-पास की सभी डामलीकृत सड़कों का निर्माण कराया गया है, जिसका निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार शहर के अन्य चिन्हित डामलीकृत सड़कों का भी निर्माण कार्य अतिशीघ्र कराया जायेगा। महापौर ने बताया कि भैंसासुर मार्ग काफी क्षतिग्रस्त हो गया था, लोगों को आवागमन करने में असुविधा हो रही थी, जिसको ध्यान में रखते हुए नागरिकों की सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था के लिए यहॉ की भी सड़क बनाई गयी है। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के साथ अधिवक्ता प्रदीप शर्मा, निखिल तिवारी, देवेन्द्र गंगराड़े, सौरभ भूषण श्रीवास्तव, अक्षय पवार, स्वाति असीम जार्ज, ग्यान त्रिपाठी, देवेन्द्र काछी, गुरू कुशवाहा, संदीप माली, जय आदि उपस्थित रहे।

तालाब के पास नग्न अवस्था में मिली लाश

पाटन में अज्ञात व्यक्ति की हत्या

जबलपुर। पाटन थाना अतंर्गत मढ़तालाब के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव नग्न अवस्था में पड़ा मिला। उसके चेहरे पर चोट के निशान भी पाए गए। शव के पास शराब के पउए भी पड़े थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया प्रथम दृष्टया जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात अरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पाटन थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि अज्ञात शव मिलने की सूचना पर मढ़तालाब के पास एक 35 वर्षीय अज्ञात पुरूष नग्न अवस्था में मृत पड़ा मिला था, जिसके सिर, चेहरे पर चोट के निशान थे, खून निकला था। चेहरे पर टीशर्ट ढकी थी पास शराब के पाव पड़े थे। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस का प्रथम दृष्टया मानना है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मारपीट से उसकी मौत हुई है। मौत का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा। पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध धारा 103 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

कांग्रेस की जय हिंद सभा में गरजे वरिष्ठ कांग्रेस नेता

हरिभूमि जबलपुर।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने यहां कहा, कि आज पूरे देश को भारत की सेना पर फिर एक बार गर्व है। मैंने 1971 का युद्ध देखा है और स्वर्गीय इंदिरा गांधी की हिम्मत देखी है। मैंने 1971 का बांग्लादेश युद्ध देखा है। इंदिरा गांधी ने उस समय अमेरिका के दबाव को भी नजरअंदाज कर मजबूत फैसले लिए थे। आज जबलपुर की धरती जहां गोला-बारूद बनता है, वहां इतनी बड़ी संख्या में आए आप सब लोगों की उपस्थिति बताती है कि आपके मन में सेना को नमन करने के क्या भाव हैं। लेकिन कुछ लोग आपके इस भाव का राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। आपको इस चालाकी को समझना होगा। कमलनाथ शहीद स्मारक गोलबाजार में आयोजित कांग्रेस की जय हिंद सभा को संबोधित कर रहे थे।

सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां कहा, सेना किसी एक पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की होती है। उनके पराक्रम पर कोई सवाल नहीं है, सवाल सरकार की मंशा और फैसलों की पारदर्शिता पर है।

श्री बघेल ने यहां कहा, सीजफायर की शर्तें स्पष्ट रूप से सार्वजनिक क्यों नहीं की गईं? क्या अमेरिकी राष्ट्रपति के कहने पर भारत ने सीजफायर घोषित किया? उन्होंने शिमला समझौते का हवाला देते हुए कहा कि उसमें स्पष्ट लिखा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच के मुद्दों में कोई तीसरा पक्ष दखल नहीं देगा। बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान से लड़कर बांग्लादेश बनवाया था। आज देश की स्थिति क्या है, यह पूरे देश के सामने है।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने कहा कि कार्यक्रम स्थल के चयन के लिए जबलपुर उपयुक्त था। इसके लिए उन्होंने जबलपुर के पुराने इतिहास की बात कही। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान पूर्व में सेना और देश के लिए किए गए कार्यों के बारे में चर्चा की और कई पुराने वाकये बताए। साथ ही उन्होंने सेना के शौर्य और पराक्रम की बात भी कही। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष, विस नेता प्रतिपक्ष सहित कांग्रेस के विधायक व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भावविभोर हुए श्रद्धालु

नि:स्वार्थ भाव से भक्ति, सतसंग करने से मिलते हैं भगवान : ब्रम्हानंद दास

सिहोरा। भगवान धन दौलत के नहीं बल्कि भाव के भूखे होते हैं और प्रेम से नाम लेने मात्र से भक्त की ओर खींचें चले आते हैं बस हमारी भक्ति में स्वार्थ नहीं होना चाहिए जब जब प्रथ्वी पर पाप बढ जाते हैं तो भगवान किसी न किसी रुप में अवतार लेकर दुष्टों का संहार करते हैं उक्ताशय के उदगार संत ब्रम्हानंद दास जी महाराज ने पुराने बस स्टेंड गणपति ट्रेडर्स में चल रही भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर व्यक्त किए तथा प्रहलाद चरित्र की भी मीमांसा की एंव कहा कि वैष्णव गुरु परम्परा में जिन्हें राम या कृष्ण मंत्र मिला हो वे वैष्णव कहलाते हैं। ब्रम्हानंद जी महाराज ने आगे कहा की कंश के अत्याचार से तीनों लोक त्राहि-त्राहि कर उठे तो भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में आधी रात को अवतार लिया तो सारे पहरेदार गहरी निद्रा में सोए हुए थे और हथकड़ियां व कारागार के ताले अपने आप खुल गए वासुदेव कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल में छोड़ आए और वहां से माया रूपी बालिका को अपने साथ ले आए इधर जब कंश बच्चे के रोने की आवाज सुना तो कारागार की तरफ दौड़ पड़ा उनके हाथों से छीनकर जैसे ही उसने माया को जमीन पर पटकने का प्रयास किया तो वह उसके हाथ से छूटकर आकाश में चली गई और कहा की तुझे मारने वाला गोकुल में जन्म ले चुका है कथा के दौरान कृष्ण जन्म की झांकी देख श्रोता नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जयकारे लगाते हुए आनंद में झूम उठे । कथा के पूर्व श्रीमती द्रोपदी गुप्ता, प्रशांत रश्मि गुप्ता, आशीष नीतू गुप्ता, अभिषेक सोम्या गुप्ता, भरत रेखा गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, महेश कुमार गुप्ता, श्रीमती सुशीला गुप्ता, नीलम गुप्ता, कमलेश गुप्ता गुप्ता, उदय गुप्ता, रमेश प्रसाद, राधा पांडे आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

जनकपुरी टाउनशिप में प्रभु श्री राम दरबार के प्रथम दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रभु की रथयात्रा में रथ खींचने में दिखी प्रतिस्पर्धा और भारी उत्साह

जबलपुर। जनकपुरी प्रीमियम टाउनशिप स्थित श्रीराम दरबार मंदिर में प्रभु श्रीराम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर रथयात्रा का आयोजन किया गया। सैकड़ों भक्त जुलूस के साथ भजन गाते और नाचते हुए चल रहे थे। रथ खींचने के लिए भक्तों में भारी उत्साह और प्रतिस्पर्धा देखी गई। जुलूस का कई स्थानों पर फूलों की बारिश से स्वागत किया गया। प्रभु श्री राम के साथ भैया लक्ष्मण, माता सीता भी रथयात्रा में भ्रमण को निकले। नगर भ्रमण करने के दौरान रथ पर प्रभु श्री राम दरबार के दर्शन करने भक्त निहाल हो गए। शनिवार को प्रभु श्रीराम दरबार के प्रथम दर्शन हुए। जनकपुरी प्रीमियम टाउनशिप में श्रीराम दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं में प्रभु के दर्शन की जबरदस्त ललक दिखने को मिली। प्रथम दर्शन को इतनी भीड़ उमड़ी कि मंदिर रात 12 बजे तक खोलना पड़ा। श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 27 मई से शुरू हुई थी, जो कि 31 मई को संपन्न हुई। जिसमें प्राण प्रतिष्ठा के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए राम मंदिर पहली बार शनिवार की शाम को खोला गया। अपने आराध्य को भव्य महल में निहारने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंच गए थे। वैदिक आचार्य दीपक शर्मा ने बताया कि विधि-विधान से श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हुई। पहले दिन पूजन के बाद इन सबको नगर भ्रमण कराने का विधान है। इसके बाद अलग-अलग द्रव्यों में अधिवास कराया गया। इस महोत्सव में प्रातः 10 बजे सिद्धन लोढ़ा पहाड़ सिहोरा वाले श्रीश्री 108 श्री सीता शरण महाराज का आगमन हुआ। उनके सानिध्य में राम नाम धुन से परिसर गुंजायमान हो गया। सभी भक्तों ने उनका आशीर्वाद लिया।

पद्मभूषण पं. कुंजी लाल दुबे स्मृति आयोजन कल

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति, पूर्व वित्त मंत्री,पद्मभूषण पं. कुंजीलाल दुबे की स्मृति में कला, साहित्य, संस्कृति को समर्पित पाथेय संस्था द्वारा 2 जून को शाम 7:00 बजे से मानस भवन में 'नृत्य नमन' समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि कलामर्मज्ञ डॉ. विश्वनाथ दुबे की स्मृति को समर्पित इस आयोजन में 175 नृत्य साधिकाएँ शास्त्रीय,उपशास्त्रीय शैली में 13 सामूहिक नृत्यों का प्रस्तुतिकरण करेंगी। नृत्यों का निर्देशन मोती शिवहरे नवरंग कथक कला केंद्र, कामना-अरुक्शा नायक नृत्यांजलि कला अकादमी भरतनाट्यम,नीता दीक्षित गुरुनमन कथक कला केंद्र, निवासना यादव सत्य प्रकाश डांस अकेडमी, मेघा पांडे स्वरागिनी सांस्कृतिक कला केंद्र, भैरवी विश्वरूप नव नृत्यांजलि नृत्य अकादमी, राकेश गिरी गोस्वामी नटराज कथक कला केंद्र, अंकिता गिनारा श्रीजी कला संस्था, मोऊमिता बेज त्रिलोचन नृत्य शाला, अंजली उपाध्याय भरतनाट्यम डांस क्लासेस, मानसी विश्वकर्मा शिवशक्ति नृत्य कला केंद्र, गरिमा पटवा श्याम श्रुति डांस एकेडमी, तेजस्विनी सिंह, हर्षिता सक्सेना नृत्यांजलि कथक केंद्र द्वारा किया जाएगा। पद्मभूषण पंडित कुंजीलाल दुबे स्मृति आयोजन समिति ने कला प्रेमियों से उपस्थित का आग्रह किया है।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसो. की मासिक बैठक 10 जून को

जबलपुर। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसियेशन, जिला शाखा जबलपुर की मासिक बैठक 10 जून को दोपहर 02 बजे से बरगी हिल्स जबलपुर में आयोजित है, जिसमें प्रांताध्यक्ष एड. राजकुमार दुबे को प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में ब्लॉक, तहसील के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों से उपस्थिति की अपील की गई है।

कसौंधन वैश्य समाज की महिलाओं ने किया सुहागलों का आयोजन

जबलपुर। कसौंधन वैश्य समाज जबलपुर महिला मंडल द्वारा सुहागलों का आयोजन दुर्गा मंदिर गलगला जबलपुर में किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के सैनिकों के पराक्रम, शौर्यता, वीरता से अनुग्रहित होकर उनके परिवारों के उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना हेतु यह आयोजन किया गया, जिसमें समाज की नारी शक्तियों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर प्रदेश महिला अध्यक्ष विभा गुप्ता, नगर अध्यक्ष रेखा गुप्ता, माया गुप्ता, योगिता गुप्ता, अन्नू गुप्ता, सीमा गुप्ता, लवली गुप्ता, रागिनी गुप्ता, सुमन गुप्ता, पद्मा गुप्ता, भगवती गुप्ता, खुशबू ,संगीता सहित अन्य की उपस्थिति रही।

तम्बाकू निषेध दिवस पर लिया नशा मुक्ति का संकल्प

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस और राजमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में नशा मुक्ति एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजमाता अहिल्याबाई होलकर के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम के संचालक मुकेश कुमार सेन ने बताया कि तम्बाकू हमारे शरीर के लिए हानिकारक है, तम्बाकू सेवन से टीबी, कैंसर, तनाव, डिप्रेशन जैसी बीमारियां होती हैं। तदोपरांत सोशल वर्कर भूपेन्द्र कटेले ने राजमाता अहिल्याबाई को श्रद्धांजलि देते हुए उनके गौरवशाली इतिहास को बताया। अंत में सभी को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया।

जनसेवा पार्टी की सभा आज

जबलपुर। डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर जनसेवा पार्टी के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 01 जून को मध्यान्ह 12.30 बजे से गोरखपुर गंगासागर अकबर का बाड़ा में कमल चौधरी के निवास पर पार्टी की सभा आयोजित है। सभा के मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी होंगे, अध्यक्षता रामसिपाही सेठ करेंगे। संस्था के अमित सैनी, रामसिपाही सेठ, श्यामलाल चौधरी, लखन खरे, ओमनाथ, गनेश प्रसाद चौधरी, सियाबाई, मीनाबाई, रामबाई, सीताबाई, रामकली, चंदाबाई, नरबद बाई, लक्ष्मीबाई, श्यामाबाई सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति की अपील की है।

71वीं राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग में नगर के जॉयदेव, शुभम को गोल्ड मैडल

जबलपुर। बेंगलौर में आयोजित राष्ट्रीय अमेच्योर बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रदेश टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत व एक कांस्य पदक अर्जित किया। प्रदेश के बॉडी बिल्डर जॉयदेव राय ने भारत श्री खिताब वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता, तो वहीं भारत उदय स्पर्धा में शुभम नामदेव ने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया। इसी वर्ग में नितिन पटेल एवं प्रशांत लोधी ने क्रमशः रजत व कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत श्री प्रतियोगिता के वर्ग में महेन्द्र पटेल ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर देश व नगर को गौरवान्वित किया। प्रदेश संघ के मीडिया प्रभारी शकील अनवर के मुताबिक नायडू व्यायाम शाला व प्रदेश संघ के वरिष्ठ सदस्य लखनलाल नायक ने विजेता बॉडी बिल्डरों को प्रोत्साहन स्वरूप 2100 रुपये की नगद राशि देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों की इस सफलता पर अध्यक्ष सुमित कालिया, महासचिव राकेश तिवारी, बीके पाठक, सौरभ नाटी शर्मा, अशोक कपूर, जीएस चौहान, सचिन यादव, शकील अनवर, सपन राय, रोहित तिवारी हीरा, मुईन सिद्दीकी, इन्द्रपाल सिंह गोगी, राजेश राठौर, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, शादाब अंसारी, आसिफ अली सहित अन्य ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में 31 मई 2025 को आयुक्त, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं NSS इकाई द्वारा (राष्ट्रीय सेवा योजना) विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों एवं समाज को जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रेडक्रॉस सोसाइटी के अधिकारी सुनील गर्ग, मुख्य वक्ता के रूप में मनोवैज्ञानिक परामर्शकर्ता तेज सिंह ठाकुर ,महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. शशि दुबे एवं महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी आसिफ बेग मंचासीन रहे। कार्यक्रम की मुख्य कड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह एक सामाजिक बुराई भी है। युवाओं को इससे दूर रहना चाहिए और अपने परिवार व समाज को भी इसके खिलाफ जागरूक करना चाहिए। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिखा पाराशर, डॉ. मनीष शाह, डॉ. शिवमणि मिश्रा, डॉ. अंजू पाठक, डॉ. विपिन राय, डॉ. विमल शुक्ला, डॉ. रोहित वर्मा, डॉ. संध्या कोष्टा, डॉ. शशि दुबे, डॉ. जीसी राय, डॉ. आरती शुक्ला, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. रत्नेश नामदेव, सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने जनसंपर्क कर किया प्रेरित

जबलपुर। शासकीय कलानिकेतन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जबलपुर की की 12 अलग-अलग टीमों ने रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से जबलपुर शहर और इसके आसपास के स्थित विद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से संपर्क किया। कलानिकेतन पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आर पी पांडे के अनुसार इन टीमों ने बेदी नगर, छुई खदान, गंगानगर , चंदन कॉलोनी, वल्लभनगर, अमखेरा, शासकीय कन्या हाई स्कूल वाहन निर्माणी स्टेट, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशगंज, रॉयल सीनियर सेकेंडरी स्कूल संजीवनी नगर, बालक मंदिर उच्चतर माध्यमिक शाला रामपुर, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बेलबाग, एकीकृत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल घमापुर, भारत सेवक समाज हायर सेकेंडरी स्कूल तथा ग्राम पंचायत घुंसौर एवं ग्राम पंचायत हिनौता चरगवां, पंडित लज्जा शंकर झा उत्कृष्ट विद्यालय, सिंबोयसिस सीनियर सेकेंडरी स्कूल महाराजपुर , परसराम गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल गौतम नगर, विंग्स कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल महाराजपुर, सेंट मैरी हायर सेकेंडरी स्कूल महाराजपुर, ज्ञान गंगा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, एकीकृत हायर सेकेंडरी स्कूल सुहागी में सघन जनसंपर्क किया तथा पालिटेक्निक डिप्लोमा में प्रवेश प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को विस्तृत जानकारी दी।

रादुविवि में लोक माता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई

बेटियों के सामने रखें देवी अहिल्याबाई का आदर्श, उनके चरित्र से सीखना होगा जीवन प्रबंधन

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गई विशिष्ट व्याख्यानमाला

हरिभूमि जबलपुर।

"वर्तमान समय में जब परिवार से संस्कार समाप्त हो रहे हैं। धर्मपरायणता, त्याग, प्रेम, सहयोग की भावना कम हो रही है, तब हमें अपनी जड़ों की तरफ देखने ही जरूरत है। भारतीय समाज और हिंदू धर्म में कई ऐसे महापुरुष और देवियां हुईं हैं, जिनके जीवन आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। उनके पदचिन्हों पर चलकर हम अपने परिवार, समाज, देश को पुर्नजीवन दे सकते हैं। ऐसी ही एक आदर्श हैं लोकमाता अहिल्याबाई। हमें अपनी बेटियों के सामने देवी अहिल्याबाई का आदर्श प्रस्तुत करना होगा। उन्हें पुण्यश्लोक अहिल्याबाई के जीवन से परिचित कराना होगा ताकि वे अपने सुंदर, सुदृढ़ भविष्य की नींव रख सकें। एक अकेली स्त्री देवी शक्ति का अवतार बनकर अपना घर-परिवार भी संभाल सकती है। सबको लेकर चलते हुए भक्ति के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच सकती है और जब शासन प्रबंधन की बारी हो, तो उसमें भी उच्च पायदान स्थापित कर सकती है। अपने मौन से बड़े से बड़े योद्धा को परास्त भी कर सकती है। अपनी रक्षा तो स्वयं कर ही सकती है, असंख्य लोगों की भी रक्षक बन उन्हें जीवदान दे सकती है।" ये बात प्रसिद्ध इतिहासविद् डॉ. आनंद सिंह राणा ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के एकात्मक भवन में लोक माता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती और हिन्दी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विषिष्ट व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप कही।

निधन

श्री दीपचंद केसरवानी- नैन छाया जिलहरी गौरीघाट निवासी श्री दीपचंद केसरवानी (50) का निधन हो गया है अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंपा विश्वकर्मा- श्रीनाथ की तलैया गंजीपुरा निवासी श्री सुरेंद्र विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंपा विश्वकर्मा (47) का निधन हो गया । अंतिम संस्कार गौरीघाट शमशान भूमि में किया गया।

श्री शिवम विश्वकर्मा- गौरीघाट निवासी श्री मूलचंद विश्वकर्मा के पुत्र श्री शिवम विश्वकर्मा (29) का निधन हो गया है अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती काशी देवी सराफ- संत चौक बैंक ऑफ़ इंडिया के सामने निवासी श्री बदलपुर दास सराफ की धर्मपत्नी श्रीमती काशी देवी सराफ (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दुर्गा बाई पटेल- प्रेम सागर निवासी श्री प्यारे लाल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बाई पटेल (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री परसोत्तम रैकवार- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी श्री परषोत्तम रैकवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुनीता रजक- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री नारायण रजक की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता रजक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विनय वंशकार- प्रेमसागर साहू मोहल्ला निवासी श्री विनय वंशकार (55) निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री मोहन सिंह राजपूत- सेठी नगर पानी की टंकी के पास गुप्तेश्वर निवासी श्री मोहन सिंह राजपूत (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राजकुमार झरिया- सेठी नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री राजकुमार झरिया (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राहुल राजपूत- गोरखपुर निवासी श्री राजकुमार राजपूत के पुत्र श्री राहुल राजपूत (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

जबलपुर जिला संघ के प्रतिभागियों ने हासिल की विशिष्ट पहचान

नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करने हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

जबलपुर। भारत स्काउट्स और गाइड्स तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में प्रोजेक्ट CLAP 2.0 के अंतर्गत नेशनल लेवल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का सफल आयोजन 26 से 30 मई 2025 तक राज्य मुख्यालय, भोपाल में संपन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला में राष्ट्रीय मुख्यालय के असिस्टेंट डायरेक्टर बबलू गोस्वामी, स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर बी एल शर्मा , एस बी सी ऑफिसर श्रीमती मोनिका मौर्या द्वारा विभिन्न विषयों पर सभी का मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित प्रतिभागियों ने भाग लिया। जबलपुर जिला संघ से किरण येवले, शुभम सिंह ठाकुर, अनुष्का नामदेव, राहुल यादव एवं जुनैद खान ने उल्लेखनीय सहभागिता की। प्रतिभागियों को स्टोरीटेलिंग, न्यूज़ रिपोर्टिंग, वीडियो एडिटिंग तथा विभिन्न संवादमूलक एवं रचनात्मक गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला में मीडिया पार्टनर इंडिया 24 द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में जबलपुर के प्रतिभागी जुनैद खान ने प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत कर निर्णायकों की विशेष सराहना प्राप्त की, जिससे जिले की गरिमा में वृद्धि हुई।

म्यूचुअल फंड व हेज फंड, दोनों निवेश के विकल्प

- ▶▶ दोनों के उद्देश्यों और रणनीतियां काफी अलग-अलग
- ▶▶ म्यूचुअल फंड सुरक्षित और आम लोगों के लिए सही
- ▶▶ हेज फंड जोखिम भरा, लेकिन हाई रिटर्न वाला विकल्प

हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड और हेज फंड-दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन अलग-अलग सोच और जोखिम के साथ आते हैं। म्यूचुअल फंड को सुरक्षित निवेश के तरीकों में और आम लोगों के लिए जाना जाता है, जबकि हेज फंड जोखिम भरा है, लेकिन यह हाई रिटर्न वाला ऑप्शन बताया जा रहा है। इसलिए इनके बीच में काफी गहरा फर्क है। जब बात निवेश की आती है, तो म्यूचुअल फंड और हेज फंड जैसे शब्द अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन बिलकुल अलग अंदाज में काम करते हैं? म्यूचुअल फंड आम निवेशकों के लिए होता है, जो अपने पैसे को सुरक्षित और समझदारी से बढ़ाना चाहते हैं। वहीं हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

होता क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड एक तरह का निवेश का ऑप्शन होता है, जिसमें एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर कई निवेशकों से इकट्ठा किए हुए पैसे को है और उसे बॉन्ड, स्टॉक्स और अन्य सिक्योरिटीज जैसे विविध प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड का उद्देश्य इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स को ऐसे डायवर्सिफाइड और प्रोफेशनल तरीके से मैनेज पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रोवाइड करना होता है, जिन्हें वे अकेले नहीं खरीद पाते हैं। म्यूचुअल फंड खासकर शुरुआती निवेशकों या उन लोगों के लिए उपयुक्त होते हैं जो निवेश में ज्यादा शामिल होना नहीं चाहते। यदि आपकी निवेश अवधि लंबी है और जोखिम लेने की क्षमता कम है, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए फाइनेंशियल मार्केट में शामिल होने का आसान तरीका है, भले ही आपको इस सेक्टर में ज्यादा जानकारी न हो।

क्या होता है हेज फंड

हेज फंड एक तरह का खास इन्वेस्टमेंट ऑप्शन होता है, जिसमें केवल अमीर और अनुभवी निवेशक पैसा लगाते हैं। यह फंड अलग-अलग और थोड़ी कॉम्प्लेक्स स्ट्रेटजी से ज्यादा फायदा कमाने की कोशिश करता है। हेज फंड वाले ज्यादा जोखिम उठाते हैं और वे उधार लेकर या मार्केट में शॉर्ट सेलिंग जैसी तरकीबों का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके। ये फंड ज्यादा नियमों से बंधे नहीं होते और इसलिए इनके काम करने का तरीका म्यूचुअल फंड से अलग होता है। हेज फंड उन लोगों के लिए है जो बड़ा पैसा लगाना चाहते हैं और जोखिम लेने को तैयार हैं।

म्यूचुअल फंड्स और हेज फंड्स में अंतर

- ▶▶ **ऑब्जेक्टिव :** म्यूचुअल फंड्स का मकसद निवेशकों को सुरक्षित और लगातार रिटर्न देना होता है। इसके लिए वे पैसा कई कंपनियों में लगाते हैं। हेज फंड्स का मकसद ज्यादा मुनाफा कमाना होता है, भले ही इसके लिए जोखिम उठाना पड़े।
- ▶▶ **इनवेस्टर बेस :** म्यूचुअल फंड्स में कोई भी आम व्यक्ति निवेश कर सकता है। हेज फंड्स में सिर्फ ज्यादा पैसा वाले या अनुभवी निवेशक ही पैसा लगा सकते हैं।
- ▶▶ **मैनेजमेंट :** म्यूचुअल फंड्स को नियमों के अनुसार प्रोफेशनल लोग संभालते हैं। हेज फंड्स को ज्यादा आजादी होती है और इन्हें कम निगरानी में चलाया जाता है।
- ▶▶ **इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी :** म्यूचुअल फंड्स में पैसा सुरक्षित और अलग-अलग जगहों पर लगाया जाता है। हेज फंड्स जोखिम लेकर जटिल और आक्रामक तरीके अपनाते हैं।
- ▶▶ **लिक्विडिटी :** म्यूचुअल फंड्स से आप किसी भी दिन पैसा निकाल सकते हैं। हेज फंड्स में अक्सर लॉक-इन पीरियड होता है, यानी कुछ समय तक पैसा नहीं निकाल सकते।
- ▶▶ **फीस :** म्यूचुअल फंड्स में फीस कम होती है और पहले से तय होती है। हेज फंड्स में फीस ज्यादा होती है और मुनाफे पर बेस्ड भी हो सकती है।
- ▶▶ **रेग्युलेशन :** म्यूचुअल फंड्स पर सख्त सरकारी नियम लागू होते हैं और ट्रांसपेरेंसी बनी रहती है। हेज फंड्स पर कम नियम होते हैं और जानकारी कम मिलती है।
- ▶▶ **निवेश रणनीति :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर अधिक पारंपरिक निवेश रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जबकि हेज फंड अधिक आक्रामक और उच्च जोखिम वाले रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
- ▶▶ **जोखिम स्तर :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं, जबकि हेज फंड उच्च जोखिम वाले हो सकते हैं।
- ▶▶ **निवेशक योग्यता :** म्यूचुअल फंड अधिक निवेशकों के लिए उपलब्ध होते हैं, जबकि हेज फंड अक्सर उच्च नेटवर्थ वाले निवेशकों के लिए आरक्षित होते हैं।
- ▶▶ **अंततः,** म्यूचुअल फंड और हेज फंड दोनों में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

एसआईपी में ज्यादा रिटर्न चाहिए तो पांच चीजों पर कर लें फोकस

- ■ एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बेहद जरूरी
- ■ आप कभी निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें
- ■ अपनी ज़रूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करते रहे

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक निवेशक हैं या निवेश करने जा रह रहे हैं तो कुछ बातें अपने पल्ले बांध लें। इससे आप आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे। कहते हैं तुरंत पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन धैर्य और संयम के साथ निवेश किया जाए तो आप बेहतर रिटर्न प्राप्त कर मोटा पैसा बना सकते हैं। यदि आप सीधे शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने का जोखिम नहीं लेना चाहते, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां आपका जोखिम कुछ हद तक कम हो जाता है। अगर आप एकमुश्त बड़ी रकम निवेश करने में सक्षम नहीं हैं, तो सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी में आप हर महीने एक छोटी रकम निवेश कर सकते हैं। आज हम आपको 5 ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड से अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

निवेश में देरी न करें

एसआईपी का एक सबसे बड़ा फायदा कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) की पावर है। आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे, उतना ही बड़ा फंड बना पाएंगे। इससे आप छोटे निवेश से भी समय के साथ बड़ी पूंजी जमा कर सकते हैं। देरी से शुरुआत करने का मतलब है कंपाउंडिंग का पूरा फायदा न ले पाना। इसलिए समय रहते निवेश की प्लानिंग करें। जितना जल्दी हो सके निवेश की प्लानिंग करें और उसे बढ़ाते जाएं। इससे आप आसानी से अपना पैसा बढ़ा पाएंगे।

हमेशा अनुशासित रहें

अक्सर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जो निवेशकों को परेशान करने वाले हो सकते हैं, लेकिन एसआईपी में सफलता की कुंजी अनुशासित रहना है। बाजार में गिरावट के दौरान भी अपने निवेश को जारी रखने से आप कम कीमतों पर अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, जिससे समय के साथ आपकी खरीद लागत का औसत निकल जाता है (इसे रुपया लागत औसत भी कहते हैं)। घबराकर निवेश बंद न करें। बाजार में उतार-चढ़ाव से परेशान न हों, बल्कि जब बाजार में गिरावट आए तो अपने निवेश को और बढ़ाने का प्रयास करें। उससे भागने का प्रयास न करें। एसआईपी के जरिये निवेश आपके लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

धीरे-धीरे एसआईपी की रकम बढ़ाएं (स्टेप-अप एसआईपी)

जैसे-जैसे आपकी आय बढ़े, अपनी एसआईपी की रकम बढ़ाने पर विचार करें। यह स्टेप-अप दृष्टिकोण आपको म्यूचुअल फंड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि आपका निवेश महंगाई और आपके बढ़ते वित्तीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बनाए रखे। स्टेप-अप एसआईपी एक प्रकार की सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है जिसमें निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी के फायदे

- ■ **वृद्धि के साथ निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक अपनी आय में वृद्धि के साथ निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ा सकते हैं।
- ■ **लंबी अवधि के लिए उपयुक्त :** स्टेप-अप एसआईपी लंबी अवधि के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इसमें निवेशक अपने निवेश को बढ़ाते हुए लंबी अवधि में अधिक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।
- ■ **नियमित निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश करते हैं, जिससे उन्हें अनुशासन में रहने में मदद मिलती है।

सही फंड का चुनाव करें

देखा जाए तो सभी म्यूचुअल फंड एक जैसे नहीं होते। सबका प्रदर्शन और रिटर्न अलग-अलग होता है। ऐसे में आपको पिछले प्रदर्शन, एक्सपेंस रेश्यो (फंड चलाने का खर्च) और फंड मैनेजर की विशेषज्ञता के आधार पर विभिन्न फंडों पर रिसर्च करनी चाहिए। ऐसे फंड चुनें जो आपके जोखिम लेने की क्षमता और निवेश लक्ष्यों से मेल खाते हों, चाहे वे इक्विटी (शेयर), डेट (ऋण) या हाइब्रिड (दोनों का मिश्रण) फंड हों। इससे आप बिना किसी रिस्क के निवेश कर पाएंगे और बेहतर रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे।

अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें। अपने एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बहुत जरूरी है। इससे आपको अपने पोर्टफोलियो में ज़रूरत के हिसाब से बदलाव करने में मदद मिलेगी। ऐसे फंड्स पर नज़र रखें जो लगातार अपने बेंचमार्क (तुलना के लिए निर्धारित सूचकांक) से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों। यदि आपके मौजूदा निवेश खराब प्रदर्शन कर रहे हैं, तो फंड निकालकर किसी बेहतर विकल्प में निवेश करने पर विचार करें। अ

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के टेंशन से बचना है तो बॉन्ड में निवेश फायदेमंद

- ●निवेश का एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं
- ●इसमें जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी बॉन्ड में निवेश करें
- ●बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी शेयर बाजार की उतार-चढ़ाव से परेशान रहते हैं, तो बॉन्ड एक बेहतर और स्थिर निवेश विकल्प साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं। यही वजह है कि बॉन्ड निवेश खासकर उन लोगों के लिए आकर्षक बनता जा रहा है जो जोखिम से बचना चाहते हैं और स्थिर आय की तलाश में हैं। पिछले तीन महीनों में निफ्टी 50 में 5.4% की गिरावट आई है, जबकि सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड स्थिर रिटर्न दे रहे हैं।" सरकारी बॉन्ड फिलहाल सालाना 6.2% से 6.8% का रिटर्न दे रहे हैं, जबकि उच्च रेटिंग (एएए) वाले कॉरपोरेट बॉन्ड 6.8% से 7.5% का सालाना रिटर्न दे रहे हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के लिए, खासकर वे जो जोखिम से बचना चाहते हैं, बॉन्ड एक सुरक्षात्मक निवेश के तौर पर काम करते हैं। साथ ही, निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए भी यह एक अहम साधन है, जिससे बाजार की अस्थिरता करीब 30% तक कम की जा सकती है।

बॉन्ड रिटर्न में भरोसा बढ़ रहा

इंडिया बॉन्ड्स के सह-संस्थापक विशाल गोयनका के मुताबिक, जब बाजार भू-राजनीतिक तनावों, केंद्रीय बैंक की नीतियों और वैश्विक घटनाओं से प्रभावित हो रहा हो, उस वक्त बॉन्ड निवेश एक स्थिर नकदी प्रवाह और पूंजी संरक्षण प्रदान करता है। इसलिए बॉन्ड निवेशकों के लिए भरोसे का सौदा है। इसमें भले रिटर्न दूसरे विकल्पों से कुछ कम हो, लेकिन कभी भी नुकसान नहीं पहुंचाता। इसलिए भी बॉन्ड में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा जा रहा है खाकर उन लोगों में जो जोखिम से बचना चाहते हैं और सुनिश्चित और नियमित रिटर्न चाहते हैं। इसलिए आप भी सुरक्षित निवेश करना चहते हैं तो बॉन्ड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

आंकड़ों पर एक नजर

2020-2025 के दौरान निफ्टी 50 का कुल रिटर्न 19.8% रहा, लेकिन उतार-चढ़ाव अधिक था। वहीं, सोना ने इसी अवधि में 16.32% का सालाना रिटर्न दिया। 10 साल के सरकारी बॉन्ड का औसत रिटर्न 6.19% और एएए कॉरपोरेट बॉन्ड्स का सालाना औसत रिटर्न 6.9% रहा। 2024-25 में, निफ्टी ने सिर्फ 7.44% रिटर्न दिया, जबकि सोने ने 41.5% और एएए रेटेड कॉरपोरेट बॉन्ड्स ने 8.03% का स्थिर रिटर्न दिया।

जागरूकता की कमी

आज भी बॉन्ड, खासकर युवाओं के बीच, उतने लोकप्रिय नहीं हैं। इसका कारण है अपेक्षाकृत कम रिटर्न, कम प्रचार, और वित्तीय ऐप्स व मीडिया में कम उपस्थिति। युवाओं में ज्यादा रिटर्न की चाहत उन्हें इक्विटी या म्यूचुअल फंड की ओर खींचती है। हालांकि आरबीआई रिटेल डायरेक्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे इंडिया बॉन्ड्स के माध्यम से अब यह स्थिति बदल रही है।

बॉन्ड बाजार का विकास

भारत में बॉन्ड बाजार तेजी से विकसित हो रहा है। भारत का कुल बॉन्ड बाजार अब $2.69 ट्रिलियन तक पहुंच चुका है। हालांकि अमेरिका जैसे विकसित बाजारों की तुलना में अभी भी तरलता और पहुंच में सुधार की जरूरत है, लेकिन सेबी और अन्य संस्थानों के प्रयासों से यह बदलाव तेजी से हो रहा है।

कितना पैसा बॉन्ड में लगाएं

एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं और जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी प्रतिशत बॉन्ड व निश्चित आय वाले साधनों में निवेश करें। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 40 है, तो 60% आप इक्विटी में और 40% बॉन्ड जैसे स्थिर निवेश में रख सकते हैं।

क्या है बॉन्ड

बॉन्ड एक प्रकार का वित्तीय साधन है जिसमें निवेशक एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे उधार देते हैं और बदले में नियमित ब्याज और मूलधन की वापसी प्राप्त करते हैं।

बॉन्ड की विशेषताएं

- ● **निश्चित आय:** बॉन्ड निवेशकों को नियमित ब्याज की आय प्रदान करते हैं।
- ● **निश्चित अवधि:** बॉन्ड की निश्चित अवधि होती है, जिसके अंत में मूलधन की वापसी होती है।
- ● **कम जोखिम:** बॉन्ड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प होते हैं।
- ● **विविधीकरण:** बॉन्ड पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकते हैं।

बॉन्ड के प्रकार

- ● **सरकारी बॉन्ड:** सरकारी बॉन्ड सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं और इनमें निवेश करने से सरकार को उधार मिलता है।
- ● **कॉर्पोरेट बॉन्ड:** कॉर्पोरेट बॉन्ड कंपनियों द्वारा

बचत 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं या बच्चों की शिक्षा के लिए कर रहे निवेश, फंड एकत्रित कर करना चाहते हैं अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग

ये टिप्स आपकी पूंजी भी बढ़ाएंगे और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे

निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं, बना देंगे आपको आत्मनिर्भर

शुरुआत करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य को स्पष्ट करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करे खुद को आत्मनिर्भर बनाने चाहते हैं या रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो निवेश के कुछ अहम टिप्स आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। बस आपको पहले तय करना है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं यानी इस निवेश के पीछे आपका लक्ष्य क्या है। क्या आप 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं,बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रहे हैं या फंड एकत्रित कर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाह रहे हैं। जैसे ही आप अपना लक्ष्य तय कर लें तो निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं। ये आपकी पूंजी भी बढ़ाएंगे और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे। आज के इस समय में हर कोई आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहता है। अक्सर लोग इंटरनेट पर सवाल पूछते हैं कि अमीर कैसे बने? आप केवल मेहनत से ही नहीं बल्कि स्मार्ट निवेश और वित्तीय अनुशासन में रहकर भी अमीर बन सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपके लिए निवेश के कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं, जिससे जिससे ना केवल आपकी पूंजी बढ़ेगी, बल्कि इससे आप आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

सबसे पहले निर्धारित करें लक्ष्य

निवेश की शुरुआत करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्य स्पष्ट होने चाहिए। जैसे कि आप 5 साल में अपना घर खरीदना चाहते हैं, बच्चों की शिक्षा के लिए फंड एकत्रित करना चाहते हैं या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाहते हैं। आपको अपने लक्ष्य के अनुरूप निवेश की शुरुआत करनी चाहिए। आपको अपने छोटे-छोटे वित्तीय गोल और लंबी अवधि के गोल तय करने चाहिए। जैसे 1 से 3 साल के लिए, 3 से 7 साल के लिए और 7 साल से अधिक। इसके बाद ही निवेश करना शुरू करेंगे तो आपके निवेश की चीजें पूरी तरह से स्पष्ट रहेंगी।

बचत को दें प्राथमिकता

यदि आप अमीर बनना चाहते हैं तो अपने वित्तीय गोल बनाने के बाद बचत की शुरुआत करें। इसके लिए हर महीने का बजट बनाएं। अनावश्यक खर्च करने से बचें। बाजार में जाकर चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। आपको हर महीने अपनी आय का काम से कम 20 से 30% बचाना है। आप 50 -30-20 नियम के अनुसार बचत कर सकते हैं। इस नियम के अनुसार अपनी आय का 50% हिस्सा जरूरतों पर खर्च करें, 30% को अपनी इच्छाओं और मनोरंजन जैसे शौक के लिए खर्च करें, बचे हुए 20% से बचत करके उसका निवेश करें। हर महीने निवेश हो सके इसके लिए आप अपने खाते से ऑटोमेटिक निवेश की सुविधा को शुरू कर सकते हैं।

पहले निवेश को समझना जरूरी

आजकल निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से आप अपनी आय और जोखिम लेने की क्षमता का आकलन करके फिर निवेश करें। आप चाहे तो म्युचुअल फंड के एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में बड़ा फंड जोड़ सकते हैं। इसके अलावा डीमैट खाते में भी निवेश किया जा सकता है, रियल एस्टेट, सरकारी योजनाएं, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि विकल्प में निवेश किया जा सकता है।

अपने निवेश को करें डायवर्सिफाई

निवेश के लिए अक्सर विशेषज्ञ भी यह सलाह देते हैं कि निवेश कभी भी एक जगह नहीं किया जाना चाहिए। अपने पैसे को अलग-अलग एसेट क्लास जैसे इक्विटी, डेट, गोल्ड और रियल स्टेट में बांटे। ताकि किसी एक में भी अगर आपको नुकसान हो तो दूसरे विकल्प से उसे समायोजित किया जा सके और आपका निवेश लाभ दे सकें और आपके गोल को पूरा कर सके।

लॉन्ग टर्म निवेश को दें प्राथमिकता

यदि आप अपने निवेश पर बड़ा रिटर्न हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें। क्योंकि लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज का ज्यादा लाभ मिलेगा। आप जितनी जल्दी निवेश की शुरुआत करेंगे उतना ज्यादा आपको लाभ मिलेगा। लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज पैसा बढ़ाने का सबसे बढ़िया तरीका है।

वित्तीय शिक्षा बढ़ाएं

यदि आप चाहते हैं कि आप निवेश की दुनिया में सफल हो पाए तो उसके लिए लगातार सीखते रहें। वित्तीय किताबें, वित्तीय ब्लॉग पढ़ने के साथ ही विशेषज्ञ से भी सलाह ले सकते हैं। रोजाना अखबार भी पढ़ें और न्यूज सुनें। अपने निवेश की समीक्षा भी करते रहें।

इमरजेंसी फंड को ना करे नजरअंदाज

आपके निवेश के साथ-साथ टैक्स बचत और इमरजेंसी फंड बनाने पर भी फोकस करना चाहिए। आपके पास काम से कम 6 से 12 महीने के खर्च के बराबर का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इससे आप आपात स्थिति से निपट सकते हैं।

अनुशासित रहें और धैर्य रखें

यदि आप वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं बड़ा गोल हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि निवेश के प्रति अनुशासित और धैर्यवान रहें। अपने निवेश को हर साल बढ़ाते जाएं। इससे आप कम समय में ही अपना पैसा बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अपने और परिवार के लिए खरीदे इंश्योरेंस

भारत में आज भी कई लोगों के पास मेडिकल इंश्योरेंस नहीं है, जिसके कारण मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में कई लोगों का पूरा बैंक अकाउंट और निवेश खाली हो जाता है। यहां तक की कई बार कर्ज लेने की भी नौबत आ जाती है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपने और अपने परिवार के लिए मेडिकल इंश्योरेंस जरूर लें।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के अचानक स्थगन के बाद से भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर प्रश्न खड़े हुए हैं। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के लिए किए गए ऑपरेशन सिंदूर समेत भारत के सभी कदमों को वैश्विक समर्थन नहीं मिला, जिसकी भारत को अपेक्षा थी। यह अपेक्षा इसलिए थी कि लंबे समय से विश्व में अनेक देशों के मित्र होने की कूटनीतिक आभा रची जा रही थी। चिर मित्र रूस ने भी तटस्थ रहकर चौंकाया। जब ऑपरेशन सिंदूर सफलता से चल रहा था, तो भारत ट्रंप की ट्रेड ब्लैकमेलिंग का शिकार क्यों हुआ? भारत व पाक के बीच पूर्ण संघर्षविराम का पहले ऐलान कर अमेरिकी राष्ट्रपति ने विश्व स्तर पर भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को नुकसान पहुंचाया। इससे विश्व में भारत के लिए एक कूटनीतिक वैक्यूम पैदा हो गया। सरकार ने सर्वदलीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में भेजा, जिसने आतंकवाद पर भारत के रुख को स्पष्ट किया, पाकिस्तान की आतंकपरस्ती को बेनकाब किया और कूटनीतिक करेक्शन से अमेरिकी झूठ का पर्दाफाश भी किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्व को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का पैगाम दिया है। इस सर्वदलीय विदेश यात्रा के मकसद का विश्लेषण करता आजकल का ताजा अंक...

आतंकवाद के खिलाफ एक्शन का पैगाम

सांसदों के विदेश दौरे का विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

भारत पाक सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम के तत्पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों का एक संयुक्त सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों के शीर्ष लीडरों को भारत का कूटनीतिक पैगाम देने के लिए भेजा गया। भारत का प्रबल पैगाम है कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध वस्तुतः भारत का दृष्टिकोण और रणनीति जीरो टॉलरेंस से ओतप्रोत है। भारत वस्तुतः जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विगत 36 वर्षों से निरंतर विकट संग्राम कर रहा है। भारतीय संसद द्वारा एकमत से पारित प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाना है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पाक अधिकृत कश्मीर पर अपना आधिपत्य स्थापित करना है।

भारत पाक सैन्य संघर्ष के उपरांत कुछ यक्ष प्रश्न उठ खड़े हुए हैं? पहला यक्ष प्रश्न है कि भारत का एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 30 से अधिक प्रमुख देशों में आखिरकार क्यों भेजा गया? दूसरा यक्ष प्रश्न है आखिरकार मात्र चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद पाकिस्तान से भारत को युद्ध विराम क्यों करना पड़ गया? तीसरा यक्ष प्रश्न यह है कि क्या भारत की सैन्य तैयारियों में पाकिस्तान को निर्णायक तौर पर पराजित करने के लिए अत्यंत कमी महसूस की गई? भारत पाक सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम के तत्पश्चात भारत सरकार द्वारा प्रमुख राजनीतिक पार्टियों क्रमशः बीजेपी, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी, जदयू, बीजेडी, सीपीएम, शिवसेना, और आप पार्टी का एक संयुक्त सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों के शीर्ष लीडरों को भारत का कूटनीतिक पैगाम देने के लिए भेजा गया।

जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध पैगाम

भारत का प्रबल पैगाम है कि पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध वस्तुतः भारत का दृष्टिकोण और रणनीति जीरो टॉलरेंस से ओतप्रोत है। भारत वस्तुतः जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विगत 36 वर्षों से निरंतर विकट संग्राम कर रहा है। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण का सैन्य प्रतिशोध लेने के लिए पाकिस्तान हुकूमत एवं सेना की कयादत में संचालित आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करने के लिए भारत ने 7 मई से 10 मई तक सैन्य ऑपरेशन सिंदूर अंजाम दिया। सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिकी सरकार के प्रमुख लीडरों से मुलाकात की गई। भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख चेहरे रहे, बीजेपी के विजयंत पांडा, रवि शंकर प्रसाद, अपराजिता सारंगी, अनुराग ठाकुर, जदयू के संजय कुमार झा, कांग्रेस के सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद, श्रीकांत एकनाथ शिंदे और एनसीपी की सुप्रिया सुले, डीएमके की सांसद कनिमोझी, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी। सांसद बैजयंत जय पांडा सऊदी अरब के शेख लीडरान से मुखातिब हुए। डीएमके की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने ग्रीस की लीडरशिप से मुलाकात की। दक्षिण अफ्रीका एवं अन्य अफ्रीकी देशों के लीडरों से मिलने पहुंची नेशनल कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सूले। इटली की राजधानी रोम और फ्रांस की राजधानी पेरिस में शीर्ष लीडरों से मुलाकात की सांसद रवि शंकर प्रसाद ने। मनीष तिवारी ने मुलाकात की मध्य एशिया और यूरोप के लीडरों से। सलमान खुर्शीद ने मुलाकात की दक्षिण एशिया के देशों के लीडरों से विशेष कर दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर के लीडरों से। अमेरिका तथा लैटिन

अमेरिकन के देशों का कूटनीतिक दौरा अंजाम दिया कांग्रेस के सांसद शशि थरूर ने। यक्ष प्रश्न है कि भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आखिरकार ऐसा कूटनीतिक निर्णय क्यों लिया गया कि भारतीय सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल दुनिया भर के तीस से अधिक प्रमुख देशों में भेजा गया? जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध अंजाम दी गई अपनी शानदार सैन्य कार्यवाही के विषय में विश्व भर को अवगत कराने की भारत सरकार को आखिरकार क्यों जरूरत पड़ गई? आखिरकार संसदीय प्रतिनिधिमंडल के केवल 10 दिनों के कूटनीतिक दौरे की वास्तविक उपलब्धि क्या रहेगी?

प्रमुख राष्ट्रों से समर्थन की उम्मीद

दरअसल भारत को विश्व भर के प्रमुख राष्ट्रों से पाकिस्तान के विरुद्ध जारी सैन्य संघर्ष के दौरान जबरदस्त समर्थन की उम्मीद थी। विश्व पटल पर वैश्विक जिहाद आतंकवाद की सबसे बड़ी निर्माणशाला और पनाहगाह कहे जाने वाले पाकिस्तान को अपना प्रबल समर्थन प्रदान करने के लिए तुर्किये, अजरबैजान, चीन और अमेरिका स्पष्ट तौर पर सामने आ गए। भारत का प्रबल समर्थन करने में इस दफा रूस द्वारा कदाचित कोई गहन दिलचस्पी प्रकट नहीं की गई। सन् 1947 से सदैव ही कश्मीर विवाद के प्रश्न पर भारत का एक तरफा सक्रिय समर्थन करने वाले रूस ने भी इस दफा दोनों संघर्षरत पक्षों के मध्य सुलह कराने के लिए केवल अपनी मध्यस्थता प्रस्तुत कर दी। पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और पोषित जिहादी आतंकवादियों के द्वारा कम से कम 60 दफा गहरे जख्म झेलने वाला अमेरिका भी पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा नजर आया। चीन द्वारा तो खुलकर सार्वभौमिकता के नाम पर पाकिस्तान का प्रबल समर्थन किया गया। पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लिए विश्व पटल पर बहुत बड़ा कूटनीतिक झटका रहा। संभवतः यही सबसे बड़ा कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दुनिया के 30 से अधिक प्रमुख देशों में भेजा, ताकि भारत के पक्ष को कूटनीतिक तौर पर विश्व के प्रमुख राष्ट्रों के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। यह जरूरी था या नहीं, यह अलग विषय है और इसके बाद क्या भारत अपना कूटनीतिक मकसद पूरा कर पाया कि नहीं, इसका भी पता बाद में ही चलेगा।

इंदिरा गांधी ने भी भेजा था प्रतिनिधिमंडल

क्वॉड्रिलैटरल डायलॉग (क्वाड) हालांकि कोई रणनीतिक मोर्चा नहीं है, किंतु क्वाड में चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध भारत एक बड़ी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। दुर्भाग्य से क्वाड द्वारा भी सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के प्रति नैतिक समर्थन तक व्यक्त नहीं किया गया। जब सन 1971 में पाकिस्तान और भारत के मध्य एक बड़ी निर्णायक बांग्लादेश जंग हुई थी, उस ऐतिहासिक दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी और सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में एक सर्वदलीय कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए विश्व के अनेक प्रमुख देशों में भेजा गया था। आजादी हासिल होने के तत्पश्चात भारतीय संसद द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय पार्लियामेंट्री संगठनों में अपनी सक्रिय भागीदारी जारी रखी गई है। विश्व पटल पर अपनी कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाने के लिए भारत को निरंतर प्रयास करना होगा। खासतौर पर अपने परंपरागत रणनीतिक साझेदार रूस को अपने पक्ष में लाने के लिए गहन कूटनीतिक प्रयास करने होंगे। जब भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन की कयादत कर रहा था और और शीत युद्ध के दौर में किसी सैन्य गुट में शामिल नहीं था, तब भी सोवियत संघ रणनीतिक रूप से भारत के साथ दमदार ढंग से खड़ा था। फिर आखिर कहां कूटनीति चूक हो गई है कि रूस पाकिस्तान को अपना राजनीतिक पार्टनर करार देने लगा है। क्या यह रक्षा बाजार की चाहत है?

आतंकवाद के संपूर्ण तंत्र को नष्ट करना जरूरी

दूसरा यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार ऐसी कौन सी कूटनीतिक मजबूरी थी कि भारत को चार दिनों के सैन्य संघर्ष के बाद ही पाकिस्तान से युद्ध विराम करने पर विवश होना पड़ा? भारत जिहादी आतंकवाद के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति का ऐलान करता रहा है। मात्र चार दिनों की सैन्य कार्रवाई से आतंकवाद को पाकिस्तान की सरजमीं से समाप्त करना नामुमकिन है। आतंकवाद को निर्णायक तौर पर समाप्त करने के लिए पाकिस्तान की फौज को निर्णायक तौर पर सन् 1971 की जंग की तरह पुनः एक दफा और पराजित करना होगा। पाकिस्तान में जिहादी आतंकवाद दरअसल पाकिस्तानी फौज के हुक्मरानों और इनके तहत काम करने वाली आईएसआई के संरक्षण और परिपोषण द्वारा पल्लवित होता रहा है। पाकिस्तान की सरजमीं से जिहादी आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए सिर्फ आतंकवादियों को कत्ल करना ही काफी नहीं है वरन संपूर्ण तंत्र को नष्ट करना अति आवश्यक है जोकि जिहादी आतंकवादियों का निर्माण करता है और उनको संचालित करता है।

भारत और पाकिस्तान की तरफ से आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम का ऐलान किया जाता, उससे कहीं पहले अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान जारी कर दिया और दावा पेश कर दिया कि उनकी हुकूमत ने दोनों मुल्कों में मध्यस्थता अंजाम दी। अमेरिकी कूटनीति के दबाव में दोनों देश तुरंत और पूर्णतः संघर्ष विराम करने के लिए सहमत हो गए। दूसरी ओर भारत सरकार का कहना है कि युद्ध विराम पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) की पहल पर अंजाम दिया गया। भारत सरकार द्वारा डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम कराने के कूटनीतिक दावे का खंडन तो कदाचित नहीं किया गया, लेकिन प्रेसिडेंट ट्रंप के दावे की बाकायदा पुष्टि भी नहीं की गई। ट्रंप द्वारा भारत पर थोपी गई युद्ध विराम की कूटनीतिक पहल से भारत सरकार की स्वतंत्र विदेश नीति पर क्या एक प्रश्न चिन्ह खड़ा नहीं हो गया है? तीसरा यक्ष प्रश्न है कि क्या आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की कार्य नीति का ऐलान करने वाली भारत सरकार के पास पाकिस्तान फौज को निर्णायक तौर पर परास्त करने के लिए पर्याप्त सैन्य शक्ति विद्यमान नहीं थी? एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने महत्वपूर्ण डिफेंस सिस्टम खरीद-फरोख्त और उसकी डिलीवरी में हो रहे अतिशय विलंब पर वायु सेना में हो रही गहरी चिंता का इज़हार किया है। उन्होंने किसी भी डिफेंस प्रोजेक्ट को वक्त से पूरा न होने का भी उल्लेख किया और घरेलू डिफेंस डील पर भी कुछ बातें पेश की और कहा कि भारतीय वायुसेना हार्डवेयर के अभाव से लंबे वक्त से जूझ रही है। सेना के पास अत्याधुनिक स्टेल्थ फाइटर विमान विद्यमान नहीं है।

रक्षा तैयारियों में अत्यंत तीव्रता लाना आवश्यक

अनेक रक्षा विशेषज्ञों का कथन है कि भारतीय सैन्य रक्षा सामग्री की खरीदारी और डिलीवरी में एक लंबा अंतराल होने के कारण भारतीय सेना में हताशा निरंतर गति से बढ़ रही है। एयर चीफ मार्शल का बयान इस तथ्य को प्रकट करता है कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में अंजाम दिए गए आतंकवादी आक्रमण और 7 मई को पाकिस्तान के अंदर भारतीय वायु सेना द्वारा अंजाम दिए गए हवाई हमलों के तत्पश्चात दोनों देश युद्ध के लिए आमने-सामने आ गए थे। 10 मई को युद्ध विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों ओर से ड्रोन हमले और सीमा पर जबरदस्त गोलाबारी हुई। इस चार दिवसीय सैन्य झड़प के बाद भारत में रक्षा तैयारियों में अत्यंत तीव्रता लाने की चर्चा ने बहुत जोर पकड़ लिया है। रक्षा विशेषज्ञों का विचार है कि भारत की रक्षा तैयारियों में और अधिक तेजी लाने की जरूरत के संदर्भ में एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह के बयान को स्पष्ट तौर पर समझा जाना चाहिए। सन् 1993 में संसद द्वारा पारित प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाना है कि संपूर्ण कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और पीओके को पाक से लेना है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर भारत को अपनी सैन्य तैयारी अत्यंत तेज कर देनी चाहिए।

कूटनीतिक मकसद साधने की पहल यात्रा

प्रतिनिधिमंडल

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

इस समय सभी दलों के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सात समूहों में दुनिया के अलग-अलग 33 देशों की यात्राओं पर है। इनके साथ विदेश मंत्रालय के कुछ पुराने और अनुभवी राजनयिक भी हैं। स्वाभाविक ही आवश्यकता अनुसार विदेश मंत्रालय की ओर से भी प्रतिनिधि हैं और यात्रा से संबंधित देशों का दूतावास भी पूरी तरह इनके साथ लगा है। 23 से 3 जून तक प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर रहेगा। सामान्य तौर पर इसका लक्ष्य यही बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके पूर्व पहलगाम हमले को केन्द्र में रखते हुए पाकिस्तान की दुर्नीतियों, संपूर्ण आतंकवादी विषयों पर भारत का पक्ष सविस्तार रखने के साथ उन्हें अपने पक्ष से सहमत कराने की भी कोशिश होगी।

हालांकि विपक्ष के सांसद इसमें शामिल हैं किंतु जिस तरह की आवाजें उठीं वह इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के संदर्भ में भी भारत की अपरिहार्य आंतरिक राजनीतिक एकता के विपरीत था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर इसे प्रधानमंत्री की विदेश नीति और कूटनीति की सफलता का प्रतिबिंब बता दिया। उन्होंने कहा कि आज उन्हें मजबूर होकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। कांग्रेस ,तृणमूल आदि पार्टियों की समस्या यह भी थी कि हमसे बिना पूछे हमारे सांसदों को क्यों शामिल किया गया और जिन्हें हम नहीं चाहते थे वे उसमें क्यों हैं? इस विषय पर दो राय हो सकती हैं पर सरकार को भी यह अधिकार होना चाहिए कि ऐसे मामलों में सूक्ष्मता से योग्यता के आधार पर सांसदों का चयन कर उन्हें विदेश भेजा जाए और चूंकि सभी सांसद उनकी पार्टियों के ही हैं इसलिए समस्या नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में अत्यंत कठिन समय में भी ऐसे राजनीतिक विवेक की अपेक्षा हम नहीं कर सकते। बहरहाल इस विषय को छोड़ आगे बढ़ते हैं।

सूक्ष्मता से किया देशों का चयन

यह इतिहास का अब तक का सबसे व्यापक और अभूतपूर्व प्रतिनिधिमंडल है। साफ है कि इसके उद्देश्य आम समझ से ज्यादा व्यापक होंगे और यह पूरी तरह इस समय स्पष्ट भी नहीं हो सकता। इसकी योजना कितनी सूक्ष्मता और व्यापक विचार विमर्श के बाद बनाई गई है, यह इससे पता चलती है कि पाकिस्तान की मदद करने वाले तीन देश तुर्किया, चीन और अज़रबैजान इसमें शामिल नहीं हैं। यानी उन देशों पर समय नष्ट क्यों करें जो हमारी बात न सुनेंगे न समझेंगे। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं चीन के अलावा सुरक्षा परिषद के चार स्थायी सदस्यों के प्रमुखों से बातचीत की थी। इसी तरह विदेश मंत्री एस जयशंकर भी 10 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान को छोड़कर नौ के विदेश मंत्रियों से बातचीत कर चुके हैं।

ओआईसी के देशों का भी दौरा

भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी यानी इस्लामिक सम्मेलन संगठन के भी कई देशों की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री पहलगाम हमले के समय सऊदी अरब की यात्रा पर थे और वहां से बीच में उन्हें वापस आना पड़ा। सऊदी अरब पाकिस्तान का भी मित्र

देश है लेकिन उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ होने की बात कही थी। ओआईसी देश जम्मू कश्मीर पर बीच-बीच में भारत विरोधी प्रस्ताव पारित कर देते हैं। इस संगठन ने ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध भी बयान जारी किया था। तो यह आवश्यक है कि उनसे भी संपर्क करके अपनी बात बताई जाए।

यह सोच ही निराधार है कि ऑपरेशन सिंदूर विषय पर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत का पक्ष कमजोर है इसलिए हमें प्रतिनिधिमंडल भेजना पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बीच, उसके पहले तथा बाद में भी हमारी कूटनीति एक क्षण के लिए रुकी नहीं। संपूर्ण विश्व में विदेश मंत्री, विदेश सचिव, अन्य अधिकारी व स्वयं प्रधानमंत्री बातचीत करते रहे। विश्व के किसी प्रमुख देश ने भारत की कार्रवाई का न विरोध किया और न एक प्रतिकूल बयान दिया। विश्व के प्रमुख देशों का चरित्र है कि जब आतंकवादी हमले होंगे, वे इसके विरुद्ध बयान जारी करेंगे, साथ होने की भी घोषणा करेंगे किंतु जब आप साहस के साथ पराक्रम और पुरुषार्थ दिखाते हुए सीमा पार कर कार्रवाई करेंगे तो कोई सक्रिय साथ देने नहीं आएगा। कुछ देशों की छाती फटेगी और युद्ध रोकिए, युद्ध रोकिए की आवाज उठेगी। वही हुआ है। भारत का संकल्प अटूट है । प्रधानमंत्री ने स्वयं ऑपरेशन सिंदूर को अखंड प्रतिज्ञा कहा है।

भारत की घोषणा दो टूक है कि आतंकवादी कार्रवाई युद्ध मानी जाएगी, पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा, न बातचीत और उसने आतंकवाद नहीं रोका तथा सैन्य दुस्साहस किया तो हम इससे ज्यादा शक्ति से कार्रवाई करेंगे। पाकिस्तान इस्लाम या मजहब के नाम पर भी दुनिया में गलतफहमी न पैदा कर सके न कोई देश या वैश्विक संगठन आरोप लगाये कि भारत सभी को नजरअंदाज कर स्वयं ताकत यानी दादागिरी की तरह कार्रवाई कर रहा है। व्यापक प्रतिनिधिमंडल विश्व के विस्तृत क्षेत्रों में जाने का अर्थ ही है कि भारत भविष्य में आतंकवाद को जड़ मूल से नष्ट करने तक पाकिस्तान के विरुद्ध लंबी सतत कार्रवाई की तैयारी कर चुका है। इस यात्रा के उद्देश्यों को समझने की दृष्टि से कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा न्यूयॉर्क में दिए गए विस्तृत वक्तव्य के कुछ बातों का उल्लेख प्रासंगिक है। उदाहरण के लिए हम अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए अकेले रह सकते हैं लेकिन पाकिस्तान भारत के नियंत्रण वाले क्षेत्र को लेने की लालसा रखता है और चूंकि युद्ध से नहीं जीत सकता तो आतंकवाद के द्वारा कोशिश कर रहा है। इस तरह किसी को रत्ती भर भी संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रतिनिधिमंडल भेजने के पीछे भारत की वर्तमान तथा भविष्य में होने वाली कार्रवाइयों के लिए व्यापक आधार बनाना है जिसमें पाकिस्तान को अलग-अलग करने की भी स्थिति पैदा हो। प्रधानमंत्री ने बीकानेर के भाषण में साफ रहा है कि आतंकवादी हमले हुए तो पाकिस्तान की सेवा और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत का उद्देश्य सभी देशों में कार्यपालिका व विधायिका के सदस्यों, बड़े थिंक टैंकों, प्रभावशाली विदेश नीति विशेषज्ञों, मीडिया, जनता और राजनीतिक विचारों के विभिन्न वर्गों से बात कर उनको सहमत कराने के लिए पूरी घटना के आगे-पीछे का विवरण और वैश्विक आतंकवाद की स्थिति से अवगत कराते हुए बताना है कि आतंकवाद विश्व की साझी समस्या है और मिलकर इससे लड़ना होगा।

सीमा पर मूल समस्या बरकरार

आप न्यूयॉर्क में यह बोलते हैं तो लोगों की समझ में आता है। जिन देशों ने आतंकवादी हमले झेले, उनकी टीस कुरेदकर स्थिति से अवगत कराने की रणनीति है। अगर विश्व मान रहा है कि भारत पाकिस्तान की सीमा पर शांति है तो उसे यह भी याद दिलाना होगा कि मूल समस्या बनी हुई है। पाकिस्तान मजहब आधारित आतंकवाद के माध्यम से भारत को तोड़ना चाहता है।

अपनी ताकत का एहसास कराए भारत

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश दौरे पर है। इस दौरे पर कई मुस्लिम देश भी शामिल हैं। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद उठाया गया है। इस दौरे का मकसद आतंकवादी गतिविधियों और पाकिस्तान की नीतियों के विरुद्ध भारत की एकजुटता को प्रदर्शित करना भर ही नहीं, अपितु पाकिस्तान को वैश्विक राजनीति के पटल पर अलग-थलग करना और उसके समर्थकों को भी बेनकाब करना है। साथ ही दुनिया को यह बताना भी है कि पाकिस्तान की रीति-नीति और आतंकियों को समर्थन और संरक्षण न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि दुनिया के लिए खतरा है। साथ ही, इन समूहों की 33 देशों की यात्रा का मकसद यह संदेश देना भी है कि भारत अब अपने राष्ट्रीय हितों से किसी प्रकार का समझौता या खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेगा। मतलब साफ है, भारत के सामने चुनौती दुनिया को यह बताने की है कि चूंकि पाकिस्तान भारत केंद्रित आतंकवाद को संरक्षण एवं बढ़ावा देने में लगातार जुटा हुआ है, इसलिए आतंकवादी ठिकानों को खुद नष्ट करने के अलावा हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था या है। साफ है,भारत का लक्ष्य न केवल पाकिस्तान को बेनकाब करना है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति बनाना और अपनी कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करना भी है। इन 33 देशों में से अधिकांश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी)के वर्तमान या भविष्य के सदस्य हैं, या फिर भारत के साथ उनके आर्थिक,रक्षा,और सांस्कृतिक संबंध हैं।

आतंक का गढ़ है पाकिस्तान

उदाहरण के लिए,गुयाना में भारतीय समुदाय की महत्वपूर्ण उपस्थिति है और वह यूएनएससी का अस्थायी सदस्य भी है। इस तरह देखा जाए तो भारत ने इन 33 देशों का चयन इसलिए किया क्योंकि ये देश वैश्विक और क्षेत्रीय मंचों पर प्रभावशाली हैं और यूएनएससी के सदस्य हैं या भारत के रणनीतिक साझेदार हैं। पाकिस्तान आतंकवाद का अड्डा है,यह कोई नई सूचना नहीं है। दुनिया इस तथ्य से परिचित है कि गुजरे तीन-चार दशकों में दुनियाभर में हुए बहुत से आतंकवादी हमलों की साजिश पाकिस्तान में रची गई या पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों ने उन्हें अंजाम दिया। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियों ने नीतिगत रूप से आतंकवाद को प्रश्रय दिया है, जिसमें अक्सर वहां की सरकारों की सहमति भी रही है। यह जानकारी भी तमाम देशों के पास मौजूद है। इसके बावजूद अफसोजनक सूरत यह है कि विश्व के शक्तिशाली देश पाकिस्तान को हर तरह की मदद देते रहे हैं। उनमें चीन और अमेरिका उसे आधुनिक हथियार भी देते रहे हैं।

रूस की तटस्थता ने चौंकाया

हाल के वर्षों में हथियार और एक हद तक कूटनीतिक समर्थन देने देने वाले देशों में रूस भी शामिल हो गया है। अमेरिका की जो भी नीति हो,

उसमें बाकी पश्चिमी देशों का सहज समर्थन रहता है। बदले विश्व समीकरणों के बीच पाकिस्तान और चीन के बीच सैन्य अंतर्संबंध और सहयोग तेजी से बढ़े हैं। उधर अपनी रणनीतिक जरूरतों के तहत पाकिस्तान के अमेरिका से सामरिक रिश्ते आज भी बने हुए हैं। इन समीकरणों का ही परिणाम है कि पहलगाम हमले के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव में पाकिस्तान या लश्कर-ए-तैयबा के नाम का उल्लेख नहीं हुआ। वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान के लिए ऋण की अगली किस्त जारी की, जो बिना अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के समर्थन के नहीं हो सकता था। इस बीच चीन और तुर्किये जैसे देशों का खुला समर्थन पाकिस्तान के पक्ष में रहा,जबकि रूस तटस्थ बना रहा। उधर खाड़ी के धनी देश मध्यस्थता करने की कोशिश में जुटे रहे, ताकि लड़ाई सीमित रहे।

ये अहम सवाल है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत का पक्ष मजबूती से रखने में कामयाब भी रहे, तो भू-राजनीतिक पहलुओं को कैसे प्रभावित किया जा सकेगा? अतः यह गंभीर आत्म-मंथन का विषय है कि नए बनते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत क्यों अलग पड़ा दिख रहा है? यहां तक कि विकासशील दुनिया में, जिसे आज ग्लोबल साउथ कहा जाता है- भारत के लिए उस तरह का समर्थन और सहानुभूति क्यों नहीं देखने को मिली, जिसे अतीत में सुनिश्चित मानकर चला जाता था? क्यों? हमें नहीं भूलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अपनी क्षमता से आगे बढ़कर प्रदर्शन करने का भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। हममें से कुछ लोगों के जेहन में हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी के साथ एक और चर्चित टकराव की यादें अब भी ताजा होंगी।

वह 1971 का साल था। उस युद्ध में, भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने वाली किसी भी महाशक्ति की बात तो दूर, संयुक्त राज्य अमेरिका का रुख नई दिल्ली के प्रति पूरी तरह से वैर-भाव वाला था। इसने भारत को पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) को आजाद कराने से रोकने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक खतरनाक नौसैनिक बेड़ा तक भेज दिया था। लेकिन मॉस्को के साथ भारत की मैत्री संधि सुनिश्चित कर रही थी कि सोवियत बेड़े ने अमेरिकियों का पीछा किया और उन्हें रोककर रखा। इतिहास गवाह है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को किस साहस और दूरदर्शिता के साथ शिकस्त दी थी। भारत ने एक पेशेवर, संयम बरतने वाला युद्ध लड़ा, जिसमें पाकिस्तानी अवाम पर गर्मजोशी या नफरत भरी बयानबाजी के लिए कोई जगह नहीं थी। असल में भारत को अपने बारे में बताने की जरूरत है कि हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ी कार्रवाई कर सकते हैं। अच्छा यह होगा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के देशों को बताए कि भारत परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा, भारत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार रोकने की धमकी में नहीं आएगा और भारत को इस बात की परवाह नहीं है कि चीन पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने का दम भर रहा है। अगर भारत ऐसा करता है तो वह विश्व शक्ति वाली बात होगी।

आतंकवाद मिटाने का हो रोडमैप

भारत बता रहा है तो ठीक है लेकिन उसके बाद उसका बरताव विश्व शक्ति वाला होना चाहिए। भारत दुनिया को बताए कि पाकिस्तान में आतंकवाद का ढांचा है, पाकिस्तान भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़े हुए है और भारत अब उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा। यह बताने के बाद भारत बिना किसी की परवाह किए कार्रवाई करे और आतंकवाद का ढांचा खत्म करे। अगर यह रोडमैप नहीं है तो इतना बड़ा प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में घुमाने का कोई मतलब नहीं है।

फिल्म 'हाउसफुल 5' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, इन शब्दों में किया गया बदलाव

मुंबई। लोकप्रिय कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'हाउसफुल' की पांचवीं किस्त 'हाउसफुल 5' अभिनेता अक्षय कुमार की ही नहीं, बल्कि इस साल की भी बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। उनकी यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अक्षय के साथ इस फिल्म में रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर और जैकी श्रॉफ सहित कई दिग्गज कलाकार नजर आएंगे।ताजा खबर यह है कि 'हाउसफुल 5' को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'हाउसफुल 5' को सेंसर बोर्ड की तरफ से ये/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। इसका मतलब यह है कि इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं।

लाइफ Style

दीपिका

उनकी फिल्मों से ज्यादा मेरी... रेड्डी-प्रभास को दिया जवाब

एजेंसी ▶▶ मुंबई

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' की शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है। फिल्म में दीपिका को बतौर लीड संदीप लेना चाहते थे। उन्होंने कहानी भी सुनाई थी। दीपिका को पसंद भी आई और उन्होंने हां भी कर दी थी। लेकिन पैसों और काम करने की शिफ्ट को लेकर बात नहीं बनी। जिसके बाद से दोनों के बीच कोल्ड वॉर शुरू हो गई है।

दीपिका ने हाल ही में एक वीडियों में कहा मैं अपना ट्रैक रिकॉर्ड जानती हूं। मुझे मेरी वैल्यू पता है। मुझे ये भी पता है कि उनकी फिल्में इतना भी अच्छा नहीं कर रही हैं, जितना मेरी फिल्में कर रही हैं।इस वीडियो से के बाद से ये कयास लगाए जा रहे हैं कि दीपिका ने प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा दोनों को जवाब दे दिया है। हालांकि ये वीडियो कब का है, इसकी जानकारी नहीं आई है। दीपिका ने भी इस वीडियो में किसी का नाम नहीं लिया है। बीते दिनों संदीप ने बिना नाम लिए एक पोस्ट शेयर की थी। इसमें उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म की कहानी लीक की जा रही है।

खैर बता दें, 'स्पिरिट' संदीप ने दीपिका के जगह तृप्ति डिमरी को साइन कर लिया है। इसके अलावा खबरें ये भी हैं कि दूसरी हीरोइन के रोल में वो जाह्नवी कपूर को साइन करने वाले हैं। क्योंकि इन दोनों हीरोइनों की नॉर्थ इंडिया में अच्छी फैन फॉलोइंग है। इस वजह से इन दोनों के संदीप फाइनल कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें दीपिका अपने फीस और फिल्मों के बारे में बता रही हैं। जिसके बाद ये कहा जाने लगा है कि दीपिका ने संदीप को जवाब दे दिया है।

हॉलीवुड मसाला

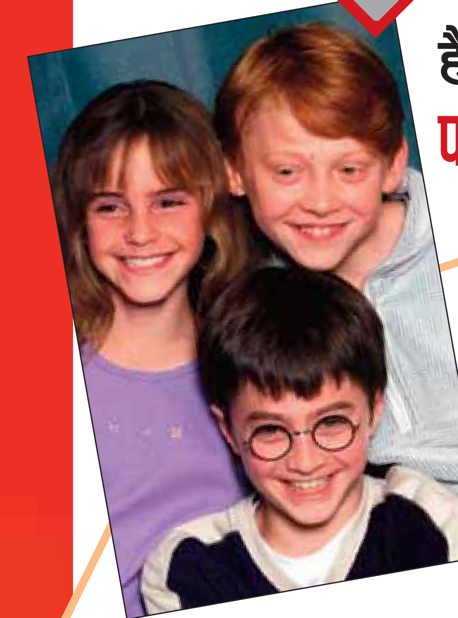

हैरी-हरमाइनी को पहचानना मुश्किल

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स। लगभग 24 साल पहले 'हैरी पॉटर' सीरीज की पहली फिल्म रिलीज हुई। यह फिल्म आज भी बच्चों के बीच काफी पॉपुलर है। कई बच्चे इस फिल्म की सीरीज के साथ बड़े हुए और इसके किरदारों, एक्टर्स के साथ खास लगाव महसूस करते हैं। अगर आपने भी 'हैरी पॉटर' सीरीज की फिल्में देखी हैं तो जरूर जानना चाहेंगे कि अब लीड रोल निभाने वाले एक्टर्स कैसे दिखते हैं? 'हैरी पॉटर' फिल्म्स के बाद जल्द ही 'हैरी पॉटर' रीबूट सीरीज भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसमें नए चाइल्ड आर्टिस्ट हैरी पॉटर, हरमाइनी ग्रेंजर और रॉन वीजली के किरदार निभाएंगे।

टेलर स्विफ्ट बन गई लोकप्रिय कलाकार...

लॉस एंजिल्स। टेलर स्विफ्ट एक अमेरिकी गायिका-गीतकार हैं जो दुनिया की सबसे सफल और लोकप्रिय मनोरंजनकर्ताओं में से एक बन गई हैं। उन्होंने 11 ग्रैमी अवार्ड सहित कई पुरस्कार जीते हैं और दुनिया भर में 200 मिलियन से अधिक रिकॉर्ड बेचे हैं। स्विफ्ट अपने आकर्षक पॉप गीतों, ईमानदार गीतों और संबंधित कहानियों के लिए जानी जाती हैं। स्विफ्ट का जन्म 1989 में वेस्ट रीडिंग, पेनसिल्वेनिया में हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही गीत लिखना और गिटार बजाना शुरू कर दिया और 2006 में अपना स्वयं का शीर्षक वाला पहला एल्बम जारी किया। एल्बम एक व्यावसायिक सफलता थी, और स्विफ्ट जल्दी ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय देश संगीत कलाकारों में से एक बन गई। स्विफ्ट के बाद के एल्बमों में पॉप, रॉक और इलेक्ट्रॉनिक संगीत सहित अन्य शैलियों के तत्व शामिल किए गए हैं।

'मां' में काजोल की बेटी बनकर छा गईं

मुंबई। अभिनेत्री काजोल पिछली बार फिल्म 'दो पत्ती' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया था। यह फिल्म बीते साल 25 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आएंगी। इस हॉरर फिल्म का ट्रेलर बीते दिन रिलीज हो गया है। काजोल के साथ इस फिल्म में खीरिन शर्मा नजर आएंगी। उनकी अदाकारी की चारों ओर तारीफ हो रही है। खीरिन फिल्म 'मां' में काजोल की बेटी की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। यह उनके करियर की पहली फिल्म है। बता दें कि खीरिन एक उभरती हुई बाल कलाकार हैं। उन्होंने शेफाली शाह की लोकप्रिय वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

'दृश्यम-3' में बनेंगे विजय सलगांवकर

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन इन दिनों फिल्म 'रेड 2' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। उनकी यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आने वाले समय में अजय एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। अब उनकी क्राइम थ्रिलर फ्रैंचाइजी 'दृश्यम' की तीसरी किस्त का ऐलान हो गया है, जिसके निर्देशन की कमान जाने-माने निर्देशक अभिषेक पाठक ने संभाली है। 'दृश्यम 3' की रिलीज तारीख का ऐलान भी हो गया है। अजय और अभिषेक की फिल्म 'दृश्यम 3' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म अगले साल गांधी जयंती के अवसर पर यानी 2 अक्टूबर, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी। अजय बड़े पर्दे पर एक बार फिर विजय सलगांवकर के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

टीवी मसाला

स्मृति ईरानी ने जेड प्लस सुरक्षा में शुरू की 'क्योंकि सास भी... 2' की शूटिंग

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आइकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। स्मृति ने शो के पहले सीजन में तुलसी के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी। एक्ट्रेस से नेता बनीं स्मृति लंबे समय बाद एक्टिंग की दुनिया में कमबैक कर रही हैं। उन्होंने जेड प्लस सिक्योरिटी के साथ शूटिंग की। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के नए सीजन की खबरें पिछले कुछ महीनों से चर्चा में हैं, और फैंस बेसब्री से आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे थे। अब स्मृति ईरानी के सेट पर वापस आने से इसके ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार हो रहा है। इंडिया फोरम्स को एक सूत्र ने बताया कि सेट पर सुरक्षा बहुत सख्त है। किसी भी लीक से बचने के लिए मोबाइल फोन को टेप किया जा रहा है और सब कुछ ठीक होने के लिए एक्स्ट्रा सावधानियां बरती जा रही हैं। भारत में सबसे हाई लेवेल की सिक्योरिटी जेड प्लस के साथ, स्मृति की शूटिंग के दौरान कड़ी निगरानी की जा रही है। सूत्र ने कहा, "सेट पर सभी के मोबाइल फोन, अमर (उपाध्याय) सर, स्मृति मैम और एकता (कपूर) मैम को छोड़कर, टेप किए जा रहे हैं। सभी को अपने मोबाइल फोन का उपयोग करने से रोका जाएगा। स्मृति भी जेड प्लस सुरक्षा के साथ शूटिंग कर रही हैं और सेट पर सभी को सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

'द ट्रेटर्स' का ट्रेलर जारी, रियलिटी शो में नजर आएंगे ये सितारे...

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो एक दिलचस्प रियलिटी शो लेकर आ रहा है, जिसका नाम 'द ट्रेटर्स' है। खास बात यह है कि सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर इस शो की मेजबानी करण जौहर करने वाले हैं। 'द ट्रेटर्स' हिट अमेरिकी शो का हिंदी संस्करण है, जिसको अब तक 30 से ज्यादा देशों में 35 से ज्यादा बार रीमेक किया गया है। अब निर्माताओं ने 'द ट्रेटर्स' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो बेहद दमदार है। ***शो में दिखेंगे ये सितारे*** : 'द ट्रेटर्स' में पूरव झा, करण कुंद्रा, हर्ष गुजराल, आशीष विद्यार्थी, अपूर्वा मुखीजा, उर्फी जावेद, जैस्मीन भसीन और लक्ष्मी मांचू जैसे सितारे नजर आएंगे। रफ्तार, एलनाज नोरौजी, निकिता लूथर, अंशुला कपूर, राज कुंद्रा, जानवी गौर, महीप कपूर, जन्नत जुबैर, मुकेश छाबड़ा, सुधांशु पांडे, साहिल सलाथिया और सूफी मोतीवाला भी इसका हिस्सा हैं। 'द ट्रेटर्स' का प्रीमियर 12 जून, 2025 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा, जिसमें हर गुरुवार रात 8 बजे एक नया एपिसोड प्रसारित होगा।

परेश रावल के करियर की शानदार कॉमेडी फिल्में, पहली वाली से तो खूब मशहूर हुए

मुंबई। दिग्गज अभिनेता परेश रावल पिछले कुछ समय से फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस सीरीज की पिछली दोनों फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। परेश ने अपने लंबे अभिनय करियर में एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्मों में काम किया और दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया। परेश 30 मई को 70 साल के हो गए हैं। आइए उनके करियर की शानदार कॉमेडी फिल्मों के बारे में जानें।

'हेरा फेरी' : इस फिल्म सीरीज में परेश ने बाबू भैया की भूमिका निभाई और मीम्स की दुनिया में भी मशहूर हो गए। जब 'हेरा फेरी 3' से उनके पीछे हटने की खबर आई तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। 'हेरा फेरी' में बाबू भैया मोटा सा चश्मा लगाते हैं, धोती पहनते हैं। न सिर्फ उनका ये लुक, बल्कि मराठी अंदाज में उनका डायलॉग बोलना भी लोगों को खूब भाता है। 'हेरा फेरी' और 'फिर हेरा फेरी' दोनों ही यूट्यूब पर मौजूद हैं।

'गोलमालः फन अनलिमिटेड' : रोहित शेट्टी के निर्देशन वाली कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'गोलमाल' की शुरुआत साल 2006 में फिल्म 'गोलमालः फन अनलिमिटेड' से हुई।फिल्म में उन्होंने एक दृष्टिहीन व्यक्ति सोमनाथ भारद्वाज का किरदार निभाया और अपने इस मजेदार किरदार से एक बार फिर दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया। अमेजन प्राइम वीडियो, जियो हॉटस्टार और एमएक्स प्लेयर पर आप इस फिल्म और इसमें परेश के किरदार का लुत्फ उठा सकते हैं। फिल्म में अजय देवगन, अरशद वारसी और तुषार कपूर जैसे कलाकार भी थे।

'वेलकम'और 'हंगामा': निर्देशक अनीस बज्मी की फिल्म 'वेलकम' में परेश ने डॉ घूंघरू का किरदार निभाया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, फिरोज खान और असरानी जैसे कलाकार थे। यूट्यूब पर यह फिल्म मौजूद है। उधर जियो हॉटस्टार पर मौजूद 'हंगामा' में भी राधेश्याम तिवारी के किरदार से परेश ने दर्शकों को खूब हंसाया था। रिमी सेन, अक्षय खन्ना, आफताब शिवदासिनी और राजपाल यादव फिल्म का हिस्सा थे।

'भूल भुलैया' और 'मालामाल वीकली'

'भूल भुलैया' में भी परेश ने अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाया था। उनके किरदार का नाम बटुकशंकर उपाध्याय था और फिल्म में उनकी कॉमिक टाइमिंग की खूब सराहना हुई थी। जियो हॉटस्टार पर आप उनकी इस कॉमेडी फिल्म का आनंद ले सकते हैं। इस सूची में यूट्यूब पर मौजूद परेश की फिल्म 'मालामाल वीकली' भी शामिल है, जिसमें लीलाराम उर्फ लीला बने परेश ने दर्शकों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया था।

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' का टीजर जारी

मुंबई। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। इस फिल्म के लिए उन्होंने यशराज फिल्म्स से हाथ मिलाया है। इस फिल्म के जरिए अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे बॉलीवुड में अपना पहला कदम रखने जा रहे हैं। इसमें उनकी जोड़ी अनीत पड्डा के साथ बनी है। अब निर्माताओं ने 'सैयारा' का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें अहान और अनीत की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। टीजर के साथ निर्माताओं ने 'सैयारा' के 2 पोस्टर भी साझा किए हैं, जिसमें अहान और अनीत की झलक दिख रही है। दोनों एक-दूजे से इश्क फरमाते दिख रहे हैं।

यशराज फिल्म्स ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'कुछ प्रेम कहानियां हमेशा के लिए बनी रहती हैं।' यह फिल्म 18 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अक्षय विधानी इस फिल्म के निर्माता हैं। बता दें कि मोहित और यशराज फिल्म्स के बीच 'सैयारा' पहला सहयोग है।

ये हैं बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फिल्मों की फ्रेंचाइजी

हेराफेरी' ही नहीं, इन कॉमेडी फिल्मों के भी दीवाने हैं दर्शक

मुंबई। *काफी समय से 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी चर्चा में है। इसका तीसरे भाग का ऐलान तो काफी पहले हो गया था, लेकिन किसी न किसी वजह से यह टलती जा रही है। 'हेरा फेरी 3' से बाबू भैया उर्फ परेश रावल जब से अलग हुए हैं, तभी से यह विवादों में है। 'हेरा फेरी' की तरह ही बॉलीवुड की 5 ऐसी कॉमेडी फिल्मों की फ्रेंचाइजी हैं, जिन पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया है।*

'हाउसफुल'

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया है। इसके 4 भाग आ चुके हैं और चारों को ही दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। 'हाउसफुल' और 'हाउसफुल 2' का निर्देशन साजिद खान ने किया, वहीं 'हाउसफुल 3' और 'हाउसफुल 4' के निर्देशन की कमान फरहाद सामजी ने संभाली। उधर 'हाउसफुल 5' के निर्देशक तरुण मनसुखानी हैं। खास बात यह है कि सभी फिल्मों में 3 सितारे कॉमन हैं, वो हैं अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और चंकी पांडे।

'गोलमाल' और 'फुकरे'

रोहित शेट्टी के निर्देशन वाली 'गोलमाल' कॉमेडी फ्रेंचाइजी की फिल्में भी हंसी-मजाक की गारंटी मानी जाती है। अजय देवगन की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म सीरीज के अब तक 'गोलमालः फन अनलिमिटेड', 'गोलमाल रिटर्न्स', 'गोलमाल 3' और 'गोलमाल अगेन' 4 भाग आ चुके हैं और चारों हिट रहे हैं। उधर साल 2013 में आई फिल्म 'फुकरे' ने दर्शकों को इस कदर हंसाया कि निर्माता ने इसे फ्रेंचाइजी में तब्दील कर दिया। इसके बाद निर्माता 'फुकरे रिटर्न्स' और 'फुकरे 3' लाए।

'वेलकम'

अक्षय कुमार जब फिल्म 'वेलकम' लेकर आए थे तो लोगों ने सिनेमाघरों में खूब ठहाके लगाए थे। 32 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 117 करोड़ रुपये कमाए थे। हालांकि, इसके दूसरे भाग 'वेलकम बैक' में अक्षय नहीं थे। इस फिल्म को 48 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया और इसने 167 करोड़ रुपये की कमाई की। अब 'वेलकम टू द जंगल' से फिर अक्षय की इस फ्रेंचाइजी में वापसी हो रही है।

'धमाल'

कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'धमाल' की पहली फिल्म साल 2007 में आई थी। संजय दत्त, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी 10 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 50 करोड़ कमाए थे। इसके बाद 'डबल धमाल' साल 2011 में तो 'टोटल धमाल' साल 2019 में रिलीज हुई। पिछली तीनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और अब 'धमाल 4' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है।

भारी बारिश और भूस्खलन से पूर्वोत्तर में तबाही

अब तक 19 की मौत, कई बेघर, 12 हजार लोग प्रभावित

मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश व त्रिपुरा में मौसम का कहर

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी /नई दिल्ली

देश में समय से पहले आया मानसून पूर्वोत्तर में जमकर तबाही मचा रहा है। 3 दिन में पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में लगातार भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। इन राज्यों में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने सभी राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है।

असम में 5 की मौत

असम के कामरूप मेट्रो जिले में पांच लोगों की मौत हो गई। 5 जिलों में 12,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। गुवाहाटी और सिलचर में बाढ़ से 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए। लखीमपुर में पानी ने रिंग बांध को तोड़ दिया। पिछले 24 घंटों में यहां 134 मिमी बारिश हुई है। आगे भी भारी बारिश का अनुमान है।

असम में बारिश से बिगड़े हालात

त्रिपुरा में युवक की मौत, 106 घर क्षतिग्रस्त

त्रिपुरा में भारी बारिश और आंधी के कारण जिरानिया में एक व्यक्ति डूब गया। 200 से अधिक लोग बेघर हो गए। यहां 106 घर क्षतिग्रस्त हो गए। लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। जवाहर पुल के नीचे अगरतला में हावड़ा नदी का जलस्तर 10.01 मीटर तक बढ़ गया।

मिजोरम में 3 इमारतें ढह गई

मिजोरम के दक्षिण मिजोरम के लॉन्गतलाई शहर में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन के कारण 5 घर और एक होटल ढह गया। इसमें कई लोग फंस गए। लॉन्गतलाई जिले के सबसे बड़े नागरिक सामाजिक संगठन यंग लाई एसोसिएशन के स्वयंसेवकों के साथ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन के कर्मियों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-54 अवरुद्ध हो गया है।

मणिपुर में बढ़ा नदियों का जलस्तर, रेड अलर्ट

मणिपुर में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। नम्बुल, इरिल और नम्बोल नदी का जलस्तर भी चेतावनी स्तर तक पहुंच गया है। इंफाल पूर्वी जिले के कई इलाकों में इंफाल नदी के उफान पर होने के कारण कई इलाकों में पानी भर गया। आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है।

अरुणाचल में भूस्खलन में 9 लोगों ने तोड़ा दम रेड अलर्ट

अरुणाचलमें भी बारिश और भूस्खलन में 9 लोगों ने दम तोड़ दिया। बाना-सेप्पा खंड पर हुए भीषण भूस्खलन में 7 लोगों की मौत हो गई। जीरो-कामले मार्ग पर पाइन ग्रोव क्षेत्र के पास भूस्खलन के बाद 2 मजदूरों की मौत हो गई।

दिल्ली एनसीआर में भी झमाझम सड़कें डूबीं

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को लंबे समय से झुलसा रही गर्मी से शनिवार को बड़ी राहत मिली। राजधानी सहित नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में तेज हवाओं और झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। नोएडा और गुरुग्राम में जहां तेज बारिश के साथ धूलभरी हवाएं चलीं, वहीं गाजियाबाद और फरीदाबाद में लगातार बारिश ने सड़कों पर जलभराव भी कर दिया।

खबर संक्षेप

लैंड फॉर जॉब में लालू की याचिका खारिज

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लालू की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी।घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। मामला रेल मंत्री के समय का है।

10 वर्षों में तेल-गैस खोज 76 फीसदी बढ़ी: पुरी

नई दिल्ली। भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने बताया है कि देश के तलछटी बेसिन क्षेत में जितनी तेल और गैस की खोज हो रही है, उसका 76 प्रतिशत हिस्सा वर्ष 2014 के बाद सक्रिय खोज के दायरे में आया है। उन्होंने यह जानकारी सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में दी। हमने जमीन को 10 प्रतिशत कर दिया है।

राहुल की सावरकर मामले में याचिका रद्द

पुणे। यहां की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वह याचिका खारिज कर दी जिसमें उन्होंने सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर की मां की वंशावली से जुड़ी जानकारी मांगी थी। यह मामला वीडी सावरकर को लेकर राहुल गांधी द्वारा लंदन में दिए गए एक भाषण पर आधारित मानहानि की शिकायत से जुड़ा है।

दुराचार में निर्देशक सनोज को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महिला से बलात्कार के आरोपी फिल्म निर्देशक सनोज कुमार मिश्रा को जमानत देते हुए कहा कि यह मामला यौन अपराधों की झूठी शिकायतें दर्ज कराने की हालिया प्रवृत्ति को दर्शाता है। कोर्ट ने कहा कि महिला ने सहमति से संबंध बनाए थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड डैशबोर्ड पर दी जानकारी

कोविड-19 ने फिर पकड़ी रफ्तार

24 घंटे में ही देशभर में सामने आए 685 नए मामले, 4 की ले ली जान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड पर साझा की गई जानकारियों के अनुसार 22 मई को देश में कुल एक्टिव केस 257 थे जो 10 दिनों के भीतर ही अब बढ़कर 3,395 हो गए हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोविड-19 के सामने आ रहे मामलों ने देश को एक बार फिर परेशानी में डाल दिया है। ऐसा लग रहा है कि कोरोना ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। पिछले एक महीने से दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले चिंता बढ़ाते जा रहे हैं। भारत में भी इसका जोखिम देखा जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड पर साझा की गई जानकारियों के अनुसार 22 मई को देश में कुल एक्टिव केस 257 थे जो 10 दिनों के भीतर ही अब बढ़कर 3,395 हो गए हैं। एक दिन के भीतर ही 685 नए सक्रिय मामले सामने आए हैं और 4 लोगों की मौत हुई है। केरल में मरीजों की संख्या बढ़कर1,336 हो गई है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 467 जबकि दिल्ली में 375 हैं। इसी तरह देश के अन्य भागों में भी कोरोना के सामने दर्ज किए जा रहे हैं। कई राज्यों में तो एडवाइजरी भी जारी की गई है।

685 नए सक्रिय मामले एक दिन में मिले

3,395 हो गए 10 दिन में एक्टिव केस

1,336 हो गई केरल में मरीजों की संख्या

संक्रामकता बढ़ी पर गंभीरता नहीं

कोरोना जिस रफ्तार से देश में बढ़ रहा है वह निश्चित ही लोगों के लिए डर पैदा कर रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ पहले से ही कहते रहे हैं कि इस बार फैल रहा वैरिएंट अति संक्रामक है, हालांकि इसकी गंभीरता कम है। चिंताजनक बात ये है कि अगर ये संक्रमण किसी आबादी में फैलना शुरू होता है तो वहां लोग तेजी से इसकी चपेट में आ सकते हैं। ये स्थिति उन लोगों के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली और गंभीर भी हो सकती है जो 65 साल से अधिक उम्र के हैं, कोमोरबिडिटी (एक से अधिक क्रॉनिक बीमारियों का शिकार) हैं या फिर गर्भवती हैं।

क्रॉनिक बीमारी से पीड़ित ज्यादा शिकार हो रहे

कोरोना के मामले इस बार जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। संक्रमण से मरने वाले ज्यादातर लोग वे हैं जिन्हें पहले से कोई क्रॉनिक बीमारी रही है या फिर जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रही है। जिन राज्यों में मौतें दर्ज की गईं, उनमें महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दो लोगों की जान गई है।

राजधानी में 3 की गई जान

दिल्ली में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ती जा रही है। अब तक इस साल जनवरी से कोरोना तीन लोगों की जान ले चुका है। आज ही 71 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई है जो पहले से निमोनिया से ग्रस्त था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंकड़ों के मुताबिक इस साल दिल्ली में कोरोना से यह पहली मौत हुई है। राजधानी में 56 नए मामले पिछले 24 घंटे में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली में कोरोना के कुल 294 सक्रिय मामले हो गए हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को संक्रमण से बचाव की सलाह दी

कोरोना के बढ़ते जोखिमों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को संक्रमण से बचाव करते रहने की सलाह दी है। भले ही आप युवा हैं और इम्युनिटी सिस्टम ठीक है फिर भी कोरोना से बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। पुणे स्थित एक अस्पताल में क्रिटिकल केयर के डॉक्टर उपेंद्र सिंह कहते हैं, देश में फैल रहे ओमिक्रॉन और इसके सब-वैरिएंट्स में कुछ अतिरिक्त म्यूटेशन देखे गए हैं, जो इसे शरीर में बनी प्रतिरक्षा को चकमा देकर आसानी से संक्रमित करने के योग्य बनाते हैं।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी चाहिए

जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है उनमें इस संक्रमण का असर नहीं हो रहा है, पर चिंताजनक बात ये है कि संक्रमित व्यक्ति वायरस का वाहक जरूर हो सकता है, जिससे उन लोगों मे संक्रमण फैलने का खतरा रहता है जो पहले से बीमार हैं या बुजुर्ग हैं। सभी लोग संक्रमण से बचने के उपाय करते रहें। डॉक्टर सिंह कहते हैं, संक्रमण होस्ट और पैथोजन के तौर पर बढ़ते हैं, कोरोनापैथोजन है और हम होस्ट। वायरस हमारी इम्युनिटी के खिलाफ म्यूटेशन करता है।

गृहमंत्री शाह के बंगाल दौरे से सियासत गरमाई

आगामी चुनाव के लिए 'ऑपरेशन बंगाल' की रणनीति की चर्चा गरम

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2 दिनी कोलकाता दौरे ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी है। यह दौरा 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में बेहद अहम माना जा रहा है। शाह शनिवार को कोलकाता पहुंचे। रविवार को शाह सबसे पहले सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की एक नई सुविधा का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे नेताजी इंडोर स्टेडियम में एक बड़े राजनीतिक रैली को संबोधित करेंगे। वे इस दौरान आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति का खाका पेश कर सकते हैं। इस दौरान बंगाल भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन पर भी चर्चा संभव है। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार का कार्यकाल पहले ही बढ़ाया जा चुका है। राजनीतिक कार्यक्रमों के अलावा, अमित शाह स्वामी विवेकानंद के शिमला स्ट्रीट स्थित आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। रविवार शाम को ही वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी का उद्घाटन करेंगे

टीएमसी ने बताया मौसमी नेता

शाह के दौरे को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। टीएमसी मंत्री शशि पांजा नेभाजपा नेताओं को मौसमी आगंतुक बताया और कहा कि वे बिना किसी वास्तविक जुड़ाव के बंगाल के मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के मुद्दों को लेकर संवेदनशील नहीं है और इस कारण राज्य की जनता उन्हें नकार देगी।

यह चुनाव की दिशा तय करेगा: मजूमदार

इन आरोपों का जवाब देते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि अमित शाह का दौरा पार्टी के लिए 2026 की चुनावी दिशा तय करेगा। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए भाजपा की रणनीति को 'ऑपरेशन बंगाल' करार दिया और इसे बंगाल की महिलाओं के सम्मान की रक्षा का मिशन बताया। मजूमदार के अनुसार शाह पार्टी के मंडल अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे, जिससे जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूती मिलेगी।

सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में पार्किंग का किया उद्घाटन

संविधान हर हालात में देश को मजबूत रखेगा

संकट के समय देश को एकजुट रखने का श्रेय संविधान को देना चाहिए

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि देश पर जब भी संकट आया उसने मजबूती और एकजुटता के साथ उसका सामना किया और इसका 'श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए।' इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 680 करोड़ की लागत से नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर भवन और मल्टी लेवल पार्किंग का उद्घाटन के बाद कार्यक्रम के सीजेआई ने कहा कि जब संविधान का अंतिम मसौदा संविधान सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, उस समय कुछ लोग कहा करते थे कि संविधान जरूरत से अधिक संघीय है तो कुछ लोग कहते थे यह जरूरत से अधिक एकात्मक है।

तीनों स्तंभों ने देश के लिए बड़ा योगदान दिया

उन्होंने कहा कि संविधान न तो पूर्ण संघीय है और न ही पूर्ण एकात्मक है। लेकिन हमने ऐसा संविधान दिया है जो भारत को शांति और युद्ध दोनों के समय एकजुट और मजबूत रखेगा। आज पड़ोसी देशों में क्या स्थिति है? भारत विकास की यात्रा पर है। जब कभी संकट आया, देश एकजुट और मजबूत रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। संविधान लागू होने की 75 वर्ष की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है।

हेट स्पीच में अब्बास अंसारी को 2 साल की सजा, 3 हजार जुर्माना

आगरा। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले मे फैसला शनिवार को हुआ। सीजेएम डॉ. केपी सिंह ने मामले में पक्षकारों की बहस सुनने के बाद फैसला के लिए 31 मई की तिथि नियत की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अब्बास को दोषी करार देते हुए 2साल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही 3 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है।

जयपुर में भाजपाध्यक्ष नड्डा ने किया 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र

लोकमाता के कार्यक्रम में की शिरकत

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश गौरव और सुरक्षित महसूस कर रहा, सेना की जय

एजेंसी ▶▶ जयपुर

जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हवाई अड्डे पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश गौरवान्वित व सुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब जहां पीएम मोदी को धन्यवाद देते हैं वहीं भारतीय सेना के शौर्य को भी बधाई व शुभकामनाएं देते हैं। याद रखना, ऑपरेशन सिंदूर रुका नहीं है। ये चलता रहेगा। जब तक पाकिस्तान की निगाहें गलत रहेंगी उसको जवाब दिया जाता रहेगा।

शर्मा को इसलिए मिली सीएम की कुर्सी

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में नड्डा और सीएम भजनलाल शर्मा ने शिरकत की। नड्डा ने कहा कि भजनलाल विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं और दिन-रात पीएम मोदी के विजन को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है।

राजस्थान में सुधरा लिंग अनुपात

नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है। मोदी सरकार के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयां मिली हैं। राज्य सरकार लिंग अनुपात में सुधार और बालिकाओं के हित में ठोस कदम उठा रही है।

अवैध बांग्लादेशियों पर असम में बड़ी कार्रवाई

49 लोगों को कथित रूप से धकेला, कोर्ट पहुंचा मामला

विदेशी नागरिकों को 'नो-मैन्स लैंड' में भेज रही हिमंत सरकार

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम की भाजपा सरकार ने उन लोगों की पहचान और वापसी की प्रक्रिया तेज कर दी है जिन्हें फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने 'अवैध विदेशी' घोषित किया है। सरकार इन घोषित विदेशी नागरिकों को भारत-बांग्लादेश सीमा के नो-मैन्स लैंड (निर्जन क्षेत्र) में जबरन धकेल रही है। 27 और 29 मई को असम के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों से कम से कम 49 लोगों को कथित रूप से धकेला गया। इसके बाद कम से कम तीन याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट और गुवाहाटी हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की हैं, जिनमें उनके परिजनों की जानकारी मांगी गई है और इस अभियान पर रोक लगाने की मांग की गई है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कार्रवाई तेज की

विदेशी घोषित किए गए 30,000 लोग 'गायब'

सीएम सरमा ने कहा कि अब तक ट्रिब्यूनलों द्वारा विदेशी घोषित किए गए 30,000 लोग 'गायब' हो चुके हैं। अब हमने इसे तेज करने का निर्णय लिया है। जैसे ही हमें कोई घोषित विदेशी मिलता है, हम कार्रवाई कर रहे हैं। आने वाले दिनों में इस तरह की कई 'पुश-बैक' कार्रवाई होंगी। उन्होंने कहा कि कोई भी घोषित विदेशी हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है। यदि किसी ने अपील नहीं की है, तो भारत में रहने का उसका अधिकार समाप्त हो जाता है। लेकिन यदि वह दिखा सके कि उसने अपील की है, तो हम उसे नहीं छेड़ते।

आज से वित्तीय लेन-देन में हो रहे कई बड़े बदलाव

एटीएम और यूपीआई से भी पीएफ खातों से पैसे निकाल सकेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हर महीने की तरह ही जून का महीना भी कई बड़े बदलाव लेकर आ गया, जो सीधे आपकी जेब और वित्तीय लेन-देन को प्रभावित कर सकते हैं। यूपीआई और पीएफ से लेकर एलपीजी सिलेंडर के दामों तक कई नियम बदल जाएंगे। इन बदलावों से जहां कुछ सुविधाएं बढ़ेंगी, वहीं कुछ मामलों में आपको अतिरिक्त शुल्क भी चुकाना पड़ सकता है। सरकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का नया और एडवांस वर्जनलॉन्च करने की तैयारी में है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भविष्य में आप एटीएम और यूपीआईके माध्यम से भी अपने पीएफ खातों से पैसे निकाल पाएंगे।

सुविधाओं के साथ ही कुछ मामलों में बढ़ेगा अतिरिक्त शुल्क

एनपीसीआई ने यूपीआई को लेकर एक नया नियम लागू किया

एनपीसीआई ने यीपीआईको लेकर एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत यूपीआई पेमेंट करते समय यूजर्स को अब केवल 'अल्टीमेट बेनिफिशियरी' यानी असली प्राप्तकर्ता का बैंकिंग नाम ही दिखेगा। क्यूआर कोड या एडिट किए गए नाम अब दिखाई नहीं देंगे। यह नियम 30 जून तक सभी यूपीआई एप्स को लागू करना होगा।

महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड धारकों का चार्ज बढ़ेगा

यदि आप कोटक महिंद्रा बैंक का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं, तो बैंक अब ऑटो-डेबिट लेनदेन फेल होने पर 2फीसदी का बाउंस चार्ज लगाएगा। यह न्यूनतम 450 और अधिकतम 5000 रुपए तक हो सकता है।

एफडी पर ब्याज दर

जून में बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट और लोन की ब्याज दरों में बदलाव कर सकते हैं। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कटौती की है और आगे भी इसमें और कटौती की उम्मीद की जा रही है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव संभव

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हर महीने की पहली तारीख को बदलाव होता है। जून की पहली तारीख को भी इनमें बदलाव होने की संभावना है। मई में 14 किलोवाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर रहीं।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

हमीदिया अस्पताल... गेट पास नहीं होने पर डॉक्टरों और गार्ड ने अटेंडर को जमकर पीटा, महिला से भी की मारपीट, अस्पताल में खूब चले लात-घूंसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया में गुरुवार रात मरीज के अटेंडर के साथ सुरक्षा गार्ड और जूनियर डॉक्टरों ने मारपीट कर दी। मरीज के परिजनों के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में अस्पताल के सुरक्षा कर्मी और डॉक्टर्स एक महिला और उसके पति पर लात-घूसे मारते दिख रहे हैं। इसमें महिला का पति भी कर्मचारियों के साथ मारपीट करता दिख रहा है। बताया जा रहा कि मरीज के परिजन के पास गेट पास नहीं था और वह शराब के नशे में जबरन वार्ड में जाने की जबरदस्ती कर रहा था।

प्रबंधन का तर्क: शराब के नशे में वार्ड में जाना चाहता था अटेंडर

मरीज के परिजन बोले: दादागिरी कर रहे सुरक्षा गार्ड और डॉक्टर्स

मारपीट रोकने की बजाए तमाशा देखती दिखी पुलिस

हमीदिया अस्पताल में मारपीट का जो वीडियो वायरल हुआ है, उसमें डॉक्टर्स और गार्ड युवक व महिला के साथ मारपीट करते हुए बाहर ले जाते हुए दिख रहे है, जबकि एक महिला युवक को बचाते हुए चीख पुकार कर रही है। इस वीडियो में खास बात यह है कि युवक के साथ मारपीट के दौरान पुलिस कर्मी भी दिखाई दे रहे है, लेकिन उन्होंने विवाद को रोकने की कोशिश भी नहीं की। पुलिस कर्मी मारपीट होते देख रहे थे।

पत्नी का इलाज कराने पहुंचा था युवक

गुरुवार रात 10 बजे एक युवक पत्नी को इलाज कराने के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर आया था। गेट पास नहीं होने पर गार्ड ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। इस बात को लेकर युवक की गार्ड से कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि गार्ड और कुछ जूनियर डॉक्टरों ने मिलकर युवक और उसकी पत्नी के साथ धक्का-मुक्की कर मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित महिला का कहना है कि उन्होंने स्टाफ से ठीक से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें गालियां दी गई और धकेला गया।

नियम का पालन कराने का तरीका गलत

मरीज के परिजनों का आरोप है कि गार्ड और जूनियर डॉक्टरों ने अटेंडर को बुरी तरह से पीटा है। किसी नियम को पालन कराने का यह उचित तरीका नहीं है। व्यक्ति नशे में था, लेकिन मारपीट पहले गार्ड के द्वारा शुरू की गई थी। जहां तक बात है गेट पास की तो यह नियम हर व्यक्ति पर लागू होना चाहिए। अस्पताल के गार्ड दादागिरी करने के साथ बुरी तरह से बर्ताव करते हैं। अस्पताल में आने वाला हर व्यक्ति पहले से परेशान होता है।

नियम का पालन करना होगा

अस्पताल में भर्ती मरीजों व डॉक्टरों समेत अन्य स्टाफ की सुरक्षा के लिए नियम बनाए गए हैं। बिना कार्ड अटेंडर को एंट्री नहीं मिलेगी। नशे की हालत में आने वाले परिजनों को भी मरीज से नहीं मिलने दिया जाएगा। गुरुवार रात हुए विवाद में सुरक्षा कर्मियों ने नशे में होने की वजह से एक अटेंडर को अंदर जाने से रोका था। वहीं उसके साथ मौजूद महिलाओं को जाने के लिए कहा था, लेकिन वे एक साथ जाने पर अड़े हुए थे। मरीज और स्टाफ की सुरक्षा के लिए बनाए नियम का पालन करना ही होगा।

डॉ. सुनीत टंडन, अधीक्षक, हमीदिया अस्पताल

मारपीट करने वालों की कर रहे पहचान

मारपीट में घायल युवक को मेडिकल कराने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने मना कर दिया। वहीं युवक ने किसी के खिलाफ शिकायत भी नहीं की है। हालांकि वीडियो के आधार पर मारपीट करने वाले गार्ड और डॉक्टर्स की पहचान की जा रही है।

कृष्ण गोपाल शुक्ला, थाना प्रभारी, कोहेफिजा थाना

देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे व्यापारियों की आजीविका और उनके जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए वरदान

पीएम स्वनिधि योजना के 5 साल: गुजरात में 4.79 लाख स्ट्रीट वेंडर्स बने आत्मनिर्भर

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पीएम स्वनिधि योजना देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे व्यापारियों की आजीविका और उनके जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल क्रियान्वयन में गुजरात ने अग्रणी राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाई है। भारत सरकार के आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की प्रमुख पहल पीएम स्वनिधि योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 1 जून 2020 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देशभर के स्ट्रीट वेंडर्स को सशक्त बनाना और उन्हें औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ना है।

गुजरात सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में इस योजना को मिशन मोड में लागू किया है, जिसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में वेंडर्स को निर्बाध ऋण वितरण, डिजिटल पंजीकरण और निरंतर सहायता सुनिश्चित की जा रही है। जून 2025 में अपनी पाँचवीं वर्षगांठ मना रही यह परिवर्तनकारी योजना, बीते पांच वर्षों में आजीविका सशक्तिकरण, संकल्प, और समावेशी आर्थिक विकास की मिसाल बन चुकी है। उत्कृष्ट क्रियान्वयन से गुजरात पीएम स्वनिधि के देश में अग्रणी राज्यों में एकप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना पीएम स्वनिधि के सफल क्रियान्वयन में गुजरात ने निरंतर अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन किया है। राज्य ने जुलाई 2023 तक 3 लाख लाभार्थियों को लोन सुविधा उपलब्ध कराने का पहला लक्ष्य समय पर पूरा किया। इसके बाद अक्टूबर 2024 तक 4 लाख लाभार्थियों तक लोन पहुंचाने का दूसरा लक्ष्य भी पार कर लिया, जिसमें गुजरात को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।राज्य के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए केंद्र सरकार ने नवंबर 2024 में गुजरात का लक्ष्य बढ़ाकर 5.20 लाख लाभार्थियों तक लोन सुविधा पहुंचाने का निर्णय लिया। गुजरात ने इस संशोधित लक्ष्य का भी 92.14 प्रतिशत हिस्सा सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, और इस मामले में गुजरात राष्ट्रीय स्तर पर चौथे स्थान पर है। अब तक 4,79,141 स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।

इन्हें कार्यशील पूंजी लोन और विभिन्न प्रकार के सहयोग प्रदान किए गए हैं, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और स्थिर बनने में सहायता मिली है। पीएम स्वनिधि से गुजरात के स्ट्रीट वेंडर्स को मिली आर्थिक मजबूती भारत सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना के सफल क्रियान्वयन में गुजरात के प्रयासों को रु.30.47 करोड़ की ब्याज सब्सिडी देकर समर्थन दिया है। यह योजना पूरी तरह से 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्त पोषण के तहत संचालित हो रही है। इस वित्तीय मदद से वेंडर्स पर लोन चुकाने का दबाव कम हुआ है, जिससे योजना में ज्यादा लोग जुड़ सके हैं। गुजरात में अब तक 4.79 लाख से ज्यादा वेंडर्स को पहली किश्त का लोन मिला है, वहीं 1.71 लाख वेंडर्स को दूसरी किश्त और 42,176 वेंडर्स को तीसरी किश्त दी गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने लक्षित लोन वितरण शिविर, डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम और वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर समय पर लोन वितरण और सभी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया है।डिजिटल समावेशन और वित्तीय साक्षरता से स्ट्रीट वेंडर्स का सशक्तिकरणगु जरात ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए डिजिटल समावेशन और वित्तीय साक्षरता को खास महत्व दिया है। राज्य में नियमित रूप से डिजिटल साक्षरता शिविर आयोजित किए जाते हैं, जहां वेंडर्स को रियल-टाइम भुगतान प्रणाली से परिचित कराया जाता है। इसके अलावा, अधिक से अधिक वेंडर्स को योजना से जोड़ने के लिए मेगा लोन वितरण शिविर भी लगाए जाते हैं। इन पहलों की वजह से वेंडर्स का ऑनबोर्डिंग आसान हुआ है और उन्हें समय पर लाभ मिल रहे हैं। इसी के चलते अब तक डिजिटल लेनदेन के जरिए वेंडर्स को कुल रु. 15.87 करोड़ का कैशबैक भी मिला है। गुजरात की इस सफलता में स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (SLBC) और विभिन्न वित्तीय संस्थानों का मजबूत सहयोग भी अहम भूमिका निभा रहा है। शुक्रवार और शनिवार को विशेष लोन वितरण दिवस रखकर वेंडर्स को जल्दी और सुनिश्चित ऋण मिल सके, यह सुनिश्चित किया जाता है। साथ ही, सभी शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) में खास अभियान चलाकर हर वेंडर को योजना से जोड़ा जा रहा है, ताकि कोई भी पीछे न छूटे और समावेशन पूरी तरह हो सके। स्ट्रीट वेंडर्स को सशक्त बनाने के लिए गुजरात की समर्पित और समावेशी पहलपीएम स्वनिधि योजना के तहत गुजरात की शानदार सफलता राज्य की स्ट्रीट वेंडर्स और उनके सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण है। डिजिटल तकनीकों का प्रभावी इस्तेमाल, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और विभिन्न महत्वपूर्ण हितधारकों के साथ सक्रिय सहयोग के जरिए गुजरात सरकार ने सुनिश्चित किया है कि हजारों स्ट्रीट वेंडर्स आवश्यक संसाधनों तक पहुंच सकें और अपने व्यवसाय को मजबूती से आगे बढ़ा सकें। इन संयुक्त प्रयासों के माध्यम से गुजरात ने यह साबित किया है कि राज्य स्तर पर सक्षम शासन न केवल जीवन बदल सकता है, बल्कि समुदायों को सशक्त बनाकर जमीनी स्तर से आर्थिक विकास की दिशा में मजबूत कदम उठा सकता है।

स्टोर का कांच तोड़कर चुराए थे आईफोन

रिलायंस डिजिटल स्टोर में चोरी करने वाला धराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रिलायंस डिजिटल स्टोर में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक आरोपी समेत चोरी की सामान क्रय करने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सरस्वती नगर में रिपोर्ट दर्ज की गई कि सरस्वती रिलायंस रिटेल लिमिटेड शॉप में डिर्पाटमेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत है। 25-26 मई की दरमियानी रात्रि लगभग डेढ़ बजे प्रार्थी को उसके स्टॉफ द्वारा सूचना दी गई कि स्टोर में चोरी हो गई है। इस पर प्रार्थी स्टोर का निरीक्षण करने पहुंचा तो देखा कि स्टोर के गेट का कांच टूटा हुआ था जिस पर प्रार्थी द्वारा अपने अन्य स्टॉफ के साथ सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को चेक किया। जिस पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्टोर का कांच तोड़कर अंदर प्रवेश किया। स्टोर के आईफोन सेक्शन में एक संदिग्ध व्यक्ति कैबिनेट को तोड़कर उसमें रखे आईफोन को चोरी कर फरार हो गया। मामले में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट और थाना सरस्वती नगर पुलिस की संयुक्त पुलिस द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ-साथ घटना के संबंध में प्रार्थी तथा आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ की।

आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला

टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल और उसके आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबिर लगाकर भी आरोपी को चिन्हांकित करने का प्रयास किया जा रहा था। इस दौरान टीम के सदस्यों को प्रकरण में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिसपर टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में आरोपी चौबे कॉलोनी निवासी मयंक दीक्षित की पतासाजी कर पकड़ा गया।

भोपाल में हॉल्ट लेगी ग्वालियर-बेंगलुरु एक्सप्रेस

भोपाल। ग्वालियर-बेंगलुरु एक्सप्रेस के बीच नई ट्रेनों की सौगात मिलने पर जेडआरयूसीसी सदस्यों ने रेल मंत्री का आभार माना है। इस ट्रेन को भोपाल स्टेशन पर हाल्ट दिया गया। सदस्यों ने रेल मंत्री को पत्र व मेल कर ट्रेन का हाल्ट रानी कमलापति पर दिए जाने की मांग की है। जेडआरयूसीसी सदस्य निरंजन वाधवानी व मुकेश अवस्थी का कहना है कि इस ट्रेन का भोपाल स्टेशन पर हाल्ट दिए जाने से भोपाल के आस-पास रहने वाले लोगों को तो लाभ होगा, लेकिन नए शहर के लाखों लोगों को इसका लाभ नहीं मिल सकेगा।

लोन

लोन धमाका - रजिस्टर्ड कंपनी द्वारा 50,000 से 25 लाख तक ब्याज 4% सब्सिडी 25% होम लोन व्यापार पशुपालन मुर्गी पालन एवं महिला ग्रुप लोन पाने हेतु संपर्क करें, 8016953669, 8597107469 (रायपुर /02/जून 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
33 वर्षीय प्राइवेट जॉब बंगाली ब्राह्मण लड़के के लिए बंगाली ब्राह्मण या कायस्थ परिवार की सुन्दर सुशील शिक्षित वधु चाहिए।
सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-
9399715688

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष स्वयं का व्यापार वर हेतु सुन्दर, सुशिक्षित वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं। सन्तान सहित भी स्वीकार।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-सम्पर्क करें-
6268373521

वधु चाहिए
42 वर्षीय 5'-10" अविवाहित मांगलिक व्यवसायरत कलार वर हेतु सामान्य परिवार की सजातीय वधु चाहिए
-सम्पर्क करें-
9301260984

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। भवन की साज-सज्जा पर खर्च बढ़ेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष — मीठे खानपान में रुचि बढ़ सकती है। मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — परिश्रम भी अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — भागदौड़ अधिक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार में फायदा होगा।

धनु — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी जा सकते हैं। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा खर्च

मीन — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

बाराद्वार थाना क्षेत्र के डूमरपारा गांव का मामला

सूने मकान से मिला महिला का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सक्ती

जिले के बाराद्वार थाना क्षेत्र अंतर्गत डूमरपारा गांव में शनिवार को एक सुनसान मकान में महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 34 वर्षीय द्वास बाई केवट के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने जब महिला का शव मकान में देखा तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जो घटना स्थल की जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला की मौत हत्या है या किसी अन्य कारण से हुई है। पुलिस सभी संभावित एंगल से मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। महिला की मौत को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। बाराद्वार थाना प्रभारी लखन लाल पटेल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

चाकू लहराकर धमकाने वाले गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को डराने-धमकाने वाले दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये आरोपी शहर के खमतराई थाना क्षेत्रान्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर चाकू लहराते पाये गये। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। खमतराई थाना पुलिस को सूचना मिली कि भनपुरी चौक के पास एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू रखा है। वह व्यक्ति आम लोगों को चाकू दिखाकर डराने धमकाने का काम कर रहा है। मामले में खमतराई पुलिस टीम ने भनपुरी चौक पहुंचकर आरोपी तोपेश्वर उर्फ राजा निर्मलकर 19 वर्ष को दबोचा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

शब्द पहेली - 5884

बाएँ से दाए
1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सदपुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली- 5883 का हल

सूडोकु नवताल - 5894

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SEMACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5893 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी / अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहेंः आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतः बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियांः भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीकेः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगरः बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदानः मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारणः मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़, लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारणः देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभावः यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होनाः कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलावः मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्नः ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकारः भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजाः देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सवः वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्वः प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता / अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिकाः नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादकः** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्यः** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालयः** देहरादून, उत्तराखंड

आईपीएल : दूसरा क्वालीफायर मुकाबला आज शाम 7.30 बजे

पांच बार की चैंपियन मुंबई से आज पंजाब का मुकाबला, जो जीता वो खेलेगा फाइनल

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

अपने पहले खिताब की कवायद में लगी पंजाब किंग्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर में रविवार को यहां पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा जिससे निश्चित तौर पर उसका आत्मविश्वास डिग गया होगा।

पंजाब किंग्स को अगर पहली बार चैंपियन बनना है तो उसे इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच सेमीफाइनल जैसा है। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर में खिताब की प्रबल दावेदार गुजरात टाइटन्स को हराकर छठे खिताब की ओर एक और कदम बढ़ाया। इस जीत से मुंबई का निश्चित तौर पर आत्मविश्वास बढ़ा होगा।

आरसीबी और पंजाब किंग्स की तुलना में मुंबई इंडियंस की टीम नॉकआउट चरण में जीत दर्ज करने का अधिक अनुभव रखती है। उसके मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के सामने चुनौती अपनी टीम को संगठित रखने की होगी। श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने हालांकि अभी तक यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। पिछले सत्र में सबसे निचले पायदान पर रही मुंबई इंडियंस को प्लेऑफ में पहुंचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

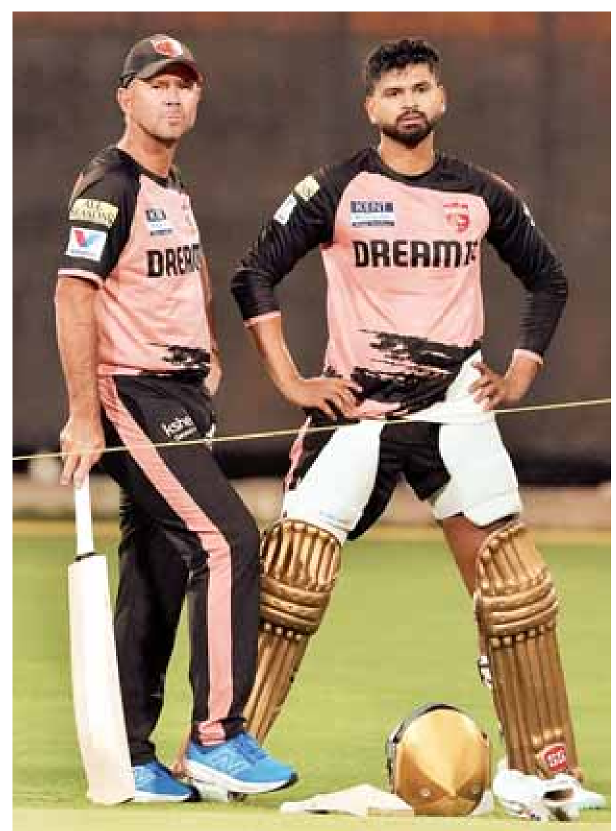

हार का भुलाना चाहेंगे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी

पंजाब किंग्स में कप्तान श्रेयस अय्यर और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की जोड़ी के लिए चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके खिलाड़ी पिछले मैच में मिली करारी हार को भूल जाएं और अपनी ऊर्जा को उन चुनौतियों से लड़ने में लगाएं जो विशेषकर गेंदबाजी विभाग में कुछ खिलाड़ियों के बाहर हो जाने से सामने आई हैं। इससे उसके मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर अतिरिक्त दबाव बन रहा है। मार्को यानसन की अनुपस्थिति और आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले युजवेंद्र चहल की अनुपलब्धता टीम के लिए परेशानी का सबब बन गई है क्योंकि उसने इन खिलाड़ियों की जगह पर जो विकल्प आजमाए वे अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके।

फार्म में हिटमैन रोहित

जहां तक मुंबई इंडियंस का सवाल है तो अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शुरू में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाकर गुजरात टाइटंस के खिलाफ बड़ी पारी खेली। रोहित फिर से लय में लौट आए हैं और पंजाब किंग्स के गेंदबाजों के लिए उन पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। अगर समग्र तौर पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम में कोई कमी नजर नहीं आ रही है क्योंकि उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पिच बल्लेबाजों के अनुकूल

फाइनल में पहुंचने के लिए उसकी टीम काफी हद तक रोहित, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या पर निर्भर रहेगी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इस मैच का नतीजा काफी हद तक गेंदबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा क्योंकि यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है जिस पर काफी बड़े स्कोर बने हैं।

खास बाते

शाह ने की यूईएफए अध्यक्ष से मुलाकात

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने इंटर मिलान और पेरिस सेंट जर्मेन के बीच एलियांज एरिना में खेले जाने वाले चैंपियंस लीग फाइनल से पहले म्यूनिख में यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिन से मुलाकात की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व सचिव शाह ने शुक्रवार को सेफरिन से मुलाकात की। शाह ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, 'चैंपियंस लीग फाइनल से पहले म्यूनिख में क्रिकेट का प्रतिनिधित्व करने और यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिन के साथ चर्चा करने का सम्मान मिला। हमारे खेल को विश्व स्तर पर पहुंचाने के लिए अन्य खेलों के प्रमुखों से मुलाकात करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है।'

ध्यान 2026 एशियाड पर यूटीटी से तैयारी शुरू

अहमदाबाद। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार के चैंपियन हरमीत देसाई जापान में अगले साल होने वाले एशियाई खेलों में पोडियम फिनिश पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके लिए वह अल्टीमेट टेबल टेनिस के छठे सत्र को तैयारी की तरह लेंगे क्योंकि इसमें कई अनुभवी खिलाड़ी भाग लेंगे। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज देसाई ने 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने गोल्ड कोस्ट में पुरुष युगल में कांस्य पदक और जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता है।

इंटर काशी फिर खेल पंचाट में जाने को तैयार

नई दिल्ली। आई लीग क्लब इंटर काशी दूसरी बार खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाने को तैयार है क्योंकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने नामधारी एफसी, रीयल कश्मीर और चर्चिल ब्रदर्स के फुटबॉलर मारियो बार्को के पुनः पंजीकरण को लेकर वाराणसी स्थित क्लब के खिलाफ अपील को बरकरार रखा है। एआईएफएफ अपील समिति के ताजा फैसले का मतलब है कि इंटर काशी के चार अंक काटे जाएंगे जबकि चर्चिल ब्रदर्स के अंक में दो अंक जुड़ जाएंगे और नामधारी को तीन अंक मिलेंगे।

ऑरेंज कैप	पर्पल कैप
साई सुदर्शन	प्रसिद्ध कृष्णा
759 रन	25 विकेट
गुजरात	गुजरात

खबर संक्षेप

युद्धवीर बने भारतीय टेस्ट टीम के मैनेजर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के अनुभवी प्रशासक युद्धवीर सिंह को आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने यह जानकारी दी। युद्धवीर यूपीसीए के आजीवन सदस्य हैं। वह इससे पहले संघ के सचिव और निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी जिसका पहला मैच 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया।

भारत की युवा टेस्ट टीम इंग्लैंड में छोड़ेगी छाप

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने शनिवार को यहां कहा कि भारत के युवा खिलाड़ियों में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में कुछ खास हासिल करने की क्षमता है, बशर्ते वे खुद पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी आगे आए। 25 वर्षीय शुभमन गिल की अगुवाई में भारत अगले महीने इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का नया चक्र शुरू करेगा। भारत को रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिलेगी।

जीत की संस्कृति बड़े मैचों में मदद करती है

मुल्लांपुर। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने का मानना है कि उनकी टीम ने अपने मुख्य खिलाड़ियों के साथ वर्षों से जो जीत की संस्कृति बनाई है, उससे उन्हें दबाव की परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलती है। पांच बार की चैंपियन मुंबई की टीम ने शुक्रवार को यहां आईपीएल के एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को हराकर दूसरे क्वालीफायर में प्रवेश किया जहां उसका सामना रविवार को पंजाब किंग्स से होगा।

फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट

अल्काराज की संघर्षपूर्ण जीत चौथे दौर में पहुंचे होल्कर रुने

एजेंसी ▶▶| पेरिस

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ ने चार सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके होल्गर रुने के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया। अल्काराज ने रात के सत्र में खेले गए मैच में बोस्निया के 33 वर्षीय खिलाड़ी दामिर दज़ुमुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराया।

यह पहला अवसर था जबकि स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज बोस्निया के खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि इस मैच में जीत हासिल करना आसान नहीं था। अल्काराज ने कहा, 'आज मुझे काफी परेशानी हुई। पहले दो सेट में मैंने नियंत्रण बनाए रखा था लेकिन इसके बाद उसने आक्रामक होकर खेलना शुरू कर दिया। यह मेरे लिए वास्तव में मुश्किल था।'

चौथे दौर में उनका सामना बेन शेल्टन से होगा। इस बीच डेनमार्क के 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रुने ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को पांच सेट तक चले मैच में 4-6, 6-2, 5-7, 7-5, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। रुने ने इस दौरान एक दर्शक को बाहर करने की अपील भी की जो लगातार उन पर चिल्ला रहा था। चौथे दौर में उनका मुकाबला इटली के आठवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी से होगा।

चोटिल ओवरटन सफेद गेंदों की श्रृंखला से बाहर

लंदन। जेमी ओवरटन बृहस्पतिवार को वनडे श्रृंखला के पहले मैच में लगी उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के बाकी बचे वनडे और टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एजबेस्टन में इंग्लैंड की 238 रन की जीत के दौरान रिटर्न कैच लेने की कोशिश करते हुए उंगली में चोट लगा बैठे। इंग्लैंड क्रिकेट ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'अब वह इंग्लैंड की मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैबिलिटेशन करायेंगे। वनडे टीम में उनकी जगह कोई खिलाड़ी शामिल नहीं किया जाएगा।' वनडे श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को खेला जाएगा।

भारत ने जीते 24 पदक, सचिन सहित 3 को रजत

एजेंसी ▶▶| गुमी

भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, कई व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और अंतिम दिन छह पदकों के साथ कुल 24 पदकों के साथ अपना अभियान खत्म किया। भारतीय खिलाड़ी प्रतियोगिता के आखिरी दिन शनिवार को स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन से तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक हासिल किए।

पारुल चौधरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा रजत पदक जीता और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी दूसरे स्थान पर रहे जबकि धावक अनिमेष कुजूर ने राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। विथ्या रामराज और पूजा ने भी अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। भारत का अभियान इस तरह आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदकों के साथ खत्म हुआ। भारतीय दल पिछले सत्र में 27 पदक जीते थे लेकिन जब स्वर्ण पदकों की संख्या छह थी। इससे पहले 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीतने वाली पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उभरते सितारे 25 वर्षीय यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 86.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी यशवीर सिंह ने भी प्रभावित किया तथा 82.57 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नायर का दोहरा शतक, भारत-ए का 557 रन का विशाल स्कोर

एजेंसी ▶▶| कैंटरबरी

करुण नायर के शानदार दोहरे शतक से भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 557 रन बनाए। नायर ने 281 गेंद का सामना करते हुए 26 चौके और एक छक्का जड़कर 204 रन बनाए।

भारत ए ने सुबह तीन विकेट पर 409 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनके दोहरे शतक से टीम ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा। नायर ने 186 रन से आगे खेलना शुरू किया और तेज गेंदबाज एडी जैक की गेंद पर कवर के ऊपर से चौका लगाकर 272 गेंद में 200 रन पूरे किए। इससे पहले भारत ए ने ध्रुव जुरेल (94) और नीतिश कुमार रेड्डी (07) के रूप में दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे। नायर और जुरेल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े। इससे पहले सरफराज खान ने 119 गेंदों में 92 रन बनाए थे।

ऊंची कूद में रचा इतिहास

पराली की बोरी पर की ट्रेनिंग अब 18 साल की उम्र में जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली पूजा सिंह ने 2019 में ऊंची कूद में स्पर्धा करने का फैसला किया था। शुरुआत में पराली से भरी बारियों पर अभ्यास करती थी लेकिन शुक्रवार को इस 18 साल की एथलीट को आखिरकार अपनी मेहनत का फल मिल गया। पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.89 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता। पूजा ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा आयोजित एक बातचीत में मीडिया से कहा, 'मैंने 2017 में शुरुआत की और 2019 तक मैं योग और जिम्नास्टिक कर रही थी। मैंने कई स्पर्धाओं में भी हिस्सा लिया। 2019 में मैंने ऊंची कूद को चुना। मैं कड़ी मेहनत और संघर्षों के बाद मैं यहां तक पहुंची हूं।' पूजा ने कहा कि पराली से भरे बोरों पर अभ्यास करने से उन्हें अंडर-16 स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने में मदद मिली।

आईसीसी ने तीनों फार्मेट को रोमांचक बनाने किया फैसला

आज से टेस्ट, वनडे और टी20 के नियमों में बदलाव

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने टेस्ट और वनडे के साथ टी20 फॉर्मेट को और रोमांचक बनाने के लिए अगले महीने जून से कुछ नए नियमों को बदलने का फैसला लिया है। इसमें वनडे में 2 नई गेंदों के इस्तेमाल के अलावा कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम में बदलाव के साथ बाउंड्री लाइन पर पकड़े जाने वाले कैच के नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं। नियमों में हो रहे बदलाव का सबसे ज्यादा असर वनडे फॉर्मेट में देखने को मिलेगा जिसमें गेंदबाजों को अधिक फायदा होगा।

वनडे फॉर्मेट में पिछले कुछ सालों में बल्लेबाजों का दबदबा पूरी तरह से देखने को मिल रहा है, जिसमें दोनों छोर से दो नई गेंद होने की वजह से गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग हासिल करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने वनडे में 2 गेंदों के प्रयोग को लेकर अब नियम में जो बदलाव किया है उसमें 17-17 ओवर्स तक 2 गेंदों का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके बाद अब 35 ओवर्स के बाद सिर्फ एक गेंद का प्रयोग किया जाएगा जिससे गेंदबाजों के लिए आखिरी ओवर्स में रिवर्स स्विंग हासिल करने में थोड़ी मदद मिलेगी जिससे बल्लेबाजों के लिए तेजी से रन बनाना थोड़ा मुश्किल काम जरूर होगा।

कप्तान करेगा फैसला

35वें ओवर से किस गेंद का प्रयोग करना है इसका फैसला फील्डिंग करने वाली टीम का कप्तान करेगा। वहीं यदि मुकाबला किसी वजह से 25 या उससे कम ओवर्स का खेला जाता है तो उस स्थिति में सिर्फ एक गेंद का प्रयोग किया जाएगा। वनडे में ये नया नियम 2 जुलाई से शुरू होने वाली श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज से लागू होगा।

कन्कशन सब्स्टीट्यूट के नियम में भी होगा बदलाव

आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट के नियम में भी बदलाव का फैसला किया है जिसमें अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले ही कन्कशन रिप्लेसमेंट के लिए अपने पांच प्लेयर्स के नाम मैच रेफरी को देने होंगे। इसमें एक विकेटकीपर, एक स्पिनर, एक ऑलराउंडर, एक बल्लेबाज और एक तेज गेंदबाज का नाम होगा। ऐसे में यदि मुकाबले के दौरान कोई खिलाड़ी कन्कशन के चलते बाहर होता है तो उसी की ही तरह दूसरे प्लेयर को शामिल किया जाएगा। टेस्ट क्रिकेट में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद ये नियम लागू होंगे जब श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा।

कार्यालय नगर परिषद् अमरकंटक जिला अनूपपुर (म.प्र.)

E-Mail: Cmoamarkantak@mpurban.gov.in fax No. 07629-269441

क्रमांक 725/ न.परि. / तक.शा./ 2025 अमरकंटक, दिनांक 30/5/2025

"सूचना"

सूचित किया जाता है कि म.प्र. अर्बन डेवलपमेन्ट कम्पनी लिमिटेड परियोजना ईकाई शहडोल के पत्र क्र. 136 दिनांक के अनुक्रम में एम.पी.यू.डी.सी. द्वारा क्रियान्वित नगर परिषद अमरकंटक की सीवरेज योजना अन्तर्गत संचालन संधारण व्यय हेतु मलजल कर का निर्धारण पी.आई.सी. की बैठक दिनांक 23.05.2025 के प्रस्ताव क्र. 01 में पारित निर्णय अनुसार किया गया विवरण निम्नांकित हैं :-

1. घरेलू (निजी) कनेक्शन	-	200 /- रुपए प्रतिमाह)
2. हॉटल / लॉज (1 से 50 तक कमरें में)	-	5000 /- रुपए प्रतिमाह
3. हॉटल / लॉज (50 से अधिक कमरें)	-	10000 /- रुपए प्रतिमाह
4. हॉटल / लॉज (जलपान / भोजनालय)	-	5000 /- रुपए प्रतिमाह
5. आश्रम (200 कमरें से अधिक)	-	15000 /- रुपए प्रतिमाह
6. आश्रम (20 कमरें से 200 कमरे तक)	-	10000/- रुपए प्रतिमाह
7. आश्रम (1 से 20 कमरे) से 20 कमरे)	-	5000 /- रुपए प्रतिमाह
8. शासकीय भवन	-	1000 /- रुपए प्रतिमाह

उक्त के संबंध में आम नागरिकों है कि कार्यालय में 15 दिवस के अंदर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, 15 दिवस उपरांत दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् अमरकंटक
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

तमिलनाडु के कांचीपुरम में की थी आत्महत्या

दहेज व आत्महत्या दुष्प्रेरण के मामले में पति को 10 वर्ष का कारावास

रिश्ते के भाईयों को भी एक-एक वर्ष की सजा

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत ने बहुचर्चित तितिक्षा तिवारी आत्महत्या मामले में उनके पति व उसके दो रिश्ते के भाईयों को दोषी करार दिया है। अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक सक्सेना की कोर्ट ने पति करमेता, जबलपुर निवासी नितिन शुक्ला को 10 वर्ष के कारावास व दो लाख के जुर्माने से दंडित किया है। वहीं सह अभियुक्त अनूप तिवारी व अतुल तिवारी को एक-एक साल के कारावास व एक-एक हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया।

अभियोजन की ओर से दलील दी गई कि छह फरवरी, 2013 को तितिक्षा तिवारी की शादी शारदा नगर, करमेता निवासी नितिन शुक्ला के साथ हुई थी। शादी से पहले ही

उसके ससुराल वालों ने आठ लाख रुपये नगद व अन्य सामग्री दहेज में दिये जाने की मांग की थी। जब पीड़ित परिवार ने असमर्थता व्यक्त की तो चार लाख रुपये नगद व ढाई लाख रुपये की गृहस्थी की सामग्री लेते हुए विवाह संपन्न हुआ। शादी के कुछ दिनों बाद ही तितिक्षा अपने पति नितिन शुक्ला के साथ तमिलनाडु में नौकरी होने के कारण कांचीपुरम में रहने लगी। इसी दौरान आरोपित पति नितिन शुक्ला, उसकी मां कल्पना शुक्ला व ममेरे भाई अनूप तिवारी और अतुल तिवारी रूपयों की मांग को लेकर मृतका तितिक्षा तिवारी को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। तितिक्षा ने अपनी आपबीती अपने मायके पक्ष के परिजनों को बतायी थी। आये दिन की प्रताड़ना से तंग आकर तितिक्षा ने 18 सितंबर, 2013 को तमिलनाडू के कांचीपुरम स्थित अपने निवास स्थान पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसका सुसाईड नोट भी पुलिस ने जांच दौरान बरामद किया था। मामले की शिकायत जबलपुर के कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई थी।

अतिक्रमण हटाने के मामले में एसडीओ का निर्णय आने तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के मामले में एसडीओ का निर्णय आने तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल धगट की अवकाशकालीन एकलपीठ ने एसडीओ को याचिकाकर्ता के आवेदन पर 30 दिन के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए। सतना निवासी मंगलदीन साकेत व अन्य की ओर से अधिवक्ता नितिन जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि तहसीलदार ने 13 मई को याचिकाकर्ताओं को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दलील दी तहसीलदार के आदेश को एसडीओ के समक्ष चुनौती दी है, जोकि लंबित है। याचिकाकर्ताओं ने स्टे के लिए भी आवेदन पेश किया है जोकि विचाराधीन है। यदि निर्माण हटाया जाता है तो याचिकाकर्ताओं को बहुत अधिक नुकसान होगा। कोर्ट ने कहा कि एसडीओ द्वारा पारित निर्णय से तहसीलदार को अवगत कराएं और तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाए।

बारिश के दौरान होर्डिंग लगाने विवश करने पर अपराध दर्ज

- करंट लगने से परिवादी के भाई की हो गई थी मौत
- अदालत ने आरोपित को प्रस्तुत करने दिए निर्देश

जबलपुर। जिला अदालत ने बारिश के दौरान होर्डिंग लगाने विवश करने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत के मामले को गंभरता से लिया। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी दीपा पोल की कोर्ट ने आरोपित जबलपुर निवासी अजहर खान के विरुद्ध अपराध दर्ज करने व उसकी उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। परिवादी आयशा नगर, अमखेरा, अधारताल निवासी तौफीक अहमद की ओर से अधिवक्ता संदेश दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि परिवादी का छोटा भाई अतीक अहमद आरोपित अजहर खान के यहां होर्डिंग लगाने का कार्य करता था। सात अगस्त, 2021 को रात साढ़े आठ बजे फोन आया। अजहर ने अतीक को शास्त्री ब्रिज, मालवीय चौक, विजय नगर व रद्दी चौकी में होर्डिंग लगाने की जिम्मेदारी सौंपी। कुछ देर बाद मौसम खराब हो गया। बारिश होने लगी। इस पर अतीक ने कहा कि दूसरे दिन कार्य कर देंगे। लेकिन अजहर ने दबाव बनाया कि आज ही काम पूरा करना होगा। यदि ऐसा नहीं किया तो पैसे नहीं देंगे। लिहाजा, विवश होकर अतीक को काम पर आना पड़ा। बारिश के बीच होर्डिंग लगाते समय रद्दी चौकी की हाईटेंशन लाइन से हाथ टच हो गया। करंट लगने से वह नीचे गिर गया। मेडिकल में इलाज के दौरान मौत हो गई। चूंकि अजहर ने बिना सुरक्षा उपकरणों के बारिश के बीच खतरा उठाने विवश किया, अतः उसके विरुद्ध अपराध दर्ज होना चाहिए। कोर्ट ने यह मांग स्वीकार कर ली।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में 1 से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश

कार्यकर्ता-सहायिका रहेंगी क्रियाशील

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों में आगामी 1 से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश केन्द्रों में नियमित रूप से आने वाले 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों के लिए होगा।आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की उपस्थिति इस अवधि में अनिवार्य रहेगी। महिला बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, यह अवधि आंगनवाड़ी केन्द्रों के रख-रखाव, दस्तावेज संधारण, वार्षिक सर्वेक्षण तथा पोषण संबंधित गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है। इस दौरान केन्द्रों में बच्चों के लिए नाश्ता एवं गर्म पका भोजन के स्थान पर रेडी टू ईट (RTE) भोज्य पदार्थ महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा वितरित किया जाएगा। केन्द्रों की साफ-सफाई और मरम्मतः भवन की सफाई, खेल सामग्री की व्यवस्था, रसोई व शौचालय की मरम्मत तथा पेयजल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

दोस्तों के सामने देखते ही देखते कूद गया नदी में, तलाश जारी

युवक ने धुआंधार से लगाई छलांग

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत धुआंधार में एक युवक ने नर्मदा नदी में छलांग लगा दी. उसके बाद युवक की जलसमाधि हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ भेड़ाघाट घूमने गया था। घटना के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और गोताखोर मौके में पहुंचे और उसकी खोजबीन शुरु कराई। घटना की जानकारी मिलते ही संदीप के परिजन और रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए थे।

भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार करौंदी रांझी निवासी संदीप अपने दोस्तों के साथ भेड़ाघाट घूमने के लिए आया था. यहां पर संदीप ने अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी, इसके बाद संदीप अचानक कपड़े उतारकर जाने लगा, जिसे देख दोस्तों ने चिल्लाते हुए रोकने की कोशिश की लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी और नर्मदा नदी में छलांग लगा दी. युवक को नर्मदा में कूदते देख आसपास खड़े लोगों में भी चीख पुकार मच गई. खबर मिलते ही भेड़ाघाट पुलिस पहुंच गई, जिन्होने गोताखोरों की मदद से संदीप की तलाश कराई लेकिन अभी तक संदीप का कहीं पता नहीं चल सका है. रेस्क्यू टीम अभी भी तलाश में जुटी है।

क्षेत्र का दौरा नहीं करने वाले इंजीनियरों के खिलाफ करें कार्रवाई : ऊर्जा मंत्री तोमर

जबलपुर। "विद्युत वितरण कम्पनी के एसई, ईई, एई और डीई लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर विद्युत वितरण सिस्टम की समीक्षा करें। क्षेत्र का दौरा नहीं करने वाले इंजीनियरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।" ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश शनिवार को विद्युत वितरण कम्पनियों के एमडी और अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बिजली ट्रिपिंग की समीक्षा के दौरान दिये। श्री तोमर ने कहा कि हर अधिकारी बिजली उपभोक्ताओं के फोन जरूर सुनें। फोन नहीं उठाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि आंधी और वर्षा के दौरान बिजली गुल होने पर त्वरित कार्यवाही कर विद्युत आपूर्ति शुरू करवायें। श्री तोमर ने कहा कि आवश्यकता अनुसार एफओसी की टीम बढ़ायें। ट्रांसफार्मर लोड का करें निर्धारण। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण ट्रांसफार्मर में अधिक लोड के कारण बिजली गुल होने के साथ ही वह जल भी जाते हैं। इसके लिये जरूरी है कि सर्वे करवा कर उपयुक्त क्षमता के ट्रांसफार्मर स्थापित किये जायें। उन्होंने कहा कि कॉल-सेंटर की क्षमता में वृद्धि की जाये, जिससे उपभोक्ताओं को समस्या दर्ज कराने के लिये ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़े।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240